तिथि-बैशाख, कृष्ण, त्रयोदशी

सोना - 98,620
शेयर मार्केट- 79,212
चांदी- 1,00,900
निफ्टी- 24,039
अधिकतम -41 °c
न्यूनतम -26 °c

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

www.charchitrajnit.com | वर्ष - 21 अंक-152 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 | लखनऊ, शनिवार 26 अप्रैल, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य : दो रुपये

सिर्फ मजहबी शिक्षा तक सीमित न रहें मदरसे

मदरसों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया होगी पारदर्शी : योगी

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मदरसा शिक्षा नीति को लेकर आज महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें उन्होंने कहा है कि अब मदरसों को केवल मजहबी शिक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मदरसा शिक्षा में बड़े बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब तक मदरसे अवस्थापना मानकों को पूरा न करे, उन्हें मान्यता न दी जाए।सरकार का मकसद सिर्फसुधार नहीं मदरसा शिक्षा को नवाचार और समावेशिता के साथ मुख्यधारा से जोड़ना भी है।

मदरसों के बच्चों को भी गणित, विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी और सामाजिक विज्ञान जैसी आधुनिक पढ़ाई का पूरा लाभ मिलना चाहिए। मदरसों में पढ़ने वाले विद्यार्थी का भविष्य उज्ज्वल करना सरकार की प्राथमिकता है। उत्तर प्रदेश में 13,329 मान्यता प्राप्त मदरसे संचालित हो रहे हैं, जिनमें करीब 12.35 लाख छात्र-छात्राएं पढ़ रहे है। 561 मदरसो को राज्य सरकार से अनुदान मिलता है। इनमें करीब 23 हजार से अधिक शिक्षक और कर्मचारी काम कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने इस बात पर चिंता जताई कि बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। 2016 में जहां यह संख्या 4.22 लाख थी। 2025 में घटकर मात्र 88 हजार रह गई। मुख्यमंत्री ने इसे चिंताजनक बताते हुए सुधार की जरूरत बताई। मुख्यमंत्री ने मदरसों में पारदर्शिता और गुणवत्ता लाने पर जोर देते हुए शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने उच्चस्तरीय समिति बनाने के आदेश दिए, जिसकी अध्यक्षता निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण करेंगे। समिति में शिक्षा, वित्त और न्याय विभाग के अधिकारी भी शामिल होंगे।समिति मदरसों के संचालन, शिक्षकों की सेवा सुरक्षा, पाठ्यक्रम में बदलाव पर सिफारिशें देगी। प्रदेश में मदरसा शिक्षा को व्यवस्थित करने के लिए अगस्त 2017 में मदरसा पोर्टल की शुरुआत की गई थी।

● **मदरसों में पाठ्यक्रम और शिक्षकों की योग्यता पर बदलाव जरूरी : मुख्यमन्त्री**

इसके जरिए परीक्षाएं, प्रमाणपत्र, पंजीकरण और अन्य कार्य ऑनलाइन हो गए हैं, जिससे व्यवस्था में पारदर्शिता आई है। अब सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी स्तर पर एससीईआरटी के पाठ्यक्रम लागू किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि मदरसा शिक्षा को नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार बनाना होगा। पाठ्यक्रम और शिक्षकों की योग्यता में बदलाव जरूरी है। मदरसे केवल मजहबी शिक्षा केंद्र न बनें बल्कि वहां से निकलने वाले बच्चे समाज की मुख्यधारा से जुड़ें और बेहतर भविष्य की ओर बढ़ें।

पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर सीएम योगी ने अर्पित की पुष्पांजलि : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे आजादी की लड़ाई के महान सेनानी थे और उन्होंने प्रदेश और देश के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया। मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार को यहां पूर्व मुख्यमंत्री बहुगुणा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा का आज जन्मदिन है।

इस अवसर पर प्रदेशवासियों की ओर से मैं उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। योगी ने कहा कि बहुगुणा एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे तथा भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका के कारण उन्हें ब्रिटिश सरकार की यातना भी सहनी पड़ी थी। दिवंगत बहुगुणा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा 1952 में बहुगुणा पहली बार उप्र विधानसभा के सदस्य बने। प्रदेश सरकार में मंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के रूप में भी उन्होंने अनेक मंत्रालयों में नेतृत्व क्षमता का परिचय देकर प्रदेश और देश के विकास में अपना योगदान दिया। योगी ने कहा कि बहुगुणा स्कूली शिक्षा गांव में ही अर्जित करने के बाद उच्च शिक्षा के लिए प्रयागराज आये और वहीं आजादी के आंदोलन से जुड़ गये।

उन्होंने कहा कि प्रदेश और देश के विकास के लिए उन्होंने जो अमूल्य योगदान दिया है, उनकी स्मृतियों को ये सरकारें आगे बढ़ा रही हैं। इस अवसर पर उप्र के पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉक्टर अम्मार रिजवी और पूर्व मंत्री रीता बहुगुणा जोशी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे। हेमवती नंदन बहुगुणा का जन्म 25 अप्रैल 1919 को पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखंड) में हुआ था और 17 मार्च 1989 को उनकी अमेरिका के क्लीवलैंड, ओहियो में मृत्यु हो गयी।

सीएम योगी ने सभी मेधावी छात्र, छात्राओं को दी बधाई, कहा-आपकी यह उपलब्धि गौरवान्वित करने वाली है : उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपीएमएसपी) ने 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिया है। 10वीं में यश प्रताप सिंह ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है, जबकि 12वीं में महक जायसवाल टॉपर बने हैं।

छात्र परिणाम डिजिलॉकर की वेबसाइट नचउेच.मकन.पद पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी है।उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की 10वीं एवं 12वीं कक्षा की परीक्षाओं में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई ! सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की 10वीं एवं 12वीं कक्षा की परीक्षाओं (शेष पृष्ठ 7 पर)

वक्फ संशोधन मामले में केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया जवाब

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का अनुरोध किया और कहा कि इस कानून पर पूर्ण रोक नहीं लगाई जा सकती क्योंकि इसकी संवैधानिकता पर पूर्वधारणा है। 1,332 पृष्ठों के प्रारंभिक जवाबी हलफनामे में केंद्र सरकार ने विवादास्पद कानून का बचाव करते हुए कहा कि चौंकाने वाली बात है कि 2013 के बाद वक्फ भूमि में 20 लाख हेक्टेयर (ठीक 20,92,072.536 हेक्टेयर) से अधिक की बढ़ोतरी हुई।

केंद्र सरकार के हलफनामे में कहा गया है, मुगल काल से पहले, स्वतंत्रता के पहले और स्वतंत्रता के बाद में भारत में कुल 18 लाख 29 हजार 163.896 एकड़ भूमि पर वक्फ बनाए गए। इसमें निजी और सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण करने के लिए पहले के प्रावधानों के दुरुपयोग का दावा किया गया है। बता दें कि, यह हलफनामा अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय में संयुक्त सचिव शेरशा सी शेख मोहिद्दीन की तरफ से दायर किया गया था।

संसद से पारित कानूनों पर लागू होती है संवैधानिकता की धारणा : हलफनामे में आगे कहा गया है कि, कानून में यह तय है कि संवैधानिक अदालतें किसी वैधानिक प्रावधान पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोक नहीं लगाएंगी और मामले पर अंतिम रूप से निर्णय लेंगी। संसद की तरफ से बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है। केंद्र ने आगे कहा, जबकि यह अदालत मामलों की सुनवाई के दौरान इन चुनौतियों की जांच करेगी, लेकिन सामान्य मामलों में (यहां तक कि मुस्लिम समुदाय के सदस्यों पर भी) इस तरह के आदेश के प्रतिकूल परिणामों के बारे में जाने बिना पूरी तरह से रोक (या आंशिक रोक) लगाना, यदि याचिकाएं असफल हो जाती हैं, तो यह अनावश्यक होगा, खासकर ऐसे कानूनों की वैधता की धारणा के मामले में। हलफनामे में कहा गया है कि अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाएं इस झूठे आधार पर आगे बढ़ीं कि संशोधन धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों को छीन लेते हैं। इसमें कहा गया है कि अदालत विधायी क्षमता और संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर कानून की समीक्षा कर सकती है। सरकार ने कहा कि प्रमुख राजनीतिक दलों के सदस्यों वाली संसदीय समिति की तरफ से बहुत व्यापक, गहन और विश्लेषणात्मक अध्ययन के बाद संशोधन किए गए हैं।

● **संसद से पारित कानून संवैधानिक तौर पर वैध, उन पर रोक नहीं लगा सकते, वक्फ कानून पर केन्द्र सरकार का हलफनामा**

कानून वैध है और विधायी शक्ति के वैध प्रयोग का परिणाम : सरकार ने कहा, संसद ने अपने अधिकार क्षेत्र में काम किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वक्फ जैसी धार्मिक संस्थाओं का प्रबंधन इस तरह से हो कि उनमें आस्था रखने वालों और समाज के लोगों का भरोसा बना रहे और धार्मिक स्वायत्तता का उल्लंघन न हो। केंद्र ने कहा कि यह कानून वैध है और विधायी शक्ति के वैध प्रयोग का परिणाम है। हलफनामे में कहा गया है कि विधायिका की तरफ से अधिनियमित विधायी व्यवस्था को बदलना अस्वीकार्य है। बता दें कि वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने कुछ बिन्दुओं पर असहमति जताई थी, इस पर केन्द्र सरकार ने दस दिन का समय मांगा था, मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 5 मई को होगी।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी ने एमसीडी की सीट पर किया कब्जा

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एमसीडी में बीजेपी ने बड़ी बाजी मारी है। पार्टी ने कांग्रेस के उम्मीदवार मनदीप को हरा कर मेयर का पद हासिल किया है। इकबाल को 133 वोट मिले जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार मनदीप को महज आठ वोट मिले। इसके अलावा आप ने इस इलेक्शन में कोई उम्मीदवार नही उतारा था। एमसीडी मेयर चुनाव जीतने के बाद बीजेपी नेता राजा इकबाल सिंह ने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली बीजेपी प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा और पार्टी के अन्य नेताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं सत्ता पक्ष, विपक्ष और कांग्रेस के साथ मिलकर काम करूंगा. दिल्ली के विकास के लिए बिना किसी भेदभाव के फैसले लिए जाएंगे। मेयर इलेक्शन जीतने के बाद इकबाल सिंह ने कहा कि, मेरा मुख्य लक्ष्य दिल्ली की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना, कूड़े के पहाड़ हटाना, जलभराव की समस्या का समाधान करना और दिल्ली के लोगों को सभी बुनियादी और जरूरी सुविधाएं मुहैया कराना होगा। हम सब मिलकर पूरी लगन और मेहनत से काम करेंगे।

डॉ. कस्तूरीरंगन का निधन

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश ने आज एक महान वैज्ञानिक और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता को खो दिया। इसरो के पूर्व प्रमुख डॉ. के. कस्तूरीरंगन का 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनके जाने से वैज्ञानिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। डॉ. कस्तूरीरंगन वही शख्सियत थे जिनके मार्गदर्शन में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में ऐतिहासिक छलांग लगाई थी। पीएसएलवी और जीएसएलवी जैसे प्रक्षेपण यानों की सफलता से लेकर आईएनएसएटी और आईआरएस सैटेलाइट्स की नई पीढ़ी तक, उन्होंने भारत को एक अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। उनके योगदान को देश कभी नहीं भूल पाएगा। उनके निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। डॉ. कस्तूरीरंगन इसरो के इतिहास में सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष पद पर कार्यरत रहे। उन्होंने करीब 10 वर्षों तक इसरो चीफ (शेष पृष्ठ 7 पर)

सालों-साल होती हैं चुनाव की तैयारियां प्रभावित होता है विकास : शिवराज सिंह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश नागरिक परिषद की ओर से शुक्रवार को वन नेशन, वन इलेक्शन विषय पर लखनऊ में संगोष्ठी का आयोजन हुआ। गांधी भवन प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए हैं।

उन्होंने कहा कि सालों-साल चुनाव की तैयारियां होती हैं। इससे विकास प्रभावित होता है। आर्थिक नुकसान होता है। समय बर्बाद होता है। वन नेशन, वन इलेक्शन से इन सभी समस्याओं छुटकारा मिल जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्च न्यायालय लखनऊ बेंच के रिटायर्ड न्यायमूर्ति रंगनाथ पाण्डेय ने किया। विशिष्ट अतिथियों के तौर पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और पूर्व राज्यपाल फगू चौहान शामिल हुए। इस चर्चा का उद्देश्य देश में चुनाव प्रक्रिया को सरल बनाना रहा। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वोटर लिस्ट में सबको काम में लगा दिया जाता है। शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सरकारी कर्मचारी सब काम छोड़कर चुनाव की ड्यूटी में लग जाते हैं। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री का एक एक पल कीमती है, लेकिन जब चुनाव आता उनका मूलवान समय चुनाव में लग जाता है। मंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री चुनाव अभियान में लग जाते हैं। अमूल्य समय एमपी मंत्री, डस। सबका बार बार चुनाव होने से समय बर्बाद होता है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारे देश में और कुछ हो न हो सालों-साल 12 महीने चुनाव की तैयारी जरूर होती है। एक चुनाव खत्म होतो है दूसरा शुरू हो जाता है। चुनाव आते हैं हम चुनाव (शेष पृष्ठ 7 पर)

● **वन नेशन, वन इलेक्शन विषय पर लखनऊ में संगोष्ठी का आयोजन**

आसमान से मकान की छत पर गिरी गोले जैसी वस्तु, जमीन में हुआ 10 फिट का गड्ढा

शिवपुरी (मध्य प्रदेश), एजेंसी। शिवपुरी जिले की पिछोर तहसील से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां ठाकुर बाबा कॉलोनी में अचानक आसमान से एक बम जैसी भारी धातु की वस्तु गिरने से हड़कंप मच गया। यह घटना मनोज सगर के मकान पर हुई, जहां गिरने से मकान के दो कमरे और एक बाइक व कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं ये अज्ञात वस्तु जमीन में लगभग 10 फिट गहराई का गड्ढा करते हुए धंस गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ऊपर से एक हवाईजहाज निकलने के दौरान ये भारी-भरकम गोला मकान के ऊपर गिरा। ऐसे में संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं कि हवाईजहाज से कोई वस्तु निकल कर रिहायशी क्षेत्र में आ गिरी, जिससे मकान ध्वस्त हो गया। हैरान करने वाली बात यह है कि जिस एयरक्राफ्ट से यह वस्तु गिरी, वह अभी भी इलाके के ऊपर चक्कर लगाता देखा गया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह जेट किस संस्था का है। क्या यह वायुसेना का है या किसी अन्य एजेंसी से जुड़ा हुआ। घटना के वक्त मकान में चार लोग मौजूद थे, लेकिन गनीमत रही कि सभी लोग सुरक्षित हैं। सूचना मिलते ही मौके पर तहसीलदार एसडीएम और एसडीओपी पुलिस टीम के साथ पहुंचे (शेष पृष्ठ 7 पर)

पाकिस्तानियों को खोजो और वापस भेजो : शाह

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार एक्शन मोड में है। पहले पीएम मोदी ने आपात बैठक कर पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा कैंसिल करने का फैसला किया। अब गृह मंत्री अमित शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से बात करके उन्हें कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि देश छोड़ने की समय सीमा समाप्त होने के बाद कोई भी पाकिस्तानी भारत में न रहे।

दरअसल, शाह ने आज यानि शुक्रवार को सभी मुख्यमंत्रियों से बात करके उन्हें कहा कि वो अपने-अपने राज्य में खोज-खोजकर सभी पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से वापस पाक भेजने का काम करें। गृहमंत्री ने अधिकारियों के साथ हुई लंबी बैठक के बाद ये निर्देश जारी किया। बता दें कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से केंद्र की मोदी सरकार लगातार एक्शन मोद में हैं। हमले के बाद भारत ने सबसे पहले कड़ा कदम उठाते हुए सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया। भारत ने औपचारिक पत्र लिखकर समझौता रद करने की जानकारी पाक को दी। भारत सरकार द्वारा सिंधु समझौता स्थगित करना एक बड़ा कदम है। दरअसल, पाक के 21 करोड़ लोग इसी के पानी पर निर्भर है। सभी लोगों के लिए ये लाइफ लाइन मानी जाती है। पाकिस्तान के सभी तरह के वीजा तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला लिया गया है। शाह ने मुख्यमंत्रियों से लोगों की शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को भी कहा है। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अपने आवास पर सिंधु जल संधि को लेकर बैठक भी करेंगे। इस बैठक में गृह मंत्री और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के अलावा अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल होंगे। सूत्रों ने एएनआई को बताया कि कि भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बारे में पाकिस्तान को औपचारिक रूप से लिखित रूप से सूचित कर दिया है। जल शक्ति मंत्रालय की सचिव देवश्री मुखर्जी ने (शेष पृष्ठ 7 पर)

भारत का बड़ा एक्शन लश्कर के टॉप कमांडर का किया एनकाउंटर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने एक के बाद एक कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। 22 अप्रैल को हुए इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटक मारे गए जबकि 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। अब इसी घटना के जवाब में भारतीय सेना ने एक बड़ी कार्रवाई की है। आज 25 अप्रैल की सुबह जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के कुलनार इलाके में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। गुप्त सूचना के आधार पर सेना ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। जैसे ही आतंकियों को सेना की मौजूदगी का अहसास हुआ, उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में सेना ने भी मोर्चा संभाला और कुछ ही देर में लश्कर-ए-तैयबा के खतरनाक कमांडर अल्ताफ लाली को मार गिराया। अल्ताफ लाली लंबे समय से इस इलाके में सक्रिय था और टीआरपी के आतंकियों को प्रशिक्षित करने में भी उसकी अहम भूमिका मानी जाती थी। बता दें कि टीआरपी, लश्कर से जुड़ा एक नया आतंकी संगठन है, जो कश्मीर में हमलों को अंजाम देता है। इस मुठभेड़ के दौरान भारतीय सेना के दो जवान घायल हो गए हैं।

अंसल एपीआई मामले में होमबायर्स को बड़ी राहत, डॉ. राजेश्वर सिंह की वकालत लाई रंग

संकट की घड़ी में उम्मीद की किरण बने विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

नई दिल्ली/लखनऊ। जब कोई बड़ी कंपनी दिवालिया घोषित होती है, तो उसका सबसे गहरा असर उन आम लोगों पर पड़ता है जिन्होंने अपनी जिंदगी की जमा-पूंजी एक घर के सपने में लगा दी होती है। अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (अंसल एपीआई) को दिवालिया घोषित किए जाने के बाद करीब 5000 आवंटियों के सपनों पर संकट के बादल मंडराने लगे थे।

ऐसे समय में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह उनके लिए एक उम्मीद की किरण बनकर सामने आए। सरोजनीनगर के लोकप्रिय विधायक और सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता डॉ. सिंह ने न सिर्फ इन परेशान आवंटियों की समस्याएं सुनीं, बल्कि उन्हें भरोसा दिलाया कि हर हाल में उन्हें न्याय मिलेगा। डॉ. सिंह ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भी लिखा, और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की। मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाए गए इस पत्र के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई और उच्चस्तरीय जांच के आदेश भी दिए गए। पर ये सिर्फ शुरुआत थी। न्याय की इस लड़ाई में डॉ. राजेश्वर सिंह एक कदम और आगे बढ़े। 15 और 17 अप्रैल 2025 को डॉ. राजेश्वर सिंह स्वयं अधिवक्ता की भूमिका में नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यून में पेश हुए और घर खरीदारों के पक्ष में मजबूती से बहस की। 17 अप्रैल को बहस के बाद ट्रिब्यूनल ने फैसला सुरक्षित रखा था, जिसका निर्णय 25 अप्रैल को आया। जिसके बाद होमबायर्स को बड़ी राहत मिली है!

फैसले की मुख्य बातें-खरीदारों के लिए राहत की सांस : अंतरिम आदेश पारित- एनसीएलएटी ने अंसल मामले में अंतरिम आदेश पारित किया, जो होमबायर्स के लिए बड़ी राहत है। ईओआई पर रोक :अंतरिम आदेश के तहत इंटरिम रेजोल्यूशन प्रोफेशनल को अभी तक फॉर्म जी जारी न होने के कारण एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित करने की अनुमति नहीं है। सरकारी हस्तक्षेप को स्वीकृति- ट्रिब्यूनल ने सभी संबंधित सरकारी प्राधिकरणों को मामले में हस्तक्षेप की अनुमति दी है। अगली सुनवाई : अगली सुनवाई 20 मई 2025 को दोपहर 2 बजे निर्धारित की गई है, जिसमें उत्तर और प्रत्युत्तर दायर किए जाएंगे। बता दें कि अंसल एपीआई की कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रोसेस नवंबर 2022 से चल रही है। इसके अंतर्गत गुड़गांव की फर्नहिल और ग्रेटर नोएडा की सेरेन रेजिडेंसी जैसी परियोजनाएं अलग-अलग समाधान प्रक्रिया से गुजर रही हैं।

यह पहली बार नहीं है जब डॉ. राजेश्वर सिंह ने जनता के अधिकारों के लिए आवाज उठाई हो। इससे पहले भी उन्होंने एनजीटी (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) के समक्ष अधिवक्ता के रूप में पेश होकर गढ़ी चुनौटी के चांदे बाबा तालाब की बस्ती को उजाड़ने के फैसले को स्थगित करवाया था और सैकड़ों गरीब, पिछड़े व दलित परिवारों के आशियाने उजड़ने से बचाए थे। डॉ. राजेश्वर सिंह केवल एक विधायक नहीं, बल्कि एक समर्पित जनसेवक और जुझारू अधिवक्ता हैं। जब बात जनता के हक की होती है, तब राजनीति नहीं, बल्कि प्रयास होता है, संघर्ष होता है... और अंततः न्याय मिलता है। इस पूरे संघर्ष में अनेक होमबायर्स और प्रतिनिधियों ने मिलकर अपनी आवाज़ को न्यायिक मंच तक पहुँचाने का कार्य किया। गगन टंडन, शैलेन्द्र सिंह, ए.पी.एस. राठौड़, कुश अग्रवाल, अजीत कुमार यादव, शिव शंकर अस्थाना, राजीव अग्रवाल, सचिन कनोडिया, मनीष मिश्रा, डॉ. अमित मेहरोत्रा, ए.पी. सिंह, संजय सिंह, पीयूष बंसल, अजय (शेष पृष्ठ 7 पर)

झूठा शपथ पत्र देने वाले को बचाने में लगे आला अधिकारी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने आरोप लगाया है कि झूठा शपथ पत्र देने वाले कंसलटेंट की नियुक्ति को रद्द करने के बजाय उत्तर प्रदेश शासन के आला अधिकारी उसके साथ मीटिंग कर रहे हैं और उसे बचाने में लगे हुए हैं। आज प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, सांसद आरके चौधरी, सांसद रामप्रसाद चौधरी, सांसद सीमा द्विवेदी तथा एक दर्जन से अधिक विधायकों को निजीकरण के विरोध में ज्ञापन दिए गए।संघर्ष समिति ने सभी जनपदों और परियोजनाओं पर निर्देश जारी किया है कि वे मई दिवस के अवसर पर होने वाली बाइक रैली को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसंपर्क करें।

संघर्ष समिति ने कहा है कि शांतिपूर्वक ज्ञापन दो अभियान और पिछले पांच माह से चल रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद यदि निजीकरण का निर्णय वापस न लिया गया तो अगले माह से आंदोलन प्रारंभ करने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार की और प्रबंधन की होगी। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि अवैधानिक ढंग से नियुक्त किए गए ट्रांजैक्शन कंसलटेंट ग्रांट थॉर्टन का झूठा शपथ पत्र और फर्जीवाड़ा पकड़े जाने के बाद इसे ब्लैक लिस्ट करने और उसकी नियुक्ति का आदेश रद्द करने के बजाय उत्तर प्रदेश शासन के वरिष्ठतम अधिकारी मुख्य सचिव इसी कंसल्टेंट की रिपोर्ट के आधार पर उच्च स्तरीय बैठक कर रहे हैं और बिना डरे निजीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के आदेश दे रहे हैं जो बहुत ही गम्भीर बात है।

उल्लेखनीय है कि मुख्य सचिव ने कल ऊर्जा विभाग के और पावर कारपोरेशन के उच्च अधिकारियों की बैठक कर निजीकरण की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने के आदेश दिए हैं।संघर्ष समिति ने कहा की ट्रांजैक्शन कंसलटेंट का झूठा शपथ पत्र पकड़े जाने का मामला अब लगभग तीन सप्ताह पुराना हो चुका है इसके बावजूद इस कंपनी को न तो अभी तक ब्लैक लिस्ट किया गया है और न ही इसकी नियुक्ति के आदेश रद्द किए गए हैं। इसके विपरीत इस कंपनी से पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के 42 जनपदों के निजीकरण के आरएफक्यू डॉक्यूमेंट तैयार करा लिए गए हैं। संघर्ष समिति ने कहा की उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण को लेकर कितना बड़ा भ्रष्टाचार होने जा रहा है यह उसका एक नमूना मात्र है।संघर्ष समिति ने उत्तर प्रदेश शासन के, ऊर्जा विभाग के और पावर कारपोरेशन के शीर्ष अधिकारियों पर निजी घरानों के साथ मिली भगत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह सब उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं।ज्ञापन दो अभियान के अंतर्गत आज बिजली के निजीकरण के विरोध में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, मोहनलालगंज के सांसद आरके चौधरी, संसद सदस्य रामप्रसाद चौधरी, संसद सदस्य सीमा द्विवेदी राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव एवं पूर्व मंत्री श्याम सुंदर शर्मा को ज्ञापन दिए गए।

आज लगभग एक दर्जन से अधिक विधायकों को भी ज्ञापन दिया गया। मुख्यतः कप्तानगंज के विधायक कवींद्र चौधरी, महादेवा के विधायक दूध राम, छानबे की विधायक श्रीमती रिंकी कोल, मुंगरा बादशाहपुर के विधायक पंकज पटेल, शाहगंज के विधायक रजनीश सिंह, जाफराबाद के विधायक जगदीश नारायण राय, मरियाहू के विधायक आर के पटेल, बदलापुर के विधायक रमेश मिश्रा, मल्हनी के विधायक लकी यादव को ज्ञापन दिया गया। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में पार्षदों, ग्राम पंचायत अध्यक्षों और ग्राम प्रधानों को प्रदेश भर में ज्ञापन दिए गए।

ग्रांट थॉर्नटन को लेकर उपभोक्ता परिषद का दो बड़े खुलासा : निजीकरण करण के लिए पावर कारपोरेशन प्रबंध किस हद तक जा रहा है इसका खुलासा लगातार उपभोक्ता परिषद कर रहा है। अब उपभोक्ता परिषद ने इस मामले में दो खुलासे किए है। पहला यह कि ग्रांट थॉर्नटन कंपनी को जिस आरएफक्यू पर दिया गया उसके टेंडर उसमें स्पष्ट लिखा है कंसल्टेंट कंपनी द्वारा कोई भी प्रपत्र झूठा पाया गया तो उसकी बैंक गारंटी जप्त कर उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। लेकिन पावर कारपोरेशन टेंडर की इस शर्त की जानबूझकर अनदेखी कर रहा है। उपभोक्ता परिषद ने एक और बड़ा खुलासा किया कहां ग्रांट थ्रोनटन कंपनी आंकड़ों में कारगरी करके दक्षिणांचल व पूर्वांचल के एटीण्डसी हानियों को 40 से 42 प्रतिशत के बीच बताने का एक नया खड्यंत्र चल रहा है। प्रदेश के 42 जनपदों के निजीकरण का मसौदा तैयार करने वाली ग्रांड थॉर्नटन कंपनी को जब पावर कसर्पोरेशन प्रबंधन बचाने में लगा है वही उसकी मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। टेंडर मूल्यांकन कमेटी को शायद यह पता भी नहीं होगा कि ग्रांट थ्रोनटन को जिस टेंडर रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल के तहत टेंडर दिया गया उसके बिंदु पांच पर स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि उसके द्वारा टेंडर में जो भी प्रपत्र और टेक्निकल विड दाखिल की गई है उसमें कोई भी प्रपत्र यदि झूठा पाया जाता है तो उसकी बैंक गारंटी जप्त करते हुए उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। ऐसे में पावर कारपोरेशन टेंडर की शर्तों को पढ़ ले स्वतः सच्चाई का खुलासा हो जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने पूरे मामले में विद्युत नियामक आयोग में लिखित रूप से सभी प्रपत्र दाखिल कर दिया हैं। इसके साथ ही विद्युत नियामक आयोग को यह भी अवगत कराया है कि असंवैधानिक रूप से बिना योग्यता के झूठा शपथ पत्र देने वाली कंसलटेंट कंपनी के साथ लगातार बैठक की जा रही है। हद तो तब हो गई जब उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश भी लगातार निजीकरण की प्रक्रिया को इसी कंसलटेंट की रिपोर्ट पर बढ़ाने की बात कर रहे हैं। जो अपने आप में गंभीर मामला है। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव जिन्हें भ्रष्टाचार का खुलासा करना चाहिए। वह खुद बढ़ावा दे रहे हैं, जो अपने आप में गंभीर मामला है। श्री वर्मा ने कहां ग्रांट थ्रोनटन कंपनी ने असंवैधानिक तरीके से झूठा शपथ पत्र देकर टेंडर लिया है उसको तत्काल ब्लैकलिस्टेड किया जाय। उपभोक्ता परिषद न यह भी खुलासा किया कि पावर कारपोरेशन को कानून और टेंडर का ज्ञान नहीं है। उसकी टेंडर के बिंदु 6 पर लिखा हुआ है कि कंसलटेंट अंतरराष्ट्रीय

- **कैबिनेट मंत्री, सांसदों और विधायकों को ज्ञापन**

योग्यता के आधार पर भी सुधार में अपना योगदान देगा। टेंडर की शर्तों में अंतरराष्ट्रीय योग्यता कबूल है और जब अंतरराष्ट्रीय लेवल पर अमेरिका रेगुलेटर द्वारा 40000 डॉलर की पेनल्टी लगाई गई वह कबूल नहीं है। इससे ऐसा प्रतीत होता है की पावर कारपोरेशन के उच्च अधिकारी बड़े भ्रष्टाचार में लिप्त है। दबाव में उसे बचा रहे हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि कंसलटेंट कंपनी पर कार्यवाही का मतलब निजीकरण की प्रक्रिया पर विराम लग जाएगा।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने निजीकरण के विरोध में कैबिनेट मंत्री : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने आरोप लगाया है कि झूठा शपथ पत्र देने वाले कंसलटेंट की नियुक्ति को रद्द करने के बजाय उत्तर प्रदेश शासन के आला अधिकारी उसके साथ मीटिंग कर रहे हैं और उसे बचाने में लगे हुए हैं। आज प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, सांसद आरके चौधरी, सांसद रामप्रसाद चौधरी सांसद सीमा द्विवेदी तथा एक दर्जन से अधिक विधायकों को निजीकरण के विरोध में ज्ञापन दिए गए। संघर्ष समिति ने सभी जनपदों और परियोजनाओं पर निर्देश जारी किया है कि वे मई दिवस के अवसर पर होने वाली बाइक रैली को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसंपर्क करें। संघर्ष समिति ने कहा है कि शांतिपूर्वक ज्ञापन दो अभियान और पिछले पांच माह से चल रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद यदि निजीकरण का निर्णय वापस न लिया गया तो अगले माह से आंदोलन प्रारंभ करने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है।

संघर्ष समिति ने कहा की ट्रांजेक्शन कंसलटेंट का झूठा शपथ पत्र पकड़े जाने का मामला अब लगभग तीन सप्ताह पुराना हो चुका है। इसके बावजूद इस कंपनी को न तो अभी तक ब्लैक लिस्ट किया गया है और न ही इसकी नियुक्ति के आदेश रद्द किए गए हैं। इसके विपरीत इस कंपनी से पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के 42 जनपदों के निजीकरण के आरएफक्यू डॉक्यूमेंट तैयार करा लिए गए हैं। संघर्ष समिति ने कहा की उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण को लेकर कितना बड़ा भ्रष्टाचार होने जा रहा है यह उसका एक नमूना मात्र है। ज्ञापन दो अभियान के अंतर्गत आज बिजली के निजीकरण के विरोध में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, मोहनलालगंज के सांसद आरके चौधरी, संसद सदस्य रामप्रसाद चौधरी, संसद सदस्य सीमा द्विवेदी राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव एवं पूर्व मंत्री श्याम सुंदर शर्मा को ज्ञापन दिए गए।आज लगभग एक दर्जन से अधिक विधायकों को भी ज्ञापन दिया गया । मुख्यतः कप्तानगंज के विधायक कवींद्र चौधरी, महादेवा के विधायक दूध राम, छानबे की विधायक श्रीमती रिंकी कोल ,मुंगरा बादशाहपुर के विधायक पंकज पटेल, शाहगंज के विधायक रजनीश सिंह, जाफराबाद के विधायक जगदीश नारायण राय, मरियाहू के विधायक आर के पटेल, बदलापुर के विधायक रमेश मिश्रा, मल्हनी के विधायक लकी यादव को ज्ञापन दिया गया। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में पार्षदों, ग्राम पंचायत अध्यक्षों और ग्राम प्रधानों को प्रदेश भर में ज्ञापन दिए गए।

बिजली उपभोक्ताओं को योगी सरकार ने दी बड़ी राहत : यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विद्युत भार वृद्धि लोड बढ़ाने की प्रक्रिया ऑनलाइन कर दिया है। उपभोक्ताओं की सुविधा को सर्वोपरि रखने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ.आशीष कुमार गोयल ने समीक्षा बैठक के दौरान घोषणा की। लोड बढ़ाने की प्रक्रिया में उपभोक्ता को कोई परेशानी न हो,तत्काल लोड बढ़ाया जाए। अब लोड बढ़ाने के लिए उपभोक्ताओं को विभागीय काउंटर पर जाने की जरूरत नहीं होगी। वहां कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। लोड बढ़ाने के लिये ऑनलाइन अप्लाई करना होगा।

वेबसाइट पर उपलब्ध लोड परिवर्तन अनुरोध लिंक के माध्यम से कोई भी उपभोक्ता आवेदन कर सकेगा। जन सुविधा केंद्रों से भी यह प्रक्रिया संभव है।उपभोक्ता किसी सीमा और श्रेणी में लोड बढ़ाने का आवेदन ऑनलाइन कर सकते हैं। बहुमंजिला इमारतों एवं कालोनियों के इंफ्रास्ट्रक्चर हेतु बल्क लोड की स्वीकृति की प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गयी है। यह आगामी 1 मई से प्रारम्भ हो जाएगी।बहुमंजिला इमारतों एवं कालोनियों के इंफ्रस्ट्रक्चर हेतु बल्क लोड की स्वीकृति हेतु पोर्टल का निर्माण किया गया है, जिसे ऑनलाइन किया जाएगा। प्रोसेसिंग शुल्क भुगतान, प्रपत्र अपलोड, प्राक्कलन धनराशि का भुगतान एवं भार स्वीकृति सहित प्रक्रिया ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएगी। फुल डिपॉजिट एवं सुपरविजन दोनों के प्रावधान उपलब्ध रहेंगे। पोर्टल को .नचचबस.वतह एवं झटपट पोर्टल पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से 1 मई से एक्सेस किया जा सकेगा।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर अन्य व्यक्ति से परीक्षा दिलाने वाला वांछित आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, चसं। कमिश्नर द्वारा दिशा निर्देश पर,थाना मड़ियांव क्षेत्र में पुलिस टीम क्षेत्र में मामूर थी, कि मुखबिर की सूचना पर सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम 1998, से सम्बंधित अभियुक्त राकेश कुमार सिंह इस समय सार्वजनिक शौचालय के पास टैम्पो स्टैंड मड़ियांव पर कहीं जाने की फिराक में खड़ा है, थाना प्रभारी शिवानंद मिश्रा ने इस सूचना पर पुलिस टीम को गठित कर रवाना किया मुखबिर की बताई हुई जगह पर पहुंचकर आरोपी को पकड़ लिया गया, नाम पता पूछने पर अपना नाम राकेश कुमार सिंह हाल पता पूछने पर बर्ड पुर न0 9 थाना मोहाना जनपद सिद्धार्थनगर, थाना प्रभारी शिवानंद मिश्रा लगातार अपराधियों पर अंकुश लगाते हुए नजर आ रहे, लखनऊ कमिश्नर के दिशा-निर्देशों के तहत की गई, टीमें अपराधियो के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है,प्रभारी निरीक्षक शिवानंद मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की गई।

अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम का सख्त रुख, केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर के सामने चली कार्रवाई

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। रेलवे में प्राइवेट कुलियों को माई कुली एप्प के जरिए नियोजित कर काम कराने का आज देशभर के कुलियों ने विरोध किया।

देश के विभिन्न स्टेशनों पर कुलियों ने राष्ट्रीय कुली मोर्चा के बैनर तले संबंधित स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से रेल मंत्री भारत सरकार को पत्रक भेजा। लखनऊ के चारबाग स्टेशन पर भी स्टेशन निदेशक को पत्रक दिया गया। पत्रक में प्राइवेट माई कुली ऐप्प पर तत्काल रोक लगाने, कुलियों को रेलवे में नौकरी देने, उनकी सामाजिक सुरक्षा के लिए चालू योजनाओं को तत्काल लागू करने और प्रयागराज में कुलियों पर लगे मुकदमे वापस लेने की मांग उठाई गई। राष्ट्रीय कुली मोर्चा के कोऑर्डिनेटर राम सुरेश यादव ने बताया कि पूरे देश में रेलवे के

निजीकरण और आधुनिकीकरण के कारण कुलियों की जीवन सुरक्षा और उनके कामकाज पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। पश्चिम रेलवे में माई कुली एप्प के जरिए कुलियों को नियोजित किया जा रहा है और प्रयागराज समेत तमाम स्टेशनों पर ठेकेदारों द्वारा ट्रॉली प्रथा के जरिए प्राइवेट कुलियों को काम सौंपा जा रहा है। उन्होंने कहा कुली इस देश का नागरिक है और रेलवे द्वारा नियुक्त किया गया है। इसलिए उसके जीवन सुरक्षा की जिम्मेदारी लेना सरकार का दायित्व है।

उन्होंने कहा कि रेल मंत्री द्वारा संसद में बताया गया कि कुलियों को शिक्षा-स्वास्थ्य समेत तमाम सामाजिक सुरक्षा दी जा रही है। जबकि जमीनी हकीकत यह है कि वह लागू नहीं हो रही है। इसलिए

- **प्राइवेट माई कुली एप्प का पूरे देश में विरोध, कुलियों की रेलवे में नौकरी सुनिश्चित करें सरकार**

आज के प्रदर्शन में रेल मंत्री से मांग की गई है कि वह रेलवे में कुलियों को नौकरी दें और उनकी सामाजिक सुरक्षा के लिए दिए आदेशों को तत्काल प्रभाव से लागू करें।

विभिन्न स्टेशनों पर आयोजित कार्यक्रमों का नेतृत्व लखनऊ जलील अहमद, इजहार अहमद, राम जनम कानपुर, धर्मपाल अयोध्या कैंट, राजकुमार वर्धमान, कन्हैया यादव हावड़ा, चंद्रपाल अंबाला, सत्य प्रकाश अलीगढ, रामबली यादव, कलीम मकरानी झांसी हुबली अमजद, चंद्रूवाई, चलवाड़ी, वास्को डिगामा नदीम, पिंटू त्रिपुरा, गुंतकल-सिकंदराबाद, कोडरमा राहुल, रहमतुल्लाह, सुल्तान बादशाह देहरादून राज कपूर, अंकुश गोगी मुंबई, सुरेश मुरादाबाद, राजकुमार बिलासपुर,रामाराव,सुभाष यादव, जयश्री, गम्बर यादव बेलगाम, सुरेश होसपेट, शेख अमीर लुमडिंग गुवाहटी, रमेश ठाकुर तिरुपति बालाजी, कालीदास, रामबाबू बिलाला भोपाल, सलमान, राम महावर, संत हृदय, रामनगर भुवन यादव, जबलपुर,अरूण हाजीपुर, बरेली शिवराम, बाशा जगनाथ पुरी, के.बबलू वाराणसी केदार यादव बीरेंद्र यादव,चेन्नई गुरुमूर्ति, दीमापुर रामदीन, जलाल कुमार भगत मिरयालागुडा कप्पेरा अशोक अनिल सांवले भुसावल, चंदेश्वर मुखिया न्यू जलपाईगुड़ी, सुभाष, रामबली यादव एनईआर लखनऊ आदि ने किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन, कुलपति हुए सम्मानित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग ने इनॉवेशन इन लाइफ साइंसेज फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के अंतर्गत आज के दिन को शैक्षणिक उपलब्धियों और वैश्विक सहयोग की दृष्टि से अत्यंत सफल बनाया।

इस अवसर पर 27 आमंत्रित व्याख्यान, 69 मौखिक प्रस्तुतियां, और 100 पोस्टर सत्र आयोजित किए गए, जिनमें भारत सहित विश्व के कई देशों के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दिन की विशेष उपलब्धि यह रही कि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफइंडिया की ओर से मानद फैलोशिप प्रदान की गई। यह सम्मान उनके अद्वितीय शैक्षणिक नेतृत्व और संस्थागत विकास में योगदान के लिए दिया गया। सत्रों की अध्यक्षता प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों ने की, जिनमें प्रो. बी.डी. जोशी, प्रो. पद्मा सक्सेना, प्रो. जी.एन. वर्मा, प्रो. मधु त्रिपाठी, प्रो. एस.पी. त्रिवेदी, प्रो. जे.के. श्रीवास्तव, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. सिद्धार्थ मिश्रा, प्रो. एम. सिराजुद्दीन, प्रो. मोनिशा बनर्जी, प्रो. शैली मलिक, तथा प्रख्यात शोधकर्ता डॉ. एम.जी. रघुनाथन, डॉ. ए.के. दास, डॉ. ए.के. पांडे, डॉ. संजीव नायक, डॉ. कल्पना सिंह और डॉ. राजेश खरवार शामिल थे। सत्रों का संचालन कुशलता पूर्वक डॉ. मनोज कुमार, डॉ. मधु गुप्ता, डॉ. आकांक्षा शर्मा, डॉ. हदीया हुसैन, डॉ. अशुतोष रंजन और डॉ. निधि मिश्रा द्वारा किया गया। जर्मनी के प्रख्यात विद्वान प्रो. उलरिच बर्क ने इस अवसर पर वैज्ञानिक विचारों के आदान-प्रदान और सांस्कृतिक सहयोग के लिए ऐसे सम्मेलनों के महत्व को रेखांकित किया। सम्मेलन संयोजक प्रो. एम. सिराजुद्दीन ने बताया कि इस सम्मेलन में भारत सहित एशिया, यूरोप, अमेरिका और ब्रिटेन से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफइंडिया की ओर से प्रो. बी.एन पांडे और जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफबांग्लादेश की ओर से प्रो. हमीदा खानुम ने सभी प्रतिभागियों और योगदानकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 13 बीटेक छात्रों का एचसीएल टेक में हुआ कैंपस प्लेसमेंट : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के अंतिम वर्ष के बी.टेक के 13 छात्रों ने प्रतिष्ठित आईटी कंपनी एचसीएल टेक में कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से सफलता प्राप्त की है।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. ए. के. सिंह एवं केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने चयनित छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा छात्रों की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि आपके पास लक्ष्य के प्रति समर्पण, मेहनत और आत्मविश्वास हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। छात्र अपनी इस पहली सफलता को अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत समझें। आप सभी आने वाले समय में न सिर्फखुद को, बल्कि अपने परिवार, समाज और राष्ट्र को भी गौरवान्वित करेंगे। प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने जानकारी दी कि एचसीएल टेक की भर्ती प्रक्रिया जिसमें रिज्यूमे शॉर्टलिस्टिंग, अप्टिट्यूड टेस्ट, तकनीकी साक्षात्कार, बिजनेस एचआर राउंड और कैंपस एचआर राउंड शामिल थे, में छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चयनित छात्रों को ध3.25 लाख प्रति वर्ष के पैकेज पर ÷ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी÷ के रूप में नियुक्त किया गया है।चयनित छात्रों में बी.टेक कंप्यूटर साइंस से श्वेता, तनु शुक्ला, ज्योति सिंह, सौम्या सिंह, आयुष गुप्ता और रंजीत सिंह शामिल हैं। बी.टेक सीएसई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से अक्षिता श्रीवास्तव, श्रद्धा सक्सेना, बुशरा आजमी खान, सौम्या सिंह और प्राची उपाध्याय का चयन हुआ है, जबकि बी.टेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन से रुबीना खातून और अंकित कुमार को यह सफलता प्राप्त हुई है।

नगर आयुक्त ने कहा हर शनिवार, नालियों की सफाई का अभियान

लखनऊ, चसं। नगर निगम के नवनियुक्त नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कार्यभार संभालने के बाद शुक्रवार शाम को नवीन समिति कक्ष में टैक्स विभाग की पहली बैठक ली। इस अहम बैठक में चीफटैक्स असेसमेंट ऑफिसर,समस्त जोनल अधिकारी, टैक्स सुप्रिटेंडेंट और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में स्वच्छता, नालियों की सफाई और टैक्स वसूली को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। गौरव कुमार ने मानसून से पहले शहर की नालियों की सफाई को प्राथमिकता देते हुए सभी जोनल अधिकारियों को शनिवार से एक सप्ताह तक विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को रोकने के लिए नगर निगम को अभी से सक्रिय होकर काम करना होगा। इस दिशा में उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में एक मीटर चौड़ी नालियों की सूची तैयार करने का भी आदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे ट्रैक किनारे अवैध झुग्गियों हटाने महापौर ने पत्र लिखा

लखनऊ, चसं। निश्चित तौर से रेलवे लाइन के किनारे झुग्गी बना कर रह रहे लोग शहर की शान्ति और सफाई के लिए खतरनाक साबित हो रहे है। इनमें रहने वाले लोगों को कई बार अवैध गतिविधियों में पाया गया है। लेकिन अब शहर के कई इलाकों में रेलवे ट्रैक के किनारे बनी झुग्गियों को लेकर अब नगर निगम सख्त होता दिख रहा है। महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने मंडल रेल प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे व उत्तर रेलवे को पत्र लिखकर इन बस्तियों में रह रहे रोहिंग्या, बांग्लादेशी और कुछ तथाकथित असमिया घुसपैठियों की जाँच और उनके खिलाफकार्रवाई की माँग की है। महापौर ने साफकहा है कि ये लोग अवैध तरीके से रेलवे की जमीन पर झोपड़ियाँ बनाकर रह रहे हैं, जिससे न सिर्फरेलवे की संपत्तियों को नुकसान पहुँचने का खतरा है, बल्कि शहर के आम नागरिकों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। महापौर ने अपने पत्र में बताया कि लखनऊ के विनीत खंड, गोमतीनगर, निशातगंज, विवेकानंदपुरी, डालीगंज जैसे कई इलाकों में रेलवे ट्रैक के किनारे बड़ी संख्या में झुग्गियाँ बनी हुई हैं। इनमें रहने वाले लोगों की नागरिकता को लेकर संदेह है। पहले भी इस मामले को उठाया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसलिए अब उन्होंने फिर से रेलवे प्रशासन से अपील की है कि इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए। महापौर ने यह भी बताया कि हाल ही में कुछ अराजक तत्वों ने रेलवे ट्रैक पर लकड़ी, पत्थर और गैस सिलेंडर रखकर ट्रेनों को पटरी से उतारने की कोशिश की थी। ऐसे प्रयासों से बड़ी दुर्घटनाएँ हो सकती थीं। उन्होंने आशंका जताई कि इन घटनाओं में ट्रैक के किनारे रहने वाले लोग भी शामिल हो सकते हैं।सुषमा खर्कवाल का कहना है कि रेलवे ट्रैक पर होने वाली किसी भी दुर्घटना से यात्रियों की जान को खतरा हो सकता है और इससे रेलवे को भी भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि ट्रैक के किनारे रह रहे अवैध लोगों की पहचान की जाए और उनकी नागरिकता की जाँच कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।महापौर ने रेलवे प्रशासन से अपील की है कि रेलवे की जमीन से इन अवैध बस्तियों को हटाया जाए और वहाँ साफ-सफाई कराई जाए। उन्होंने इस विषय पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नगर निगम को पूरी जानकारी देने को भी कहा है।

तीसरी बार प्रदेश अध्यक्ष बनने पर एवं अन्य पदाधिकारी का सम्मान समारोह

लखनऊ, चसं। बोधिसतत्व बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर महासभा के तत्वधान में राजकीय ऑप्टोमेट्रिस्ट एसोसिएशन के तीसरी बार प्रांतीय अध्यक्ष चुने जाने पर एक स्वागत समारोह का आयोजन आंबेडकर महासभा परिसर में संपन्न हुआ. इस समारोह को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि डॉ लालजी प्रसाद निर्मल जी सबसे पहले प्रांतीय अध्यक्ष सर्वेश पाटिल महामंत्री रविंद्र यादव एवं संयुक्त सचिव डी डी वर्मा अब हम समस्त पदाधिकारी को ऐतिहासिक जीत बधाई देते हुए कहा पाटिल संवर्ग को ऊचाईयों ले जायेंगे. कार्यक्रम में अतिथि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री आर आर जायसवाल प्रथम लोकपाल लखनऊ एवं अध्यक्ष प्रमोद सरोज महामंत्री अमरनाथ प्रजापति एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष सावित्री देवी कोषाध्यक्ष डॉ0 सत्या दोहरे अमेठी से संजय मंच का संचालन कर रहे रामचंद्र पटेल जी चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ के जिला अध्यक्ष कपिल वर्मा जी कोषाध्यक्ष सुनील यादव जी फार्मेसी फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री सुनील यादव जी एवं प्रदेश से आए हुए बहुत से नेत्र परीक्षण अधिकारी गण सभी लोगों ने मिलकर नवनिर्वाचित पदाधिकारी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई

महिला परिचालक पद हेतु 6150 महिलाओं ने किया आवेदन

लखनऊ, चसं। राज्य परिवहन निगम में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन एवं यूपी कौशल विकास मिशन तथा एनसीसी एनएसएस,स्काउट गाइड संस्था के माध्यम से महिला परिचालकों के 05 हजार पदों पर भर्ती की जानी है, जिसके लिए निर्धारित तिथि तक 6150 महिला अभ्यर्थियों ने आफलाइन एवं आनलाइन माध्यम से आवेदन किया। प्रबंध निदेशक यूपीएसआरटीसी मासूम अली सरवर ने बताया कि रोजगार मेले के माध्यम से 5-5 क्षेत्रों का क्लस्टर बनाते हुए 4 चरणों में परिचालक पद हेतु इच्छुक महिला अभ्यर्थियों को निर्धारित अर्हता एवं योग्यता के आधार पर रोजगार मेले में आवेदन किये जाने तथा राज्य परिवहन निगम की वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन का विकल्प प्रदान किया गया था। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि रोजगार में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी हो सके।

माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने बोर्ड परीक्षा में सफल छात्रों को दी बधाई

लखनऊ, चसं। माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी ने इस वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन और सफलता प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने इस वर्ष के उत्साहवर्धक बोर्ड परिणाम को विद्यार्थियों की अथक मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल बताया। मंत्री ने कहा कि यह सफलता योगी सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे गुणवत्तापूर्ण सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो विद्यार्थियों को बेहतर अवसर प्रदान करने के हमारे संकल्प को दर्शाता है।

पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में रालोद का कैंडिल मार्च

लखनऊ, चसं। राष्ट्रीय लोकदल व्यापार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए राष्ट्रीय लोकदल द्वारा राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे के नेतृत्व में आज रालोद मुख्यालय से जीपीओ पार्क स्थित गांधी प्रतिमा तक कैंडल,शांति मार्च निकालकर मृतकों की आत्मा की शान्ति हेतु प्रार्थना की गयी।इस अवसर पर रालोद के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने कहा कि पहलगाम में जिन आतंकवादियों ने हमला किया है उनको और इस हमले की साजिश करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए भारत सरकार प्रतिबद्ध है। आतंकवादियों को ऐसी सजा मिलेगी कि उनकी रूह तक कॉप जायेगी। उनको देश से पूरी तरह से नष्ट किया जायेगा। विपक्ष को जघन्य हत्याकाण्ड में राजनीति नहीं करनी चाहिए इस समय सभी लोग मिलकर आतंकवाद का सफाया करने में सरकार का साथ दें।कैंडल मार्च में प्रदेश महासचिव रजनीकांत मिश्रा, प्रदेश कोषाध्यक्ष बीएल प्रेमी, रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, प्रदेश महासचिव रमावती तिवारी, प्रीति श्रीवास्तव, चंद्रकांत अवस्थी, प्रदेश सचिव अफसर अली, आमिर साबिरी, सत्यप्रकाश तिवारी, प्रमोद शुक्ला, बाबू भैया मलिक, अजय पाण्डेय, आदित्य तिवारी, राहुल, विश्वनाथ आदि लोग शामिल रहे।

महंगाई भत्ता आदेश में संशोधन की मांग

लखनऊ, चसं। प्रदेश के पेंशनर्स को 1 जनवरी 2025 से बढ़े हुये दर पर मंहगाई राहत स्वीकृत किये जाने विषयक आदेश निर्गत किये जाने हेतु शासन के वित्त विभाग को धन्यवाद देते हुये पंचम एवं छठे वेतन आयोग से आच्छादित पेंशनर्स को भी 01 जनवरी 2025 से महगाई राहत स्वीकृत किये जाने की माँग संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश द्वारा की गयी है। संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के संयोजक एन0 पी0 त्रिपाठी एवं सह-संयोजक ओंकार नाथ तिवारी द्वारा अवगत कराया गया कि पाँचवें एवं छठवे वेतन आयोग से आच्छादित प्रदेश कार्मिकों को दिनॉक 01.जनवरी.2025 से महगाई भत्ता स्वीकृत किये जाने के आदेश 22.अप्रैल 2025 को निर्गत हो गये हैं, इसलिये इस श्रेणी के पेंशनर्स को 01 जनवरी .2025 से देय महंगाई राहत स्वीकृत होने में कोई व्यवहारिक कठिनाई नही है।

अवैध रूप से कूड़ा बीन रहे सफई कर्मचारियों पर कार्रवाई

लखनऊ, चसं। नगर निगम जोन-6 के जोनल अधिकारी मनोज यादव द्वारा शुक्रवार सुबह किए गए निरीक्षण के दौरान एक गंभीर लापरवाही सामने आई। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि सफाई कार्यदायी संस्था लॉयन सिक्योरिटी के कुछ कर्मचारी मेन रोड पर अवैध रूप से ठेले लगाकर कूड़ा बीन रहे थे। यह कार्य न केवल नियमों के विरुद्ध था, बल्कि सड़क पर यातायात और स्वच्छता व्यवस्था में भी अवरोध उत्पन्न कर रहा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मनोज कुमार ने मौके पर मौजूद सफाई एवं खाद्य निरीक्षक ग्मजीत पांडेय को तत्काल निर्देशित कर दोनों ठेले जब्त किए गए और इन कर्मचारियों को तुरंत हटाया गया। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार सुपरवाइजर को तत्काल उसके पद से हटाया जाए। श्री कुमार ने सफाई संस्था लॉयन सिक्योरिटी को कारण बताओ नोटिस जारी किया हैं। नगर निगम की ओर से स्पष्ट किया गया कि सफाई कार्यों में किसी भी प्रकार की अनियमितता या नियमों का उल्लंघन कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में ऑउटसोर्सिंग कर्मियों के लिए बड़ी खुशखबरी

योगी सरकार यूपीसीओएस करेगी गठन, मेडिकल, पेंशन जैसी सुविधाओं का मिलेगा लाभ

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- प्रत्येक माह की 5 तारीख तक सभी कार्मिकों के बैंक खाते में पूरा पारिश्रमिक जमा हो जाए : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में कार्यरत आउटसोर्सिंग कार्मिकों की सेवा, श्रम अधिकारों एवं पारिश्रमिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (यूपीसीओएस) के गठन के निर्देश दिए हैं।

शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि राज्य सरकार आउटसोर्सिंग कार्मिकों के श्रम के सम्मान व जनहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करती है और उनकी सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। वर्तमान में आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों को वेतन में कटौती होना।समय से भुगतान न होना, ईपीएफ-ईएसपी जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ न मिल पाना। पारदर्शी चयन प्रक्रिया का अभाव, उत्पीड़न आदि शिकायतें प्राप्त होती हैं। ऐसे में व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किया जाना आवश्यक है। प्रस्तावित निगम के स्वरूप पर चर्चा करते हुये मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी कर्मचारी को सेवा प्रदाता एजेंसी द्वारा तब तक सेवा से नहीं हटाया जाए, जब तक कि सम्बंधित विभाग के सक्षम अधिकारी की संस्तुति न हो। इसी प्रकार, मेडिकल सुविधा, मातृत्व अवकाश, दुर्घटना बीमा, पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन सहित सभी लाभ निगम के माध्यम से सुनिश्चित किये जाएं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बनने जा रहे इस निगम के माध्यम से तीन पक्षीय समझौते के तहत विभाग, निगम व आउटसोर्सिंग एजेंसी के बीच समन्वित रूप से सभी प्रक्रियाएं संचालित होंगी। पारदर्शी चयन प्रक्रिया, जेम पोर्टल से एजेंसियों का चयन, मेरिट आधारित भर्ती, आधुनिक तकनीकों का प्रयोग, ईपीएफईएसआई की समयबद्ध जमा व निगरानी तथा आरक्षण नियमों का पालन सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि निगम एक सुगठित ढांचा के तहत कार्य करेगा, जिसमें बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स, सलाहकार समिति, राज्य व जिला स्तरीय कमेटियाँ गठित होंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक माह की 5 तारीख तक सभी कार्मिकों के बैंक खाते में पूरा पारिश्रमिक जमा हो जाए। साथ ही, ईपीएफव ईएसआई की राशि भी समय से जमा हो। नियमों के उल्लंघन पर एजेंसियों पर ब्लैकलिस्टिंग, डिबार, पेनाल्टी व वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। निगम का गठन करते हुए इस संबंध में स्पष्ट प्रावधान होने चाहिए। योगी ने यह भी निर्देश दिये कि आउटसोर्सिंग निगम के माध्यम से होने वाली सभी नियुक्तियों में नियमानुसार आरक्षण प्रावधानों का पालन किया जाए। जेम पोर्टल द्वारा तीन वर्षों के लिए आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन किया जाना उचित होगा, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्यरत वर्तमान कार्मिकों की सेवाएं बाधित नहीं होंगी।

उन्होने कहा कि राज्य सरकार सभी कार्मिकों की गरिमा, सुरक्षा और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है। यह निगम न केवल प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता लाएगा, बल्कि लाखों आउटसोर्सिंग कार्मिकों के जीवन में स्थायित्व व भरोसा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर यथाशीघ्र प्रस्तुत किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

बाबा साहब के संकल्पों को पूरा करने के लिए डबल इंजन सरकार पूर्णता प्रतिबद्ध

लखनऊ, चसं। सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा ने आज 'बाबा साहब सम्मान अभियान' के तहत पूर्व मंडल और उत्तर मंडल में अनुसूचित वर्ग के प्रबुद्ध जनों से मिलकर चर्चा की और अवगत कराया कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के विचारों, नीतियों के अनुरूप वंचितों और दलितों को उनका अधिकार दिलाने के मिशन को पूरा करने के लिए डबल इंजन सरकार किस प्रकार से प्रतिबद्ध है। भाजपा सरकार में बाबा साहेब को मिले भारत रत्न और अनुसूचित वर्ग के लिये चलायी जा रही योजनाओं आदि के बारे में भी चर्चा की। संपर्क के दौरान मुकेश शर्मा ने राम कुमार गौतम, कृष्णा गौतम, राम प्रसाद गौतम एवं श्री दुलीचंद गौतम के आवास जाकर भेंट की और भाजपा सरकार द्वारा अनुसूचित वर्ग के उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के पत्रक भी वितरित किए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष आनंद पाण्डेय, इंदल गौतम, नीरज मिश्रा, रघुनाथ गौतम सहित कई अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एकेटीयू में कश्मीर हमले में जान गंवाने वालों को दी गई श्रद्धांजलि

लखनऊ, चसं। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में शुक्रवार को माननीय कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडे की अध्यक्षता में कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकी हमले में जान गवाने वाले पर्यटकों को शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई. विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने 2 मिनट मौन धारण कर मृतक आत्मा की शांति एवं शोक संतृप्त परिवार को इस असीम दुख को सहने की प्रार्थना की. श्रद्धांजलि सभा में कुलसचिव श्रीमती रीना सिंह आईईटी के निदेशक प्रोफेसर विनीत कंसल एफ ओ ए पी की प्राचार्य प्रोफेसर वंदना सहगल कैश के निदेशक प्रोफेसर वीरेंद्र पाठक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरुद्ध बन्दी परीक्षार्थियों ने यूपी बोर्ड परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

लखनऊ, चसं। प्रदेश के कारागार मंत्री श्री दारा सिंह चौहान ने यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा-2025 में जेल में निरुद्ध बन्दी परीक्षार्थियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन पर परीक्षार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विभागीय राज्यमंत्री सुरेश राही ने भी विद्यार्थियों के बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कारागार मंत्री ने बताया कि यह परीक्षा परिणाम बंदियों के पुनर्वास और सुधार के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। योगी सरकार बंदियों के शिक्षा और सुधार के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इस दिशा में और अधिक प्रयास किए जाएंगे। कारागार मंत्री ने बताया कि हाईस्कूल परीक्षा में 94 निरुद्ध बन्दी परीक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें 91 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण प्रतिशत 96.81 रहा है। इसी तरह इंटरमीडिएट परीक्षा में 105 निरुद्ध बन्दी परीक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें 91 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण प्रतिशत 86.67 रहा है। आगरा, एटा, मथुरा, अलीग?, गाजियाबाद, मेरठ, बिजनौर, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत, खीरी, सीतापुर, हरदोई, लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, कानपुर नगर, फर्रूखाबाद, इटावा, झांसी, प्रतापगढ़, प्रयागराज, अयोध्या, बहराइच, गोरखपुर, वाराणसी जनपद के बंदियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

लोक भारती इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

लखनऊ, चसं। लोकभारती इंटर कॉलेज, गीतापल्ली, आलमबाग, लखनऊ के विद्यार्थियों ने इस बार भी यूपी बोर्ड की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. विद्यालय की हाई स्कूल छात्रा मोहनी वर्मा ने 88 प्रतिशत, दिव्यांश शर्मा ने 84 प्रतिशत, प्रतिज्ञा कनौजिया ने 83 प्रतिशत अंकों के साथ बोर्ड परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन किया। वही इंटर की बोर्ड परीक्षा में छात्र अक्षय वाजपेई 76 प्रतिशत, अंशिका ठाकुर 74 प्रतिशत ,सानिया अली 73 प्रतिशत तथा साबिया बानो 70 प्रतिशत अंकों के साथ सफल सफल हुए।

विद्यालय की संस्थापक प्रधानाचार्य ममता दीक्षित ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी हमारे विद्यालय का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा है. ममता दीक्षित ने कहा कि जिन विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में विद्यालय का नाम रोशन किया वे सभी समाज के मध्यम वर्ग से आते हैं .घर के सीमित संसाधनों के बीच इन विद्यार्थियों ने विद्यालय में अपने अध्यापकों के निर्देशन में कड़ी मेहनत की जिसका नतीजा आज सामने है। विद्यालय के निदेशक नमन दीक्षित ने कहा कि लोकभारती इंटर कॉलेज का विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर पूरा ध्यान रहता है जिससे न केवल वह पढ़ाई में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं बल्कि अपने जीवन में बड़ी सफलताएं भी हासिल कर पाते हैं।

इंटरमीडिएट के आयुष कुमार मौर्य ने किया टॉप, हाईस्कूल में प्रगति गुप्ता, ऋतिश और सफल मिश्रा रहे टॉपर

लखनऊ, चसं। यूपी बोर्ड अपना रिजल्ट जारी कर दिया है। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 में लखनऊ के होनहार छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। टॉपर्स की सूची में सबसे ऊपर आयुष कुमार मौर्य का नाम हैं। इन्होंने 500 में से 464 अंक (92.80 प्रतिशत) प्राप्त किये हैं। आयुष एकेडमी, राजाजीपुरम के छात्र हैं। इसके अलावा अन्य कई छात्रों ने भी 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। इसमें हर्षिता जौहरी (ब्राइटलैंड कॉलेज, टी नगर) और दीपिका शर्मा (बाल निकुंज इंटर कॉलेज, श्रीनगर) ने 453 अंक (90.60 प्रतिशत) हासिल किए। पायनियर मोंट इंटर कॉलेज के तेजस मिश्रा और एसएसएलके इंटर कॉलेज, फतेहगंज ने फरीहा फातिमा ने 451 अंक (90.20प्रतिशत) प्राप्त किए। शिशु विद्या पीठ, आदिल नगर के अविनाश शुक्ला ने 450 अंक (90.00 प्रतिशत) हासिल किए। 90 प्रतिशत से थोड़ा कम लेकिन बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं में शामिल हैं। आख्या गुप्ता और नितिन कश्यप को 448 अंक यानी की 89.60 फीसदी, साहिबा आरिफ, हर्ष मौर्य और मो. अरशद को 447 अंक (89.40 फीसदी) मिले। वहीं सचिन रावत, सद्दाम अली, और सुहानी वर्मा को 446 अंक (89.20 फीसदी) लाकर नाम रोशन किया। विशेष गुप्ता को 445 अंक (89.00 प्रतिशत) प्राप्त हुए।

इसके अलावा 443 और 444 अंकों के साथ भी कई छात्रों ने मेरिट लिस्ट में अपनी जगह बनाई है, जिनमें वंशिका गुप्ता, अदीबा नाज, अक्षत दीक्षित, करिश्मा रावत और अंशिका त्रिपाठी प्रमुख हैं। यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा 2025 में लखनऊ के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। जिले में प्रगति गुप्ता, ऋतिश कुमार और सफल मिश्रा तीनों ही पहले पॉजिशन पर रहे। तीनों ने 600 में से 570 अंक (95 प्रतिशत) प्राप्त किए। प्रगति गुप्ता बाल गाइड इंटर कॉलेज, गोसाईगंज की छात्रा हैं, जबकि ऋतिश और सफल मिश्रा दोनो ही लखनऊ पब्लिक कॉलेज, बी ब्लॉक, राजाजीपुरम में पढ़ाई करते हैं।ये लिस्ट इतनी ही नहीं बल्कि काफी लंबी हैं। लखनऊ पब्लिक कॉलेज के श्रियंश अष्ठाना ने 569 अंक (94.83 प्रतिशत) प्राप्त किए। पलटन छावनी, बाल निकुंज इंग्लिश स्कूल अंशिका यादव ने 569 अंक (94.83 प्रतिशत), याशी सक्सेना और सूर्य चंद्रा 567 अंक (94.50 प्रतिशत), भरत यादव और ओम कुमार 566 अंक (94.33 प्रतिशत) हासिल किए। ब्राइट करियर स्कूल की शाइका खान 565 अंक (94.17 फीसदी) प्राप्त कर 90 की लिस्ट में अपनी जगह बनाई।

आतंकी घटना के खिलाफ सपा ने लखनऊ में निकाला कैंडल मार्च

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी घटना के विरोध में समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा और पूर्वी विधान सभा क्षेत्र के प्रभारी व अध्यक्ष सरवर अली के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला गया।

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने यह मार्च हजरत गंज स्थित गांधी प्रतिमा तक निकाला। विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि दहशतगर्दो ने जिस प्रकार से कायराना हरकत कर हमारे निहत्थे देशवासियों की हत्या की है। जिसे किसी भी कीमत पर भुलाया नहीं जा सकता। रविदास ने कहा ऐसे दुख की घड़ी में हम सभी सरकार के हर निर्णय के साथ हैं। पाकिस्तान को सबक सिखाना अब आवश्यक हो गया है। अंत में मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया। इस खास मौके पर शिब्बू रज्जाकी, मेराज अली सहित सैक?ों सपा कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाई।

अच्छे कृषि उत्पादन के लिए लाइन सोइंग अपनाये किसान : शाही

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में आज प्री-खरीफ की कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला में 6 मण्डलो आगरा, अलीगढ़, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद और सहारनपुर के मंडलीय और जनपदीय कृषि अधिकारियों ने खरीफ2025 की अपनी-अपनी रणनीतियों का प्रस्तुतीकरण किया।

कृषि मंत्री ने निर्देश दिये कि अधिकारी जनपदों का नियमित रूप से भ्रमण करें तथा संचालित योजनाओं एवं प्रदर्शनों का सत्यापन कर फसलों के आच्छादन, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करने की रणनीति तैयार करें। जनपदों में आईपीएम लैब ठीक से कार्य नहीं कर रहे है तो तत्काल सही कराया जाए। विभाग द्वारा योजनाओं तथा क्रियाकलापों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने हेतु सोशल मीडिया प्लेटफार्म का प्रयोग किया जाए। जनपद अपने विभाग का सोशल मीडिया पेज तैयार करे जिस पर विभिन्न योजनाओं तथा नवीन पद्धतियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। धान की नर्सरी 15 मई तक पूर्ण करते हुए रोपाई का कार्य 15 जून तक संपन्न कराया जाए। प्रक्षेत्रों पर शत-प्रतिशत पंक्ति में बुवाई सुनिश्चित की जाए। प्रक्षेत्र के समस्त खण्डों एवं योजनान्तर्गत आयोजित किए जाने वाले प्रदर्शनों के प्लाट का शत-प्रतिशत मृदा परीक्षण कराया जाए तथा उर्वरकों का प्रयोग संस्तुति के आधार पर किया जाए। 02 मई को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य स्तरीय खरीफगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। 05 मई विश्व मृदा दिवस पर कृषि विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी क्षेत्रों में जाकर मृदा नमूना ग्रहण कर प्रयोगशालाओं को उपलब्ध कराएगें, जिनके विश्लेषण की रिपोर्ट क्रमिक रूप से बुवाई से पूर्व कृषकों को उपलब्ध करायी जाए। जनपदों में होने वाली गोष्ठी एवं पाठशाला में भूमि के स्वास्थ्य सुधार के सम्बन्ध में परिचर्चा का बिन्दु अवश्य रखा जाए। कृषि रक्षा अधिकारी जनपद की मुख्य फसलों में लगने वाले रोगों एवं कीटों की एडवाइजरी एडवांस में जारी करें तथा बचाव हेतु कृषि रक्षा रसायनों की उपलब्धता समय से सुनिश्चित कराए। मक्का एवं अरहर के आच्छादन में वृद्धि करते हुए उसके उत्पादन की तकनीक कृषकों तक पहुँचायी जाए।कृषि विभाग स्थापना के 150 वां वर्ष मना रहा है जिसे हम बीज वर्ष के रूप में मना रहे है। अच्छी गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराते हुए यथासंभव प्रयास कर अभियान चलाकर फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने का प्रयास करते हुए कृषि की विकास दर 20 प्रतिशत से ऊपर ले जाने का प्रयास किया जाए।कृषि राज्य मंत्री द्वारा निर्देश दिये गये कि धान एवं गेहूँ के रकबे को कम कर दलहनी तिलहनी मोटे अनाज का रकबा बढ़ाने का प्रयास किया जाए। गन्ने एवं मक्के के साथ यथासंभव अंतः फसली खेती को बढ़ावा दिया जाए।

प्रमुख सचिव कृषि द्वारा निर्देश दिये गये हैं कि प्रदर्शनों पर बोर्ड लगाते हुए निर्धारित सूचनाएं अंकित कराते हुए शत-प्रतिशत सत्यापन किया जाए। प्रदर्शनों में दलहनी एवं तिलहनी फसलों को प्राथमिकता दी जाए तथा एक विजिटर रजिस्टर रखा जाए जिसमें उस प्रदर्शन का भ्रमण करने वाले प्रत्येक किसान का विवरण अंकित किया जाए। किसान पाठशाला में कम से कम 40 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया जाए, जिसका सत्यापन के उपरांत ही भुगतान किया जाए।

उद्यान विभाग के 50 वर्ष पूरे होने पर गोष्ठी होगी आयोजित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- पहली मण्डलीय औद्यानिक उत्पादन, मूल्य संर्वधन, विविधीकरण एवं विपणन गोष्ठी इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगी
- गोष्ठी में विभाग की उपलब्धियाँ प्रदर्शित होंगी और किसानों, उद्यमियों, एफपीओ, निर्यातकों को जोड़ा जाएगा
- प्रगतिशील किसानों व सेवा निवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया जाएगा सम्मानित

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने उद्यान निदेशालय के सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ मण्डलीय औद्यानिक उत्पादन, मूल्य संर्वधन, विविधीकरण एवं विपणन गोष्ठी के संबंध में बैठक की।

उन्होंने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रस्तावित गोष्ठी 28 अप्रैल को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में भव्य रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। आयोजित गोष्ठी में उद्यान विभाग के 50 सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों व 50 प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गोष्ठी में विभिन्न जनपदों से किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, निर्यातकों, उद्यान विशेषज्ञों, शोध संस्थानों और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि यह गोष्ठी न केवल विभाग की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का है, बल्कि किसानों, कृषि उद्यमियों, एफपीओ और निर्यातकों को जो?ने का भी एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने निर्देश दिये कि लखनऊ, अयोध्या, देवीपाटन तीन मण्डलों की गोष्ठी में उद्यान विभाग द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं, नवाचारों और तकनीकी प्रगति का व्यापक प्रदर्शन किया जाए, ताकि अधिक से अधिक कृषक जागरूक हों और योजनाओं का लाभ उठा सकें। औद्यानिक उन्नयन पर चर्चा सत्र में विभिन्न विधाओं फल, सब्जी, पुष्प, औषधीय, मसाले, निर्यात, प्रोसेसिंग आदि के क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी जानकारी गोष्ठी में प्रदान की जाएगी।

अगस्त में एक हजार से अधिक की संख्या में होगा सोशल मीडिया का महासम्मेलन : संजय सिंह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित "Social Media Warriors Meet 2025" का आयोजन आज पार्टी के प्रदेश कार्यालय, लखनऊ में किया गया। इस विशेष बैठक में मुख्य अतिथि पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद श्री संजय सिंह ने सोशल मीडिया से जुड़े सैकड़ों जुझारू कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया टीम की रणनीति को और अधिक प्रभावी बनाना तथा पार्टी के विचारों को जनता तक सही रूप में पहुँचाना था। श्री सिंह ने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा, आज का समय डिजिटल क्रांति का है। सोशल मीडिया हमारे लिए एक सशक्त हथियार है, जिसके माध्यम से हम झूठ का पर्दाफाश कर सकते हैं और सच्चाई को जन-जन तक पहुँचा सकते हैं। आप सभी सोशल मीडिया वारियर्स हमारे संगठन की रीढ़ हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल दिल्ली की तिमारपुरपुर विधानसभा से पूर्व विधायक दिलीप पांडेय जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की धर्म जाति और नफरत की फेक राजनीति को जड़ से उखाड़ने के लिए सोशल मीडिया सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में मौजूद निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह जी ने कहा कि जिले स्तर से लेकर विधानसभा, ब्लाक और बूथ स्तर तक सोशल मीडिया का संगठन बनाकर तानाशाह भाजपा सरकार की झूठी और गलत नीतियों का पर्दाफाश करना है।

सोशल मीडिया प्रदेश प्रभारी विपिन कुमार पाठक ने कहा कि आधुनिक लड़ाई सोशल मीडिया के जरिये लड़ी जाएगी, हम गांव गाँव तक सोशल मीडिया के जरिये सरकार की गलत नीतियों का पर्दाफाश करेंगे। बैठक में प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी विपिन कुमार पाठक, मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे, अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल, निवर्तमान प्रदेश महासचिव दिनेश सिंह पटेल, बौद्ध प्रांत अध्यक्ष इमरान लतीफ, वरिष्ठ नेता प्रिंस सोनी, प्रदेश प्रवक्ता तरुणिमा श्रीवास्तव, बहराइच जिला प्रभारी इस्मा जहीर, जिलाध्यक्ष इरम रिजवी, प्रदेश सहप्रभारी विकास तिवारी, सोशल मीडिया के प्रदेश कॉ-आर्डिनेटर और जिला स्तर के सोशल मीडिया प्रभारी भी उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं को आगामी रणनीतियों, सामग्री निर्माण, तथ्य-आधारित पोस्टिंग और डिजिटल एथिक्स पर प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने पार्टी के मिशन को सफल बनाने की शपथ ली और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर आम आदमी पार्टी की मजबूती के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

जल शक्ति मंत्री की अध्यक्षता में 'ई-फ्लो और बाढ़ क्षेत्र प्रबंधन' विषय पर कार्यशाला का किया गया आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उत्तर प्रदेश की प्रमुख नदियों में पर्यावरणीय-बहाव एवं बाढ़ मैदान क्षेत्रीकरण के कार्यान्वयन (ई-फ्लो और बाढ़ क्षेत्र प्रबंधन) विषय पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत है। हमें इस विरासत को संजोने के लिए विचार, विज्ञान और संवेदना तीनों की आवश्यकता है। मैं आशा करता हूँ कि आज की कार्यशाला उत्तर प्रदेश में जल प्रबंधन की दिशा में एक नीतिगत मील का पत्थर सिद्ध होगी।

श्री सिंह ने यह विचार आज यहाँ उतरेटिया स्थित वाल्मी प्रेक्षागृह में वाल्मी और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ द्वारा ई-फ्लो और बाढ़ क्षेत्र प्रबंधनष् विषय पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किया। श्री सिंह ने डब्ल्यू डब्ल्यू इंडिया और वाल्मी संस्थान को इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय ई-फ्लो और बाढ़ क्षेत्र प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए हार्दिक बधाई दी, यह आयोजन न केवल प्रासंगिक है, बल्कि हमारी जलवायु और जल संसाधनों की रक्षा हेतु नीतिगत दिशा देने वाला है। इस अवसर पर कार्यक्रम से पूर्व जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गये निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी गयी। श्री सिंह ने कहा कि आज ई-फ्लो (पर्यावरणीय-बहाव) सुनिश्चित करना इसलिए भी आवश्यक है ताकि नदियों में प्रदूषण कम हो सके, भूजल का पुनर्भरण सुचारू हो, धार्मिक और सामाजिक गतिविधियाँ सुचारू रूप से चल सकें, और सबसे बढ़कर नदी एक जीवंत इकाई के रूप में बनी रह सके। उल्लेखनीय है कि इस दिशा में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ द्वारा लगभग 5 हजार किलोमीटर नदी क्षेत्र में ई-फ्लो का विस्तृत आंकलन किया गया है, जो इस कार्यशाला में प्रस्तुत किया जाएगा। मैं इस उत्कृष्ट प्रयास के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की पूरी टीम को बधाई देता हूँ। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि देश की लगभग 17 प्रतिशत नदियां हमारे प्रदेश में हैं। यह आंकड़ा यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश की भूमिका जल-संरक्षण और प्रबंधन में कितनी महत्वपूर्ण है। हमारे प्रदेश में कुल 8 प्रमुख नदी बेसिन हैं- गंगा, यमुना, घाघरा, सोन, रामगंगा, शारदा, राप्ती और गंडक। स्वारा के माध्यम से इन सभी का बेसिन-स्तरीय प्रबंधन योजना तैयार की गई है, जिसे अब धरातल पर उतारने की जरूरत है। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रबंधन केवल एक संकट समाधान नहीं है, यह सतत विकास और नागरिक सुरक्षा का आधार है। प्रदेश में हर वर्ष बा? की विभीषिका से जान-माल की हानि का संकट रहता है। ऐसे में फ्लड-प्लेन जोनिंग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इस कार्य से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्पष्ट पहचान होगी, अनधिकृत निर्माण पर रोक लगेगी, आपदा प्रबंधन की तैयारी बेहतर होगी और एक दीर्घकालिक बाढ़ प्रबंधन नीति को लागू किया जा सकेगा। जलशक्ति मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जल प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता दी गई है।

अमृत सरोवर योजना इसका उदाहरण है। देश भर में 50 हजार सरोवरों के लक्ष्य के सापेक्ष, 68 हजार से अधिक सरोवरों का निर्माण हो चुका है। इसमें उत्तर प्रदेश की भागीदारी सबसे आगे रही है-हमारे प्रदेश में 16 हजार 630 अमृत सरोवर बनाए गए है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जल चेतना का प्रतीक है। मैं वाल्मी संस्थान द्वारा प्रकाशित तीन पुस्तकों/मैनुअलों के लिए पूरी टीम को बधाई देता हूँ। यह कार्य केवल अनुसंधान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे जन-भागीदारी और प्रशासनिक इकाइयों तक पहुँचाया जाना चाहिए।

कोऑपरेटिव बैंक वर्कर्स की प्रथम 'कर्मचारी सवांद' बैठक आज

लखनऊ, चसं। अपने अस्तिव की रक्षा के लिए कोऑपरेटिव बैंक के कर्मचारियों की पहली संवाद बैठक डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोक निर्माण प्रेक्षागृह में 26 अप्रैल को सम्पन्न होगी।उत्तर प्रदेश की विभिन्न जिला सहकारी बैंकों में कार्यरत हजारों बैंक कर्मियों की समस्याओं का नस्तारण विगत कई वर्षों से न होने व इस क्षेत्र में स्थापित पूर्व कर्मचारी संगठनों द्वारा कर्मचारी हितों में उदासीनता बरतने से हताश कर्मचारियों ने मजबूत विकल्प के रुप में प्रदेश स्तर पर ''कोऑपरेटिव बैंक वर्कर्स यूनियन, उत्तर प्रदेश'' का गठन किया है। जिसकी विभिन्न जिला सहकारी बैंकों में इकाईयाँ गठित हो चुकी हैं। यह जानकारी देते हुये कोऑपरेटिव बैंक वर्कर्स यूनियन, उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री शिशिर शर्मा ने बताया कि पिछले कई वर्षों से प्रदेश की 50 जिला सहकारी बैंकों का एकीकरण करके प्रदेश स्तर पर एक बैंक बनाने की मांग कर्मचारी वर्ग कर रहा है। जिससे बैंकें सुदृढ़ होकर बेहतर ग्राहक सेवायें प्रदान कर सकेंगी, लेकिन सरकार और शासन का इस ओर ध्यान नहीं है। वर्ष 2012 से 2017 के मध्य नियुक्त कर्मचारियों को कई जिला सहकारी बैंकों में पूर्ण सेवाशर्तों का लाभ प्रदान नहीं हो पा रहा है। जिससे इस वर्ग में घोर निराशा है। पूर्वांचल में कार्यरत दुर्बल 16 जिला सहकारी बैंकों में कर्मचारियों को 1996 के पश्चात से पूर्णरूपेण समान वेतन पुनरीक्षण का लाभ नहीं मिलने सहित प्रदेश में कार्यरत जिला सहकारी बैकों में एकसमान वेतन न होने के कारण वेतन विसंगतियाँ व्याप्त हैं जिस कारण कर्मचारियों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। इन सभी समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुये संगठन ने 96, महात्मा गांधी मार्ग, राजभवन गेट नं. 1 के सामने, डिप्लोमा इंजीनियर्स 'संघ भवन', लखनऊ में 26 अप्रैल 25 को प्रातः 10 बजे से प्रदेश में कार्यरत सहकारी बैंक कर्मियों की 'संवाद बैठक' का आयोजन किया है। जहाँ भारी संख्या में मौजूद कर्मचारी वर्ग आपसी एकजुटता से प्रस्ताव पारित कर समस्या निस्तारण व अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए कार्ययोजना तैयार करेगा।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई–प्रणाली के अर्न्तगत मद की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, चारबाग, लखनऊ–226005 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मद के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र.सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	56255226	ROOF MOUNTED AIR CONDITIONING SYSTEM WITHOUT TROUGH TO SPECN. NO. RDSO/2007/EL/SPEC/0055, REV.-2.	60 Nos.	20.05.2025

निविदा शर्ते– 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

निविदा नोटिस सं.: ईपीएस/56/2025, ईमेल: dycmmcb15@gmail.com

1230/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हर नागरिक की यह मुख्य जिम्मेदारी है कि वह महसूस करे कि उसका देश स्वतंत्र है और अपने स्वतंत्रता देश की रक्षा करना उसका कर्तव्य है, आपकी भलाई आपके रास्ते में बाधा है, इसलिए अपनी आंखों को गुस्से से लाल होने दें, और अन्याय के साथ मजबूती से लड़ने की कोशिश करें : सरदार वल्लभ भाई पटेल

संपादकीय

कश्मीरियत के लिये चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि सीमा पार पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की शह पर कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियों पर दोहरी मार है। इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नजर आ रहा है। जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है। शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे। घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं। दरअसल, लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋण लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे। अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फिक्र है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे। उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां जल्दी से सामान्य हों। वहीं इस संकट का दूसरा पहलू अन्य राज्यों में रह रहे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर है। निस्संदेह, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को दुखी किया है। जैसे-जैसे आतंकियों के निर्मम हमले से जुड़ी कहानियां निकल रही हैं, समाज में तल्ख प्रतिक्रिया नजर आ रही है। कश्मीरी लोग आशंकित हैं कहीं इस आक्रोश से उपजे रोष का शिकार कश्मीर मूल के लोगों को न होना पड़े। निश्चित रूप से किसी भी सभ्य समाज में ऐसी कोई प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए कि आतंकवादियों के कुकृत्यों का खमियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़े। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन जैसे प्रमुख राजनेताओं ने कश्मीरियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों से उम्मीद की जा रही है कि वे विभाजनकारी तत्वों पर नकेल डालेंगे। निस्संदेह, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि पहलगाम की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पहली बार घाटी में आतंकवाद के खिलाफ मुखर प्रतिक्रिया सामने आई है। कश्मीर में सक्रिय रहने वाले राजनीतिक दलों, व्यापार निकायों और सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ ही आम लोगों ने भी पहलगाम हमले के दौरान हुई पर्यटकों की हत्या की निंदा की है। उन्होंने सीमा पार से आतंकवाद की पाठशाला चलाने वाले लोगों को सख्त संदेश दिया कि हमारे मामलों में तुम्हें फिक्र करने की जरूरत नहीं है। कश्मीर के लोगों ने साफ संदेश भेजा है कि दृ हमारे नाम पर नहीं!' कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें उन आतंकवादियों से किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं है, जो मानवता के खिलाफ अपने अपराधों से कश्मीर के साथ-साथ इस्लाम को भी बदनाम कर रहे हैं। निस्संदेह, पहलगाम क्रूर हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा चरम पर है। ऐसे में राजनीतिक दलों और धार्मिक संगठनों को इस आक्रोश को बढ़ाने के बजाय इसे शांत करने का प्रयास करना चाहिए। देश के संघीय स्वरूप व सद्भावना की हर कीमत पर रक्षा की ही जानी चाहिए। पहलगाम की घटना के बाद तल्खी दिखा रहे लोगों को याद रखना चाहिए कि यह कश्मीरी टट्टूवाला सैयद आदिल हुसैन शाह ही था, जिसने बंदूकधारी आतंकवादियों से पर्यटकों को बचाने की कोशिश करते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। एक बहादुर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह हमलावर आतंकी से हथियार छीनने की कोशिश कर रहा था।

दक्षिण का सियासी दुर्ग भेदने की कोशिश

2019 के लोकसभा चुनाव में अन्नाद्रमुक के साथ होने के बावजूद भाजपा को महज 3.6 फीसदी वोट हासिल हुए थे, जबकि पिछले लोकसभा चुनाव में बिना किसी बड़े दल के सहयोग के 11.24 फीसदी वोट हासिल हुए। अन्नाद्रमुक को अपने साथ लाने को भाजपा द्वारा अपनी सीमा समझने और उसमें राह बनाने की कवायद कहा जा सकता है। बीते लोकसभा चुनाव में अन्नाद्रमुक को 20.46 फीसदी वोट मिले। द्रमुक को 26.93 फीसदी और उसकी सहयोगी कांग्रेस को करीब 10.67 फीसदी वोट मिले थे। यानी तमिलनाडु में भाजपा का प्रदर्शन कांग्रेस से बेहतर है। एनडीए और अन्नाद्रमुक गठबंधन का वोट प्रतिशत इसी तरह स्थिर रहता है, तो वह द्रमुक गठबंधन पर भारी पड़ सकता है।

तमिलनाडु का सियासी प्रश्न हल करने की दहलीज पर क्या भाजपा पहुंच गयी है? यह सवाल इसलिए, क्योंकि हाल में भाजपा ने इस राज्य को लेकर दो फैसले किये हैं। पार्टी ने अपने तेजतर्रार राज्य प्रमुख अन्नामलाई को हटाने के साथ अन्नाद्रमुक से समझौता कर लिया है। बीते लोकसभा चुनाव में छोटी पार्टियों के साथ उतरी भाजपा और अन्नाद्रमुक ने जिस तरह एक-दूसरे से परहेज किया, उसकी वजह से लगता नहीं था कि दोनों फिर साथ आ सकते हैं। इसकी बड़ी वजह यह भी रही कि अन्नामलाई अन्नाद्रमुक के धुर विरोधी माने जाते रहे हैं। भाजपा की इस रणनीति के पीछे अमित शाह का सियासी दिमाग काम कर रहा है। जिस तरह उन्होंने गठबंधन की घोषणा की, उससे साफ है कि अन्नाद्रमुक को एनडीए के खेमे में लाने की रणनीति उनकी ही है। वैसे उत्तर भारत की राजनीति की अक्सर जातिवादी सोच के लिए आलोचना की जाती है। पर तमिलनाडु की राजनीति में भी स्थानीय जातियों की अपनी पार्टियां और अपने नेता हैं। राज्य की राजनीति में अरसे से दो ध्रुव रहे हैं, जिनमें से एक का नेतृत्व द्रमुक करता रहा है, तो दूसरे का अन्नाद्रमुक। वर्ष 2024 के पहले तक के चुनावों में भाजपा की बाधा उसकी उत्तर भारतीय सोच और मुद्दे वाली राजनीति रही है। उसकी एक और बाधा राज्य में प्रबल नेतृत्व का न उभर पाना भी रहा है। हालांकि इस राज्य से जना कृष्णमूर्ति भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। इन बाधाओं को मोदी-शाह की जोड़ी ने समझा और अन्नामलाई का राज्य की राजनीति में उभार इसका प्रतीक बना। भाजपा को इसका लाभ भी मिला। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में अन्नाद्रमुक के साथ होने के बावजूद भाजपा को महज 3.6 फीसदी वोट हासिल हुए थे, जबकि पिछले लोकसभा चुनाव में बिना किसी बड़े दल के सहयोग के 11.24 फीसदी वोट हासिल हुए। अन्नाद्रमुक को अपने साथ लाने को भाजपा द्वारा अपनी सीमा समझने और उसमें राह बनाने की कवायद कहा जा सकता है। बीते लोकसभा चुनाव में अन्नाद्रमुक को 20.46 फीसदी वोट मिले। द्रमुक को 26.93 फीसदी और उसकी सहयोगी कांग्रेस को करीब 10.67 फीसदी वोट मिले थे। यानी तमिलनाडु में भाजपा का प्रदर्शन कांग्रेस से बेहतर है। एनडीए और अन्नाद्रमुक गठबंधन का वोट प्रतिशत इसी तरह स्थिर रहता है, तो वह द्रमुक गठबंधन पर भारी पड़ सकता है। इसी वजह से भाजपा ने अन्नाद्रमुक की तरफ हाथ बढ़ाया। तमिलनाडु में अपने पांव जमाने के लिए भाजपा ने अपनी रणनीति बदली और अन्नामलाई की अगुवाई में स्टालिन सरकार के 39 हजार करोड़ के शराब घोटाले, ऊर्जा घोटाले, स्कॉर्ट घोटाले, ट्रांसपोर्ट घोटाले और मनी लांड्रिंग घोटाले को लेकर लगातार हमलावर रही। इन्हीं सब से ध्यान बंटाने के लिए स्टालिन सरकार अक्सर हिंदी और त्रिभाषा फॉर्मूले को लाती रही है। नयी शिक्षा नीति के बहाने हिंदी के विरोध का नया शिगूफा

हो या राज्य के बजट से रुपये के हिंदी प्रतीक चिह्न की बजाय तमिल प्रतीक चिह्न का इस्तेमाल- स्टालिन सरकार स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रही है। यह बात और है कि प्रधानमंत्री ने तमिल में मेडिकल की पढ़ाई कराने का स्टालिन से आग्रह करके एक तरह से भाषा विवाद को उन्हीं के पाले में डाल दिया है। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट को स्थानीय स्तर पर कराने की जिद को लेकर भी स्टालिन सरकार सवालों के घेरे में है, जबकि सुप्रीम कोर्ट इसे नकार चुका है। चूंकि तमिलनाडु में ये मुद्दे स्थानीय भावनाओं से जुड़े हैं, इसलिए भाजपा के विरुद्ध उन्हें उभारने में स्थानीय सत्ताधारी दल सफल होते रहे हैं। इस लड़ाई को उत्तर बनाम दक्षिण के जंग में भी बदला जाता रहा है। पर यदि अन्नाद्रमुक भाजपा के साथ रही, तो स्थानीय भावनाएं उभारना स्टालिन के लिए आसान नहीं रहेगा।

कई राजनीतिक समीक्षकों की नजर में भाजपा के लिए तमिलनाडु की राह अब भी आसान नहीं है। पर हमारे सामने त्रिपुरा का उदाहरण है। वहां भाजपा ने स्थानीय स्तर पर काम किया, त्रिपुरा की संस्कृति के तार नाथ संप्रदाय के जरिये उत्तर से जोड़ा और नतीजा बदल दिया। बेशक तमिलनाडु में अकेले दम पर ऐसा चमत्कार करना आसान नहीं लगता। पर भाजपा वहां लगी हुई है। उत्तर बनाम दक्षिण की जंग को भोथरा करने और स्थानीय सांस्कृतिक बोध के साथ उत्तर को जोड़ने के लिए मोदी ने काशी-तमिल संगम का विचार दिया, जिसके जरिये वाराणसी के बहाने उत्तर और तमिलनाडु की संस्कृति को नजदीक लाने की कोशिश जारी है। नये संसद भवन में सैंगोल की स्थापना भी तमिल संस्कृति को राष्ट्रीय स्वाभिमान से जोड़ने की ही कोशिश रही। भाजपा जिस तरह से चुनावी चक्रव्यूह रचती रही है, उस लिहाज से अन्नाद्रमुक के साथ आ जाने भर से उसे संतुष्ट नहीं होना है। स्थानीय जाति आधारित पार्टियों पर भी उसकी निगाह होगी। अमित शाह जिस तरह से तमिलनाडु में सियासी समीकरण साधने में जुटे हैं, कहा जा सकता है कि अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी 'करो या मरो' के लिहाज से मैदान में उतरेगी। इसका लाभ उसे कितना मिलेगा, इसके लिए, तब तक प्रतीक्षा करनी होगी। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद तमिलनाडु की बारी है। तैयारियों के लिहाज से अब कुछ ही महीने बाकी हैं। ऐसे में श्रीलंका से सीधे रामेश्वरम पहुंचकर तमिलनाडु में अनोखे समुद्री सेतु के उद्घाटन के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधानसभा चुनाव का टोन भी सेट कर दिया है। विधानसभा की 234 सीटों वाले दक्षिण के इस सबसे बड़े राज्य में प्रभावी हस्तक्षेप के लिए भाजपा विकास और आस्था के साथ-साथ क्षेत्रीय दलों से समन्वय का भी सहारा लेने जा रही है। किंतु भाजपा के सामने डीएमके की क्षेत्रीयता और द्रविड़ पहचान की राजनीति दीवार बनकर खड़ी है। फिर भी भाजपा का प्रारंभिक प्रयास बता रहा कि इस बार चुनौती कमजोर नहीं होगी। हिंदी और सनातन विरोधी डीएमके की संकीर्ण क्षेत्रीय सियासत को निस्तेज करने के लिए भाजपा एक ही साथ कई फार्मूले पर काम करते दिख रही है। डीएमके की स्टालिन सरकार ने जिस तरह से परिसीमन एवं भाषा के मुद्दे पर केंद्र सरकार से मोर्चा ले रखा है, उससे स्पष्ट है कि विधानसभा चुनाव में क्षेत्रवाद की संकीर्ण राजनीति के सहारे ही वह आगे बढ़ने की तैयारी में है। भाजपा ने भी अन्नामलाई के आक्रामक नेतृत्व में राष्ट्रवाद की भावना के साथ पिछले कुछ समय से क्षेत्रीय दलों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। **:: एजेंसी**

रो रही है झेलम कश्मीरियत के कत्ल पर

हां, झेलम मंगलवार की रात से ही रो रही है कश्मीरियत के कत्ल पर क्योंकि यही वह नदी है जो कश्मीर की जीवन रेखा हैय और गवाह है धरती के इस खूबसूरत हिस्से की भोगी हुई पीड़ाओं की। इसने जाना है कि धरती का स्वर्ग कहलाने के बाद आततायी किस तरह पहले लालची नजरों से देखते हैं और फिर खूनी वार करते हैं। इसने देखा है कि शातिरों ने इसके अपने बच्चों के हाथों में कैसे बंदूकें थमा दीं, लेकिन अब इसने चाहा है कि इस बेहद सुन्दर जगह को जिन बुरी नजरों ने घेर रखा है उनकी शिनाख्त जरूरी है।

झेलम का जार-जार रोना जारी है क्योंकि जिन मासूम बेगुनाहों का खून उसने देखा है, वह उसे भीतर से सुखा दे रहा है। वह नई नवेली दुल्हन जो अपने पति के शव के पास बिलख रही है, झेलम उसके दुख को झेल पाने में नाकाम है। इसे कश्मीरी अवाम ने भी उसी तरह महसूस किया है और यही वजह है कि गमजदा होकर वह सड़कों पर हैं, मशालें लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रही है। अपने शहर बंद कर रही है। जम्मू से श्रीनगर तक यही भावना है, जैसे अभी चुप रहेंगे तो आगे और बड़े गुनाहों के भागी होंगे। वह गुहार लगा रही है श्बंद करो, बंद करो यह खूनी हिंसा बंद करो! वह शर्मिंदा भी है कि अपने मेहमानों को नहीं बचा सकी। वे लगातार बोल रहे हैं, लिख रहे हैं कि हम शर्मिंदा हैं और इस कुकृत्य पर हमारा सर शर्म से झुका हुआ है। हिंदी पट्टी का सोशल मीडिया अगर बहस कर रहा है कि धर्म पूछ कर मारा या सरकार के इंटेलिजेंस की नाकामी है या बिना फोर्स के उस जगह तक पर्यटकों को जाने की अनुमति क्यों थी, तो कश्मीर के लोग लिख रहे हैं कि कोई भी कहानी ऐसे अंत के लिए नहीं बनी है। यह तस्वीर हमेशा-हमेशा के लिए कश्मीर को दर्द देती रहेगी। आतंकियों ने धर्म पूछा फिर मारा यह बात हरेक के दिल में घर कर गई है। जो केवल यही सच है तो फिर अनंतनाग के सय्यद हुसैन शाह को किसने मारा? मृतकों में उनका नाम क्यों है? वह घायलों को बचाते हुए कुर्बान हुआ। लेखक आशुतोष कुमार लिखते हैं कि अगर आप इतना ही याद रखेंगे और यह भूल जाएंगे कि हमले के दौरान और उसके ठीक बाद घायलों को अपने कंधों पर या घोड़ों से अस्पताल पहुंचाने वालों ने न धर्म पूछा न जाति, तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। अस्पतालों में डाक्टरों और नर्सों ने बहुत कम सुविधाओं के साथ अपनी भूख, प्यास और नींद सब भूलकर घायलों का इलाज किया, जिससे मृतक संख्या को नियंत्रित किया जा सका। अगर आप इसे भूल जाएंगे तो आतंकवादियों की ही मदद कर रहे होंगे। बहुत देर तक कोई सरकारी सहायता नहीं पहुंच पाई थी, कोई वाहन नहीं थे, तब स्थानीय लोग घरों से बाहर निकले और अपनी जान की बाजी लगाकर उन लोगों को रेस्क्यू किया जो हमले की जद में थे। अगर आप यह भी भूल जाएंगे तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे

सर्दियों में वे अपने बनाए गर्म कपड़ों को लेकर भारत के मैदानों में आ जाते हैं। टूरिस्ट पहलगाम से टैक्सी लेकर आस-पास के स्थानों पर दिन भर में घूमकर पहलगाम लौट आते हैं। आरु वैली, बेताब वैली, चन्दन बाड़ी (जो अमरनाथ यात्रा का बेस पॉइंट है), बैसरन घाटी जैसे कई पिकनिक स्पॉट्स तक सैलानी जाते हैं। इस यात्रा ने जिस बात ने अभिभूत किया वह थी कश्मीरियों की मेजबानी। वे सैलानी को बहुत सम्मान देते हैं। गलती से आप किसी ऐसी जगह पहुंच जाते हैं जो टूरिस्ट के लिए नहीं, तब भी वे आपकी आवाभगत करते हैं।

हैं। सारा का सारा जम्मू-कश्मीर इस जघन्य हत्याकांड के विरोध में उठ खड़ा हुआ है। बिना किसी भय और हिचक के उन्हें संदेश दिया कि कश्मीर का बच्चा-बच्चा उनके खिलाफतनकर खड़ा है। अगर आप यह भूल जाएंगे और केवल हिंदू-मुस्लिम नफरती पोस्टर बनाने वालों को याद रखेंगे तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। पोस्टर की बात करें तो छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी का ही एक पोस्टर सोशल मीडिया में खूब प्रचार पा रहा है। पोस्टर में पत्नी का पति के शव के साथ स्केच है और उस पर लिखा है -धर्म पूछा जाति नहीं... याद रखेंगे।श् इसे क्या कहा जाए कि पार्टी बेहतर महसूस कर रही है कि जाति नहीं पूछी क्योंकि वे खुद धर्म की सियासत करते हैं और उनके विरोधी जाति की। आपदा में अवसर शायद इसे ही कहा जाता है कि भीषण दुरूख और अपरिहार्य परिस्थिति में भी दलों से सियासत नहीं भूली जाती। किसी को भी यह समझने में क्यों भूल करनी चाहिए कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता। वे अपने हिंसक आकाओं की हसरतों के मोहरे भर होते हैं। अगर जो होता तो श्रीलंका में लिट्टे यानी लिबरेशन टायगर्स ऑफतमिल ईलम नहीं होता जिसने भारत के एक युवा प्रधानमंत्री (राजीव गांधी) की जान ली थी। धर्म देखकर फ्रिज खोलकर मीट चेक करने के बाद हत्या को अंजाम तो कुछ और भी लोगों ने दिया है। बेहतर है कि पहलगाम में 27 निर्दोषों की हत्या को इस तंग नैरेटिव के बीच न सीमित कर दिया जाए। सरकार को इस घटना से ऐसा सबक लेना चाहिए कि कश्मीर में फिर कभी ऐसी विभीषिका न हो। सरकार ने ही संसद में अपनी बात कहकर लोगों को यकीन दिलाया था कि कश्मीर में सब कुछ सामान्य है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह सरकार चुप बैठने वाली नहीं है, घर में घुसकर मारती है। अब जो हुआ है, यह उन सैलानियों के यकीन का कत्ल है। उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि आप यहां आएं, आप सुरक्षित हैं। नतीजतन 2023 में दो करोड़ दस लाख से ज्यादा सैलानी यहां आए जो साल 2020 में 35 लाख से भी कम थे। अभी तो सीजन शुरू ही हुआ था और अगले तीन महीनों तक यह सिलसिला जारी रहना था लेकिन पहलगाम की घटना ने कश्मीर को फिर पीछे पंहुचा दिया है। इसी यकीन के भरोसे सपरिवार पिछले बरस आठ दिन कश्मीर में और दो दिन पहलगाम में बिताए थे। सब खुश थे। घोड़े वाले, टैक्सी वाले, होटल वाले, कॉफी शॉप वाले कि घाटी में बहार आई है और सैलानी लगातार आ रहे हैं। ऑटो और शिकारा चलाने वाले भी बेहद खुश थे कि इस बार टूरिस्टों की संख्या ने उनके घर, दुकान, गाड़ियों के लोन अदा करवा दिए। खूब तो ऊनी कपड़े पसंद किये गए, खूब मखमली केसर और अखरोट सैलानी अपने घर ले गए। उनका बस चलता तो घाटी का बेमिसाल मौसम भी साथ ले आते। वह आता भी है तस्वीरों में कैद होकर, लेकिन पहलगाम के इन पर्यटकों के साथ ऐसा नहीं हुआ। श्रीनगर में जहां कदम-कदम पर फौजी नंगी स्टैनगनों के साथ मुस्तैद नजर आए थे, वैसा पहलगाम में नहीं दिखा था। पहलगाम यानी चरवाहों का गांव और वाकई लिद्दर नदी के हमराह यहां सिर्फघोड़े ही घोड़े नजर आते हैं। ऊपर के गांवों से नीचे आते हुए घोड़े और फिर इन्हीं रास्तों से लौटते हुए, मानों पहाड़ों के साथ सड़कों पर भी इन्हीं का राज हो। वहां के गुर्जर चरवाहों की यही रोजी है। **:: एजेंसी**

भारत को बड़ी चुनौती

जम्मू और कश्मीर राज्य के पहलगाम की बैसरन घाटी में मंगलवार को पर्यटकों पर आतंकवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग करके 26 लोगों की नृशंसतापूर्वक हत्या कर दी और 20 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। इस घटनाक्रम का दुखद पहलू यह है कि आतंकियों ने जानबूझकर हिंदू पुरुषों को निशाना बनाया है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द

रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के लोगों में भारी रोष है तो वहीं पाकिस्तान ने इस पूरे घटनाक्रम से अपना पल्ला ही झाड़ लिया है। यजुर्वेद में लिखा गया है कि, 'पृष्ठीर्मे राष्ट्रम्' अर्थात राष्ट्र मेरी पीठ है, मेरा बल है। साथ ही यजुर्वेद में ही यह भी बताया गया है कि, 'वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहिताः', इसका अर्थ है कि हम अपने राष्ट्र का सावधान होकर नेतृत्व करें। 1980 में पंजाब में आतंकवाद में बढ़ोतरी और खात्मे से शुरू होकर 1989 से जम्मू-कश्मीर में बढ़ते आतंकवाद के बाद कश्मीरी पंडितों का घाटी से पलायन, मुंबई में 26 नवंबर 2008 की आतंकवादी घटना, जिसमें 166 निरीह नागरिक मारे गए थे या फिर 14 फरवरी 2019 को पुलवामा की आतंकवादी घटना में सीआरपीएफ के 44 जवानों की शहादत जैसी अनंत घटनाएं स्पष्ट करती हैं कि पाकिस्तान से सख्ती से निपटना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है, जिसमें सीमापार बड़ी सैन्य कार्रवाई भी अपेक्षित और अनिवार्य है। भारतीय नेतृत्व पिछले कई वर्षों से पाक प्रायोजित आतंकवाद का संयुक्त राष्ट्र संघ में कड़ा प्रतिरोध करता आया है। भारत में आतंकवाद के बेतहाशा बढ़ते खतरे के मद्देनजर 1996 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ से अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि सीसीआईटी (दी कोम्प्रिहेन्सिव कन्वेन्शन ऑन इंटरनेशनल टेररिजम) को अपनाने का प्रस्ताव रखा था। यह बेहद अफसोस की बात है कि संयुक्त राष्ट्र संघ अभी भी आतंकवाद की परिभाषा तय करने के सवाल पर अटका हुआ है। चूंकि भारत लंबे समय से सीमापार आतंकवाद से पीड़ित है, इसलिए भारत सीसीआईटी संधि को संयुक्त राष्ट्र संघ के 193 सदस्य देशों द्वारा मंजूरी देने के लिए प्रयासरत है क्योंकि इस प्रस्ताव के लागू होने से हस्ताक्षरकर्ता सदस्य देश बाध्यकारी होंगे कि वे आतंकवादी समूहों को धन और सुरक्षित आश्रय नहीं दे पाएंगे। इस कानून के अंतर्गत सभी आतंकवादी समूहों पर प्रतिबंध लगाया जा सकेगा और आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को बंद करने के साथ-साथ आतंकवादियों पर मुकदमा भी चलाया जा सकेगा। इस संधि के प्रावधानों से कई देशों के हित प्रभावित होते हैं, इसलिए वे इतने लंबे समय से इस प्रस्ताव को लटकाए हुए हैं। रक्षा विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि पिछले कई दशकों से पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बना हुआ है, इसलिए पाकिस्तान को कूटनीतिक, फौजी और सामरिक स्तरों पर सबक सिखाया जाना जरूरी हो गया है। भारत सरकार ने फौरी तौर पर पाकिस्तान पर कुछ बंदिशें लागू की हैं। हमारी सक्षम सशस्त्र सेनाओं को पाकिस्तान में घुसकर एक्शन के लिए खुली छूट देने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर पहलगाम आतंकी हमले की जांच में एक नया मोड़ आया है। उत्तर प्रदेश के जौनपुर की एक महिला पर्यटक ने सनसनीखेज दावा किया है कि हमले से पहले 20 अप्रैल को बैसरन वैली में स्केच में दिखाए गए संदिग्ध आतंकी ने उन्हें खच्चर की सवारी कराई थी, महिला का कहना है कि इस दौरान संदिग्ध ने उनसे धर्म, धार्मिक यात्राओं और दोस्तों की धार्मिक पहचान से जुड़े सवाल किए।

खिलाड़ियों के प्रशिक्षकों को सही प्रबंधन दो

किसी भी विद्या के विद्यार्थी को किसी भी स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए उस विद्या का शिक्षक-प्रशिक्षक भी उच्च स्तर का होना चाहिए और उसे इस कार्य के लिए प्रबंधन भी काफी स्तरीय चाहिए होता है। आज अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है, क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव द्वारा विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया गया है मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता। विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। हमारे यहां खेल प्रशिक्षण के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पाया है जिसमें प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतनी समय अवधि खेल प्रशिक्षण को देकर ही खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कोई भी प्रावधान अभी तक नहीं बन पाया है। हिमाचल प्रदेश राज्य युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के प्रशिक्षकों को कभी विभिन्न विभागों

गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी के विश्व स्तर के परिणाम सबके सामने हैं। यह सब लगातार अच्छे प्रशिक्षण कार्यक्रम का ही नतीजा है। इस समय विभिन्न खेलों के लिए देश में निजी स्तर पर कई अकादमियां शुरू हो चुकी हैं। इन खेल अकादमियों को अधिकतर पूर्व ओलंपियन चला रहे हैं और यहां से अच्छे खेल परिणाम भी मिल रहे हैं।

की भर्तियों में ड्यूटी तो कभी मेलों व उत्सवों में हाजिरी भरनी पड़ती है। खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति ही उच्च खेल परिणामों के लिए की गई होती है, मगर यहां पर प्रशिक्षकों को केवल मल्टीपर्पज कर्मचारी बना दिया गया है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर प्रशिक्षकों का कार्य उच्च खेल प्रशिक्षण से हट कर अपनी फिटनेस तथा सेना में भर्ती कराने तक सीमित हो गया है। हिमाचल प्रदेश के मेलों व उत्सवों में किसी और खेल का प्रशिक्षक किसी और ही खेल की प्ले फील्ड में नजर आता है। इसी तरह पुलिस आदि विभागों की भर्तियों में एथलेटिक्स प्रशिक्षकों की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां तो हर खेल के प्रशिक्षक को भेज दिया जाता है। नियमानुसार इन भर्तियों के लिए एथलेटिक्स प्रशिक्षक ही सक्षम है, क्योंकि इस टैस्ट में केवल एथलेटिक स्पर्धाओं को ही रखा गया है। ऐसे में एथलेटिक्स प्रशिक्षक की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां अन्य खेलों-कुश्ती, मुक्केबाजी, हैंडबाल व वॉलीबाल आदि के प्रशिक्षक का क्या औचित्य है, इस बात का उत्तर किसी के भी पास नहीं है।

विभिन्न सरकारों ने खेल ढांचे में काफी तरक्की भी की है, मगर क्षमतावान प्रशिक्षकों की नियुक्ति के बारे में हिमाचल में अभी तक कुछ भी नहीं हो पाया है। स्तरीय प्रशिक्षकों के बिना उत्कृष्ट प्रदर्शन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जो प्रशिक्षक खेल प्रशिक्षण से दूर रह कर मौज-मस्ती कर रहा है, वह तो खुश रहता होगा, मगर जो सच ही में प्रशिक्षण करवा रहा होगा, वह जब कई दिनों तक खेल मैदान से दूर रहेगा तो फिर कौन अभिभावक अपने बच्चे को बिना प्रशिक्षक के मैदान में भेजेगा। हद तो तब हो जाती है जब राज्य में चल रहे खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी भर्तियां में लगा दी जाती है और खेल छात्रावास में रह रहे खिलाड़ियों को भी खेल प्रशिक्षण से दूर कर दिया जाता रहा है। क्या प्रतिभा खोज से चयनित इन अति प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रशिक्षक से कुछ समय के लिए ही सही, इस तरह प्रशिक्षण कार्यक्रम से दूर करना कहां तक उचित है? खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी खेल प्रशिक्षण के सिवा और कहीं भी नहीं होनी चाहिए। आजकल हर शिक्षित मां-बाप के दो और कई जगह तो एक ही बच्चा है, ऐसे में वह उसे उस क्षेत्र में उच्चत्तम शिखर तक ले जाना चाहता है जिसमें बच्चे की रुचि व उस क्षेत्र के लिए पर्याप्त प्रतिभा भी हो। आज का अभिभावक अपने बच्चों के कैरियर की खातिर ही सरकार की मुफ्त शिक्षा सुविधाओं को छोड़कर निजी क्षेत्र की महंगी, मगर अधिक गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए लाखों रुपए खर्च कर रहा है। आज लाखों प्रतिभाशाली विद्यार्थी निजी कोचिंग संस्थानों में डाक्टर व इंजीनियर बनने इसलिए जमा दो की परीक्षा से कई वर्ष पहले पहुंच रहे हैं। इसी तरह अब खेल क्षेत्र में भी हो रहा है। अभिभावक अपने बच्चों के लिए खेलों में भी कैरियर तलाश रहा है और इस सबके लिए अच्छी खेल सुविधाओं के साथ-साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षक भी लगातार कई वर्षों तक उसके बच्चों को मिलना चाहिए। **:: चर्चित डेस्क**

आज का राशिफल

मेष:- मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी होगी। भौतिक चका-चौंध से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगा।

वृषभ:- परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय बड़ा मूल्यवान है। अतः इसे व्यर्थ न गंवायें। किसी नए संवेदना का प्रभाव नए रिश्ते को जन्म देगा। अभिभावकों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन:- परम्पराओं व संस्कारों के प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव एवं कुछ साथ के प्रगतिशील व्यक्तियों से ईर्ष्या भाव ठीक नहीं। अस्थिर मन लक्ष्य के प्रति केन्द्रित होने मे असमर्थ होगा।

कर्क:- किसी महत्वपूर्ण कार्य वश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। आपका मिलनसारिता के कारण सम्बन्धो का विस्तार होगा। कमजोर मनोबल के कारण लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

सिंह:- किसी महत्वपूर्ण कार्य में थोड़ी कठिनाई का अभास होगा। संवेदनशील मन पूरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओत-प्रात होगा। परिवारिक दायित्वों को समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिन्तित होगा।

कन्या:- प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। परन्तु ईरीय आस्था हर परिस्थिति पर बिजय प्राप्त करेंगे। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

तुला:- घर-परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न को व्यवसायिक अवरोध के हल ढूंढने में मन केद्रित होगा। किसी पुराने मित्र की मध्यस्तता से बिगड़े हुए सम्बन्धों में सुधार होगा।

वृश्चिक:- आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाएं आपके मकसद सफलता दिलाऐंगी। कार्य क्षेत्र में अपनें बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

धनु:- परिजनों व मित्रों का सनिध्य से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य-पेशे में कोई अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार है। मांगलिक एव सांस्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कार्यो में आलस्य ना करे।

मकर:- कुछ नये सम्बन्द बनेगें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद सम्भव। कर्तव्य व जिम्मेदारियों से घिरा मन अपनी कल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। किसी नई दिशा में रुचि बढ़ेगी।

कुम्भ:- मन को खराब विचारों से दूर रखते हुए अच्छे कार्यो में केन्द्रित करें। नई स्थितियां आप में नई प्रतिभाओं का संचार करेगा। कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

मीन:- अपनी वाणी पर नियंत्रण रखते हुए सम्बन्धों को मधुर बनाने की चेष्टा करें। प्रतिभा व आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओं के प्रति आशान्वित करेगा।

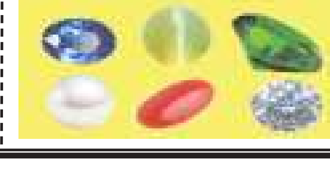

राशि रत्न

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंन्सिग के माध्यम से मण्डलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर दिए जरूरी निर्देश

जीरो पावर्टी अभियान का मुख्यमंत्री द्वारा औपचारिक शुभारंभ 10 से 15 मई के बीच प्रस्तावित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- **अंत्योदय कार्ड धारकों का सत्यापन कराया जाये और जीरो पावर्टी अभियान के तहत चिन्हित पात्र परिवारों के शीर्ष प्राथमिकता कार्ड से कराया जाये आच्छादित**
- **सीएम मॉडल स्कूल के लिये सड़क के किनारे भविष्य की आवश्यकता को देखते हुए जिलाधिकारी अच्छी भूमि चिन्हित कराकर 2 सप्ताह के भीतर प्रस्ताव शिक्षा विभाग को कराये उपलब्ध**

लखनऊ। मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंन्सिंग के माध्यम से समस्त मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ साप्ताहिक बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि जीरो पावर्टी अभियान का मुख्यमंत्री द्वारा औपचारिक शुभारंभ आगामी 10 मई से 15 मई के मध्य प्रस्तावित है। औपचारिक शुभारंभ में लगभग 30 हजार पात्र लाभार्थियों को पीएम आवास, सीएम आवास, राशन कार्ड, पेंशन, सीएम युवा आदि योजनाओं के स्वीकृति पत्र वितरित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि जीरो पावर्टी के सम्बन्ध में पंचायतों में खुली बैठक का आयोजन कर जीरो पावर्टी अभियान के तहत चिन्हित पात्र परिवारों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराया जाये। यह भी कहा कि समय के साथ परिवार की आर्थिक स्थित में परिवर्तन हो सकता है, ऐसे में अंत्योदय कार्ड धारकों का सत्यापन कराया जाये और मृतक व अपात्र व्यक्तियों को बहिष्कृत किया जाये, साथ ही जीरो पावर्टी अभियान के तहत चिन्हित पात्र परिवारों के शीर्ष प्राथमिकता पर अंत्योदय कार्ड से आच्छादित कराया जाये।

उन्होंने कहा कि शिक्षा सामाजिक व आर्थिक उत्थान का सबसे ब?ा माध्यम है। अभिभावक बच्चों की शिक्षा के लिए किसी भी तरह के त्याग करने के लिए तैयार रहत हैं। ऐसे में इंक्रिमेंटल सुधार नहीं, ट्रांसफॉर्मेशनल बदलाव की आवश्यकता है। इसी दिशा में सीएम मॉडल स्कूल एक ब?ा कदम है। इससे न्याय पंचायत स्तर पर विश्वस्तरीय अवस्थापना सुविधाओं से सुसज्जित एक अच्छा स्कूल तैयार होगा, जहां शिक्षा व खेलकूद की सुविधायें उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि सीएम मॉडल स्कूल के लिए 2000 करोड़ रुपये आवंटित किया गया है। एक स्कूल पर लगभग 30 करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित है। उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा के बिना देश का विकास संभव नहीं है। प्रारम्भिक शिक्षा अच्छी होगी, तभी उनकी बेहतर स्किलिंग व अपस्किलिंग हो सकती है। ऐसे में जिलाधिकारी इन विद्यालयों को भवन निर्माण के रूप में नहीं, बल्कि बड़े बदलाव के रूप में देंखे। दो सप्ताह के भीतर लगभग 350 से 400 विद्यालयों के लिये न्याय पंचायत स्तर पर सड़क के किनारे भविष्य की आवश्यकता को देखते हुए 10-15 एकड़ की अच्छी भूमि चिन्हित कराकर 2 सप्ताह के भीतर प्रस्ताव शिक्षा विभाग को उपलब्ध करायें, जिससे वहां 2000 बच्चों के लिये क्लास रूम्स के साथ, किचन शेड, प्लेग्राउंड आदि का निर्माण किया जा सके। स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों, अध्यापकों व अभिभावकों को स्कूल जाने पर गर्व की अनुभूति हो। उन्होंने कहा कि उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित ग्राम पंचायत अधिकारी की लिखित परीक्षा आगामी 27 अप्रैल को प्रस्तावित है। परीक्षा सुबह 10 बजे से 12 बजे तक होगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा में परीक्षार्थी ज्यादा हो या कम लेकिन पूरी सतर्कता बरती जाये। परीक्षा को संवेदनशीलता व पारदर्शिता के साथ निर्विघ्न नकलविहीन संपन्न कराया जाये। परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरा व पंखे क्रियाशील रहें और पेयजल, शौचालय आदि मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता रहे।

परीक्षा में लगे कर्मियों की विधिवत ब्रीफिंग समय से करा दी जाये। उन्होंने जिन जनपदों द्वारा समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी-2023 की भर्ती परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्रों की सूची अभी तक उप्र लोक सेवा आयोग को उपलब्ध नहीं कराई गई है, उन्हें एक सप्ताह के भीतर सूची आयोग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत उन्होंने निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों में भूसा, चारा व पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विशेष निगरानी रखते हुए गोवंश को धूप व गर्मी से बचाने के लिए पर्याप्त छाया की व्यवस्था करें तथा पशु शेड को गर्म हवाओं के प्रकोप से बचाने के लिए तिरपाल अथवा टाट व बोरे से ढकें तथा समय-समय पर पानी का छिड़काव करें। आश्रय स्थलों पर गोवंश के लिए दवाइयों की उपलब्धता रहनी चाहिये। ट्यूबवेल अथवा समरसेबिल आदि खराब होने की स्थिति में पानी की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि गो आश्रय स्थलों के लिये भूसा संग्रहण कार्य में तेजी लायी जाये। वृहद स्तर पर दान से भूसा संग्रहण का अभियान चलाया जाये और लोगों को प्रेरित कर ज्यादा से ज्यादा दान के माध्यम से भूसा संग्रहीत किया जाये।

सीएम युवा योजना के सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि बैंकों में स्वीकृति व वितरण हेतु लंबित आवेदनों को जल्द से जल्द निस्तारित करने के प्रयास सुनिश्चित किये जायें। बैठक में सीएम युवा योजना की वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रगति को प्रमुख सचिव एमएसएमई श्री प्रांजल यादव द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल, 2025 तक 78,427 पंजीकरण हुए है। वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश के 1.5 लाख युवाओं को लाभान्वित कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य को जनपदों के मध्य विभाजित कर दिया गया है। कुल 37,886 आवेदन प्राप्त हुए है, 31,444 आवेदनों को बैंक को प्रेषित कर दिया गया है, जिसमें से 6,242 आवेदनों को बैंकों द्वारा स्वीकृति व 3,465 आवेदनों पर ऋण वितरित किया गया है। एसआरएलम के सहयोग से 20,000 सोलर शॉप व सर्विस सेंटर स्थापना तथा 50,000 फ्रेंचाइजी बिजनेस को योजना से जोड़ने हेतु कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। माह मई में फ्रेंचाइजी, मशीनरी सप्लायर्स व बिजनेस ऑनल व्हील के संबंध में कॉनक्लेव प्रस्तावित है। जिलाधिकारी जालौन द्वारा भी जीरो पावर्टी अभियान के तहत जनपद में अब तक किये गये कार्यों पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया गया। बैठक में उप्र अधीनस्थ चयन सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री एसएन साबत, प्रमुख सचिव पशुधन के रवीन्द्र नायक, प्रमुख सचिव एमएसएमई श्री प्रांजल यादव, ग्राम्य विकास आयुक्त श्री जीएस प्रियदर्शी, महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्रीमती कंचन वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

प्रदेश में तेजी से हो रहा अच्छी सड़कों का निर्माण : मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हाइवे एवं मुख्य सड़कों पर अच्छे ट्वायलेट एवं रेस्ट स्पेसेज विकसित किये जाने के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में तेजी से अच्छी सड़कों का निर्माण हो रहा है। अच्छी सड़कों के साथ हाईवे एवं मुख्य मार्गों पर अच्छे ट्वायलेट ब्लॉक और रेस्ट एरिया का निर्माण कराया जाये।

ट्वायलेट ब्लॉक में महिलाओं, पुरुषों और दिव्यांगजन के लिये अलग-अलग ट्वायलेट की व्यवस्था होनी चाहिए, साथ ही स्वच्छ पेयजल की भी व्यवस्था रहे। इससे यात्रियों व पर्यटकों को अत्यधिक सुविधा होगी और वह अच्छा अनुभव लेकर जायेंगे। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंप पर निर्मित ट्वायलेट की नियमित मॉनीटरिंग कर ट्वायलेट की बेहतर साफ-सफाई और रख-रखाव व्यवस्था पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा सुनिश्चित कराया जाये। पूर्व से निर्मित ट्वायलेट का आवश्यकतानुसार सुदृढ़ीकरण कराया जाये। एक्सप्रेस-वे पर पेट्रोलियम कंपनी द्वारा जितने एरिया में ट्वायलेट ब्लॉक विकसित किया जायेगा, उतने ही एरिया में पेट्रोल पंप में कॉमर्शियल ब्लॉक विकसित करने की अनुमति प्रदान की जायेगी, जिसमें स्नैक्स, चाय, कॉफी आदि की विक्रय कर सकते हैं। इसी प्रकार एक्सप्रेस-वे पर स्थित पेट्रोल पंप पर यूपीडा द्वारा निर्धारित स्टैण्डर्ड ले-आउट के आधार पर ट्वायलेट ब्लॉक का निर्माण कराया जाये, जहां एयरपोर्ट की भांति सुविधायें उपलब्ध हों। पूर्व में निर्मित ट्वायलेट ब्लॉक में आवश्यकतानुसार सुदृढ़ीकरण अथवा विस्तारीकरण कराया जाये।

एक्सप्रेस-वे पर निर्माणाधीन ट्वायलेट ब्लॉक का कार्य जल्द से जल्द पूरा कराया जाये। उन्होंने टोल प्लाजा पर निर्मित ट्वायलेट्स की बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिये। उन्होंने पंचायतीराज विभाग को निर्देशित किया कि प्रत्येक जिला पंचायत द्वारा अपने क्षेत्र में एक हाईवे अथवा मुख्य मार्ग पर ट्वायलेट व वे साइड एमेनटीज विकसित कराया जाये। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यटन श्री मुकेश कुमार मेश्राम, प्रमुख सचिव नियोजन श्री आलोक कुमार, प्रमुख सचिव खाद्य एवं आपूर्ति श्री रणवीर प्रसाद सहित यूपीडा, एनएचएआई, पेट्रोलियम कंपनियों के अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के आतंकी हमले का विरोध

हरदोई, चसं। जनपद में जुमा की नमाज के दौरान मुस्लिम समाज ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का विरोध किया। शहर की जामा मस्जिद समेत कई मस्जिदों में नमाजियों ने काली पट्टी बांधकर आतंकवाद के खिलाफएकजुटता दिखाई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नेता शादाब अली मोनू के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन हुआ।

उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर हिंसा और बेगुनाहों की हत्या इस्लाम के सिद्धांतों के विरुद्ध है। आतंक की कोई जाति या धर्म नहीं होती। सैकड़ों नमाजियों ने काली पट्टी बांधकर संदेश दिया कि मुस्लिम समाज आतंकवाद का विरोधी है। प्रदर्शन के दौरान प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। स्थानीय पुलिस और खुफिया विभाग की टीमें मौके पर तैनात रहीं। शहर काजी और धार्मिक नेताओं ने नमाज के बाद लोगों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने नफरत फैलाने वाली ताकतों से सावधान रहने को कहा। इस दौरान देश की एकता और शांति के लिए दुआएं की गई। यह विरोध प्रदर्शन इस बात का प्रतीक है कि पूरा देश आतंकवाद के खिलाफएकजुट है। समाज ऐसी घटनाओं को कभी स्वीकार नहीं करेगा।

केंद्र ने सुरक्षा बढ़ाई, खुफिया तंत्र सक्रियय आतंकियों की धरपकड़ हुई तेज : भाजपा

हरदोई, चसं। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने शुक्रवार को हरदोई पार्टी कार्यालय में पहलगाम आतंकी हमले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आतंकियों द्वारा धर्म पूछकर पर्यटकों की हत्या को निंदनीय और अमानवीय बताया। मनीष शुक्ला ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं। सरकार ने पांच महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

आतंकियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। खुफिया तंत्र को सक्रिय किया गया है। सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई है। पर्यटन स्थलों की सुरक्षा मजबूत की गई है। जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति के लिए नई रणनीति बनाई गई है। प्रवक्ता ने कहा कि केंद्र सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। भारत अब आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देगा। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मनीष शुक्ला ने कार्यकर्ताओं से राष्ट्रहित में एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

डंपर की टक्कर से दो बच्चों की मौत, मां के साथ घर लौट रहे थे, देवर गंभीर घायल

हरदोई, चसं। पाली थाना क्षेत्र में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। निर्माणाधीन रोडवेज बस स्टैंड के सामने तेज रफ्तार डंपर और बाइक की टक्कर में दो बच्चों की मौत हो गई। एक व्यक्ति घायल हुआ है। घटना गुरुवार की है। रामगुनी अपने देवर अनुदेश के साथ तीन बच्चों को लेकर बाइक पर सवार थीं। वे अपने मायके गांव महितापुर से लौट रही थीं। बाइक पर 6 वर्षीय आरके, 4 वर्षीय स्व्वया और 2 वर्षीय अवव्या भी सवार थे। बस स्टैंड के सामने शाहाबाद की तरफसे आ रहे डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी।

हादसे में आरके और स्व्वया डंपर के पहिए के नीचे आ गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक चला रहे अनुदेश को मामूली चोटें आई। उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाली में भर्ती कराया गया है। सबसे छोटी बच्ची अवव्या बाल-बाल बच गई। डंपर चालक भागने की कोशिश कर रहा था। रूपापुर बस स्टैंड के पास लोगों ने उसे पकड़ लिया। लोगों ने चालक की पिटाई की। पुलिस ने चालक को हिरासत में ले लिया। डंपर को भी कब्जे में लेकर थाने भेज दिया। मृत बच्चों के पिता विमल पानीपत में प्राइवेट नौकरी करते हैं। उन्हें घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस ने दोनों बच्चों के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बीडीओ 20 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार,भ्रष्टाचार पर एंटी करप्शन टीम की बड़ी कार्रवाई

हरदोई, चसं। लखनऊ से आई एंटी करप्शन टीम ने हरदोई के बेहंदर विकास खंड में बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने ग्राम विकास अधिकारी (बीडीओ) सुरेश यादव को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सुरेश यादव ग्राम पंचायत तुरना रुद्र पीपरचक का प्रभार संभाल रहे थे। पंचायत में राज्य वित्त और मनरेगा कनवर्जेंस योजना के तहत इंटरलॉकिंग मार्ग और सीसी रोड का निर्माण कराया गया था। पिछले वित्तीय वर्ष में पूरे हुए इस काम का 1,78,682 रुपये का भुगतान लंबित था। ग्राम प्रधान अनीता देवी के पति नीलम कुमार ने कई बार भुगतान के लिए संपर्क किया। वीडीओ हर बार कमीशन की मांग करता रहा। इसके बाद नीलम कुमार ने एंटी करप्शन टीम में शिकायत की। टीम प्रभारी नूरूल हुदा के नेतृत्व में बेहंदर विकास खंड कार्यालय में जाल बिछाया गया। सुरेश यादव को रिश्वत लेते पकड़ा गया। उसे संडीला कोतवाली ले जाया गया। एंटी करप्शन प्रभारी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई से विकास खंड के अन्य कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बंच लाइन में लगी आग, 3 घंटे बिजली गुल पटाखों की तरह हुई आतिशबाजी

हरदोई, चसं। पाली नगर में डाकघर चौराहे पर नई बंच लाइन में अचानक आग लग गई। इस घटना से इमाम चौक, बिरहाना और बाजार समेत तीन मोहल्लों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। करीब 300 घरों में अंधेरा छा गया। रात के समय हुई इस घटना में बिजली के तार पटाखों की तरह जलते दिखे। सड़कों पर कम भीड़ होने से कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने तुरंत विद्युत विभाग को सूचना दी। छह महीने पहले ही रिवेंप योजना के तहत पुरानी खुली लाइनों को हटाकर नई बंच लाइन डाली गई थी। यह काम सुरक्षित और बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए किया गया था। लेकिन इस घटना ने विभाग की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अवर अभियंता सुखपाल सिंह के मुताबिक सूचना मिलते ही टीम को मौके पर भेजा गया। लाइनमैन ने मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। पहले अनुमान था कि एक घंटे में आपूर्ति बहाल हो जाएगी। लेकिन बिजली बहाल होने में करीब तीन घंटे लग गए। स्थानीय नागरिकों ने विभाग से समय-समय पर लाइन का निरीक्षण और रखरखाव करने की मांग की है। विद्युत विभाग की टीम मौके पर मौजूद है और मरम्मत कार्य तेजी से चल रहा है।

जंगल में लगी आग से किसानों को नुकसान दमकल ने एक घंटे बाद पाई आग पर काबू

हरदोई, चसं। अतरौली थाना क्षेत्र के गांव चचरी में शुक्रवार को एक बड़ी घटना सामने आई। गांव से तीन सौ मीटर पश्चिम दिशा में स्थित जंगल में आग लग गई। इस आग से 12 किसानों के पेड़ों को नुकसान पहुंचा।

प्रभावित किसानों में दीपू शुक्ला, त्रिवेणी तिवारी, रामू तिवारी, रामलखन, बनवारी, नन्दकिशोर, गिरधारी, दिनेश तिवारी, बबलू मिश्र, सूरज तिवारी, देवशंकर और कमलाकांत तिवारी शामिल हैं। आग में रन्डा, यूकेलिप्टस और नीम के पेड़ जल गए। कुल दस बीघा क्षेत्र में फैला जंगल पूरी तरह से राख हो गया। थाना प्रभारी निरीक्षक मार्कण्डेय सिंह ने घटनास्थल पर पहुंचकर दमकल को सूचित किया। दमकल की गाड़ी एक घंटे बाद मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इसी के साथ मुड़ियाखेड़ा गांव के पास एक अन्य घटना में विद्युत लाइन की चिंगारी से राजेश तिवारी और लवलेश तिवारी का दस बीघा भूसा भी जल गया।

अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा ने फूंका पाकिस्तान का पूतला

लखनऊ, चसं। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने आज यहां कुर्सी रोड स्थित पार्टी मुख्यालय में पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गये पर्यटकों की आत्मा की शान्ति के लिये शान्ति पाठ एवं हवन का आयोजन के साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन कर पाकिस्तान का पुतला फूंका गया। तय कार्यक्रम के अनुसार सर्वप्रथम आज अपराह्न लगभग बारह बजे पार्टी मुख्यालय के परिसर में शान्ति पाठ एवं हवन का आयोजन किया गया, जिसमें काफी संख्या पार्टी के पदाधिकारियों सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। शांति पाठ एवं हवन के उपरान्त काफी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी मुख्यालय से राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफनारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला और पाकिस्तान का पुतला फूंका। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष के अलावा राष्ट्रीय मंत्री श्रवण कुमार मिश्रा, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ला,पूर्व प्रदेश प्रवक्ता पंकज तिवारी, राष्ट्रीय प्रवक्ता बाबा महादेव, युवा नेता आयुष्मान त्रिवेदी, सिद्धार्थ दुबे सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

सूचना निदेशालय में सबका साथ सबका विकास के तहत भेदभाव रहित व्यवस्था लागू करने की तैयारी

लखनऊ, चसं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश में नवागंतुक सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप सबका साथ सबका विकास को अमल में लाते हुए सूचना विभाग में भेदभाव रहित व्यवस्था लागू होगी। प्रदेश सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए प्रदेश के सभी जिलों के अखबारों का ध्यान रखा जाएगा। सूचना निदेशालय में पदभार संभालने के बाद उन्हें शुभकामनाएं देने पहुंचे मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन एवं श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष उमाकांत बाजपेई, प्रवक्ता राकेश कश्यप, सचिव मो. रशीद आदि तमाम पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में सूचना निदेशक विशाल सिंह ने उक्त बातें कहीं। मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन ने नई नियुक्ति पर गुलदस्ता भेंटकर उन्हें बधाई दी। सूचना निदेशालय में हुई इस शिष्टाचार भेंट के दौरान अपर सूचना निदेशक डॉ. अंशुमान राम त्रिपाठी भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि 3 नवंबर 1973 में जन्मे विशाल सिंह भदोही के जिलाधिकारी पद से स्थानांतरित होकर सूचना निदेशक के पद पर नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही इन्हें संस्कृति विभाग में विशेष सचिव एवं निदेशक का कार्यभार भी सौंपा गया है।

बीजेपी के कुछ लोग आतंकी हमले को लेकर भी हिंदू-मुस्लिम ढूंढ रहे हैं : रामगोपाल यादव

लखनऊ, चसं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने पहलगाम हमले पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कि आज जब पूरा देश एक है तो बीजेपी के कुछ लोग इस पर भी हिंदू-मुस्लिम मुद्दा ढूंढ़ रहे। मोहन भागवत पर प्रहार करते हुए राम गोपाल यादव ने कहा कि इतने बड़े संगठन के प्रमुख भी इस घटना को हिन्दू मुस्लिम का एंगल दे रहे हैं यह देश के लिए अच्छी बात नहीं है। उन्होंने नसीहत देते हुए कहा कि हिंदू-मुस्लिम में फंस गए तो पाकिस्तान का कुछ नहीं कर पाएंगे। यह समय एक होकर आतंकवादियों पर कार्रवाई करने का समय है। दरअसल, मोहन भागवत ने अपने एक बयान में कहा कि हमारे सैनिकों या हमारे लोगों ने कभी किसी को उसका धर्म पूछकर नहीं मारा। कट्टरपंथी लोगों ने निर्दोष पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर मारा। हिंदू ऐसा कभी नहीं कर सकते।

यूपी बोर्ड परीक्षा परिणाम में एलपीसी के मेधावियों का राजधानी में दबदबा कायम

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। शुक्रवार को यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के परीक्षा परिणाम जारी किये गए जिसमें लखनऊ पब्लिक कॉलेज बी- ब्लाक, राजाजीपुरम के हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के विद्यार्थियों ने हर बार की तरह उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देकर सफलता का परचम फहरा दिया।

बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर विद्यालय के साथ अपने माता-पिता का नाम रोशन किया। हाईस्कूल में रितीश कुमार व सफल मिश्रा ने संयुक्त रुप से 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लखनऊ जिले में प्रथम स्थान, श्रेयांस अस्थाना (94.83 प्रतिशत) जिले में दूसरा, यशी सक्सेना (94.5 फीसदी) जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया।वहीं इण्टर में सचिन रावत ने 89.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लखनऊ जिले में सातवां स्थान प्राप्त किया।इस अवसर पर लखनऊ पब्लिक स्कूल एंड कॉलेजेस के संस्थापक चेयरमैन सांसद डॉ एसपी सिंह ने बच्चों, सभी शिक्षकों, प्रधानाचार्यो व अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि जीवन का हर दिन परीक्षाओं से भरा हुआ है बच्चों को हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना है। लखनऊ पब्लिक स्कूल का प्रत्येक शिक्षक अपनी उत्कृष्ट और सर्वश्रेष्ठ शिक्षा प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है। इस अवसर पर जनरल मैनेजर शिखर पाल सिंह, प्रधानाचार्य ज्ञानेंद्र कुमार, शिक्षक शिक्षिकाएं, अभिभावकगण तथा बच्चे उपस्थित थे।

यूपी बोर्ड टॉपर्स को बड़े तौहफे दिए सेंट मीराज इंटर कॉलेज ने सेंट मीरास इंटर कॉलेज के होनहारों ने फिर लहराया सफलता का परचम : शुक्रवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने जैसे ही यूपी बोर्ड रिजल्ट घोषित किया वैसे ही लाखों विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी की मुस्कान छा गई। यूपी बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल में 90.11 प्रतिशत तथा इंटरमीडिएट में 81.15 फीसदी विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। कानपुर रोड हिंद नगर स्थित सेंट मीरास इंटर कॉलेज के स्टूडेंट्स ने हाई स्कूल तथा इंटरमीडिएट परीक्षा में सफलता का क्रम जारी रखा है। हाई स्कूल में टॉप 10 में से 6 बच्चों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक 4 बच्चों ने 70 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा में टॉप 10 में से वैशाली जायसवाल ने 80.8 फीसदी और बाकी 9 बच्चों ने 75: से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। स्टूडेंट्स, पेरेंट्स और टीचर्स को बधाई देते हुए मैनेजर विनोद कुमार रतडा ने कहा कि जिन बच्चों की जितनी ज्यादा अटैंडेंस होती है उनके नम्बर उतने अच्छे आते हैं।

उन्होंने कहा कि सेंट मीराज इंटर कॉलेज टॉपर्स की एक साल की फीस माफकरने की घोषणा करता है। स्कूल की डायरेक्टर रिद्धिमा रतड़ा ने खुशी जताते हुए कहा कि हर साल की तरह इस बार भी सेंट मीराज इंटर कॉलेज के होनहारों ने यूपी बोर्ड परीक्षा में सफलता का परचम लहराया है।

आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के सफल छात्रों को दी बधाई : हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं के परिणामों पर उत्तर प्रदेश सरकार के आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल जी ने प्रदेश के सभी सफल छात्रों को हार्दिक बधाई दी है।अपने बधाई संदेश में श्री अग्रवाल ने कहा कि यह सफलता छात्रों के कठिन परिश्रम, अटूट लगन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का प्रतिफल है।

उन्होंने कहा कि छात्रों ने चुनौतियों का दृढ़ता से सामना करते हुए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जो अत्यंत प्रशंसनीय है। श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएँ छात्रों के जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ होती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सफल छात्र अपनी प्रतिभा और ज्ञान के बल पर भविष्य में भी सफलता के नए शिखर छुएंगे और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

मंत्री आशीष पटेल ने यूपी बोर्ड परीक्षा में सफलता हासिल करने विद्यार्थियों को दी हार्दिक बधाई : प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले मंत्री आशीष पटेल ने यूपी बोर्ड परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने इस वर्ष के उत्साहजनक परिणामों को छात्रों की अथक मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के अमूल्य सहयोग का प्रतीक बताया।मंत्री पटेल ने अपने संदेश में कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन, अभिभावकों के प्रोत्साहन का सुखद परिणाम है।

उत्तर रेलवे

ई ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट / जोन	लखनऊ–उ०रे०–मण्डल– वाणिज्य / उ०रे०
नीलामी सूची सं० / लॉट सं०	ADVT-LKO-LKO-OH-548-25-2 (Advertising -Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.05.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.05.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E- Auction Module of www.ireps.gov.in

No: Va-Vi/OOH/Publicity/24/KKG Dt. 25.04.2025 1235/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

वाराणसी में सड़क निर्माण के लिए 797.61 लाख रूपये मंजूर

लखनऊ, चसं। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत वाराणसी में सड़क निर्माण से संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए 797.61 लाख रूपये मंजूर किए हैं। इस संबंध में जारी शासनादेश की प्रति जिलाधिकारी, वाराणसी को प्रेषित कर दी गई है।शासनादेश के अनुसार मंजूर की गई धनराशि से ग्राम सुल्तानपुर, चाणक्यपुरी कॉलोनी, ग्राम भीटी, सरायनंदन, वार्ड भगवानपुर, उत्तरी ककरमत्ता, दक्षिणी ककरमत्ता, भिखारीपुर, पुराना रामभवन तपोवन एवं पुराना रामनगर कोदोपुर में सड़क, कच्ची सड़क, इण्टरलॉकिंग तथा जल निकासी कार्य एवं भूमिगत नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा। शासन द्वारा ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को कार्यदायी संस्था नामित करते हुए विभिन्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन कार्य संपन्न कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

अमेठी, देवरिया, फतेहपुर और चन्दौली के लिये 528.51 लाख रूपये मंजूर

लखनऊ, चसं। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में संतुलित क्षेत्रीय विकास पूर्वांचल निधि योजना के अंतर्गत अमेठी, देवरिया, फतेहपुर एवं चन्दौली में सड़क निर्माण से संबंधित कार्यों हेतु 528.51 लाख रूपये मंजूर किए हैं। शासनादेश की प्रतियां संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी को प्रेषित कर दी गई हैं। अमेठी के लिए 189.19 लाख रूपये से विकास खण्ड-जगदीशपुर एवं जामों में सीसी रोड का निर्माण कार्य, जनपद देवरिया के लिए मंजूर की गई धनराशि 37.15 लाख रूपये से विकास खण्ड-बनकटा में सीसी रोड निर्माण कार्य फतेहपुर के लिए मंजूर की गई धनराशि 144.45 लाख रूपये से विभिन्न स्थानों पर सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य तथा जनपद चन्दौली के लिए मंजूर की गई धनराशि 157.72 लाख रूपये से विकास खण्ड नियमताबाद में सीसी रोड एवं नाली सीवर का निर्माण कार्य कराया जाएगा। शासन द्वारा ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को कार्यदायी संस्था नामित करते हुए विभिन्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन कार्य संपन्न कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

लघु सिंचाई परियोजना के लिए 283.25 लाख रूपये मंजूर

लखनऊ, चसं। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में बुंदेलखण्ड पैकेज के अंतर्गत लघु सिंचाई परियोजना के लिए 283.25 लाख रूपये मंजूर किए है। मंजूर की गई धनराशि मुख्य अभियंता, लघु सिंचाई विभाग के निवर्तन पर रखी गई है।नियोजन विभाग ने इस संबंध में जारी शासनादेश की प्रति मुख्य अभियंता, लघु सिंचाई विभाग को प्रेषित करते हुए निर्देशित किया है कि मंजूर की गई धनराशि का आहरण एकमुश्त न करके वास्तविक आवश्यकता के आधार पर कोषागार से किया जाएगा। इस धनराशि को बैंक अथावा पोस्ट ऑफिस में नहीं रखा जाएगा। निर्गत धनराशि से बुंदेलखण्ड में चेकडैम का निर्माण, तालाबों का आधुनिकीकरण तथा नए डग, ब्लास्टवेल का निर्माण कराया जाएगा।

छुट्टा गोवंश के भरण-पोषण के लिये 2 अरब 50 करोड़ स्वीकृत

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के छुट्टा गोवंश के भरण-पोषण हेतु 2 अरब 50 करोड़ रूपये की धनराशि वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत की है। प्रथम किश्त के रूप में स्वीकृत धनराशि का व्यय अस्थाई गोवंश आश्रय की स्थापना, संचालन व संरक्षित गोवंश के भरण-पोषण हेतु किया जायेगा। आवंटित धनराशि का उपयोग अधिकतम 50 रूपये प्रतिदिन प्रति गोवंश की दर से किया जायेगा। इस संबंध में पशुधन विभाग द्वारा शासनादेश जारी करते हुए निदेशक, प्रशासन विकास पशुपालन विभाग को अस्थाई गोवंश आश्रय के सुचारू संचालन के संबंध में दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा निराश्रित बेसहारा गोवंश के निराकरण के लिये उत्तर प्रदेश के समस्त ग्रामीण व शहरी स्थानीय निकायों यथा ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निकायों में अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल की स्थापना व संचालन नीति प्रख्यापित की गयी है, जिसके तहत संरक्षित छुट्टा गोवंश की देखभाल का निरन्तर कार्य किया जा रहा है।

एथलेटिक्स में खिलाड़ी ट्रायल, चयन के लिये करें सम्पर्क : डीएसओ

कानपुर देहात, चसं। जिलाधिकारी के निर्देशन में जिला क्रीड़ा अधिकारी नीलम सिद्दीकी ने बताया कि खेलो इण्डिया (एक जिला एक खेल) योजना के अन्तर्गत स्पोर्ट्स स्टेडियम माती में एथलेटिक्स खेल का संचालन किया जा रहा है। जिसमें पंजीकृत खिलाडियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसके अन्तर्गत 4 खिलाड़ियो के रिक्त पदों को भरने हेतु खिलाड़ियों का ट्रायलध्चयन का आयोजन दिनांक 28 अप्रैल, 2025 को सांय 3 बजे से किया जायेगा। इच्छुक खिलाड़ी ट्रायलध्चयन हेतु जिला खेल कार्यालय स्पोर्ट्स स्टेडियम में सम्पर्क सकते है। खिलाडियों को अपने साथ जन्मतिथि प्रमाण-पत्र तथा अपने आधार कार्ड की छायाप्रति लाना अनिवार्य है। खिलाड़ियों की आयु 14 वर्ष से अधिक मान्य नही होगी।

पहलगाम हमले के विरोध में दिल्ली व्यापार बंद, 1,500 करोड़ का कारोबार ठप

नयी दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफदेशभर में गुस्सा है और इसका असर शुक्रवार को दिल्ली के व्यापारिक बाजारों में भी देखने को मिला। राजधानी के 900 से अधिकबाजारों की करीब 8 लाख दुकानें बंद रहीं, जिससे करीब 1,500 करोड़ रुपए का कारोबार ठप हो गया। दिल्ली के विभिन्न बाजारों में व्यापारियों ने श्रद्धांजलि सभाएं, मौन मार्च और कैंडल मार्च निकालकर हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान राष्ट्रगान भी गाया गया और आतंकवाद के खिलाफएकजुट संघर्ष का संकल्प लिया गया। कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स और दिल्ली व्यापार महासंघ समेत 100 से अधिक व्यापारी संगठनों ने व्यापार बंद का आह्वान किया था। महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, ÷अब समय आ गया है कि पाकिस्तान से सभी प्रकार के व्यापारिक संबंध समाप्त कर दिए जाएं।÷ उन्होंने बताया कि कैट की नेशनल गवर्निंग काउंसिल की अगली बैठक में पाकिस्तान से आयात-निर्यात बंद करने का प्रस्ताव रखा जाएगा। दिल्ली के चांदनी चौक, कनॉट प्लेस, करोल बाग, सदर बाजार, खारी बावली, लाजपत नगर, साउथ एक्स, राजौरी गार्डन, गांधी नगर, शाहदरा, पीतमपुरा, ग्रेटर कैलाश, और विकासपुरी समेत सैकड़ों बाजारों में व्यापार पूरी तरह बंद रहा। व्यापारियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। व्यापारी संगठनों का यह विरोध न केवल आतंकी हमले के खिलाफएकजुटता का प्रदर्शन है, बल्कि यह सरकार से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग का स्पष्ट संदेश भी है।

सैमसंग का तमिलनाडु में बड़ा निवेश

चेन्नई, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में 1,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश करेगी। राज्य के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने इस बात की जानकारी दी और कहा कि यह निवेश तमिलनाडु की श्रम शक्ति में कंपनी के भरोसे को दर्शाता है। इस निवेश के साथ 100 नई नौकरियां भी पैदा होंगी। यह ऐलान ऐसे समय में आया है जब फरवरी 2025 में इसी प्लांट में कर्मचारी विरोध और सिट-इन प्रोटेस्ट देखने को मिला था। पिछले साल सितंबर में भी सैकड़ों श्रमिकों ने वेतन वृद्धि और यूनियन मान्यता की मांग को लेकर पांच हफ्तों तक हड़ताल की थी। सैमसंग प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच इन विवादों को लेकर टकराव जारी रहा है। कंपनी पर यूनियन-विरोधी रवैये के आरोप लगे, जिनसे उसने इनकार किया और कहा कि वह सभी लागू कानूनों का पालन करती है। मंत्री टीआरबी राजा ने एक्स पर लिखा, यह निवेश राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। सरकार ने इस कदम का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे राज्य में और विदेशी निवेश आकर्षित होंगे।

सेंसेक्स 588 अंक गिरकर 79,212 पर हुआ बंद, निफ्टी 24,039 के स्तर पर

मुंबई, एजेंसी। हफ्ते के आखिरी कारोबार दिन आज यानी शुक्रवार, 25 अप्रैल को शेयर बाजार में तेजी के बाद गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 588 अंक गिरकर 79,212 के स्तर पर और निफ्टी भी 207 अंक गिरकर 24,039 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले सेंसेक्स करीब 1155 अंक गिरकर 78,645 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी में भी 386 अंक की गिरावट थी, ये 23,860 के स्तर पर पहुंच गया। 24 अप्रैल को विदेशी निवेशकों ने 8,250.53 करोड़ के शेयर खरीदे। जबकि, भारतीय यानी घरेलू निवेशकों ने 534.54 करोड़ रुपए के नेट शेयर बेचे।

चेन्नई को हराकर हैदराबाद ने रचा इतिहास

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल-2025 में अपने घर में एक और हार का सामना करना पड़ा है। चेपॉक में शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने उसे पांच विकेट से हरा दिया। इस हार के बाद चेन्नई के प्लेऑफ में जाने की संभावना काफी मुश्किल हो गई है। अब उसके लिए हर मैच में जीत जरूरी बन गई है। चेन्नई की टीम 19.5 ओवरों में 154 रनों पर ढेर हो गई थी। हैदराबाद ने ये स्कोर 18.4 ओवरों में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। हैदराबाद की तरफ से ईशान किशन ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए जिसके लिए उन्होंने 34 गेंदों का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का मारा। चेन्नई के लिए डेब्यू कर रहे जूनियर डिविलियर्स के नाम से मशहूर डेवाल्ड ब्रेविस ने 42 रन बनाए। ये हैदराबाद की चेपॉक में चेन्नई के खिलाफ पहली जीत है।

इस मैच में चेन्नई और हैदराबाद दोनों को एक जैसी शुरुआत मिली। चेन्नई ने भी अपना पहला विकेट बिना किसी स्कोर के खो दिया था। शेख रशीद को मोहम्मद शमी ने आउट कर दिया था। वहीं खलील ने दूसरी गेंद पर अभिषेक शर्मा को आयुष महात्रे के हाथों कैच करा चेन्नई को पहली सफलता दिलाई। हालांकि, इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर आए ट्रेविस हेड ने ईशान किशन के साथ मिलकर टीम को संभाला। अंशुल कम्बोज ने हेड को आउट कर चेन्नई को दूसरी सफलता दिलाई। सारी उम्मीदें अब हेनरिक क्लासेन पर टिकी थीं। लेकिन वह भी फेल हो गए। क्लासेन सात रन ही बना सके। दूसरे छोर पर तेजी से रन बना रहे ईशान किशन अपना अर्धशतक पूरा करते दिख रहे, लेकिन कर नहीं सके। नूर अहमद की गेंद पर बाउंड्री पर सैम करन ने उनका शानदार कैच लपका। अनिकेत वर्मा 19 रनों से आगे नहीं

जा सके और नूर अहमद का शिकार बने। नीतीश कुमार रेड्डी और कामिंडू मेंडिस ने अंत में नाबाद रहते हुए टीम को जीत दिलाई। मेंडिस ने 22 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से नाबाद 32 रन बनाए। नीतीश ने 13 गेंदों पर 19 रनों की पारी खेली जिसमें दो चौके शामिल रहे। पहली गेंद पर रशीद का विकेट खोने के बाद चेन्नई ने सैम करन को तीसरे नंबर पर भेजा लेकिन उसका ये दांव चला नहीं। करन हर्षल पटेल की गेंद पर नौ रन बनाकर आउट हो गए। रवींद्र जडेजा को कामिंडू मेंडिस को 21 रनों के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। ब्रेविस ने आते ही तेजी से रन बनाए, लेकिन मेंडिस के अद्भुत कैच में उनको अर्धशतक लगाने नहीं दिया। अंत में किसी तरह दीपक हुड्डा ने 21 गेंदों पर 22 रन बनाते हुए टीम को 150 का स्कोर पार कराया, लेकिन बाकी सब फेल हो गए। एमएस धोनी छह, कम्बोज दो, नूर अहमद दो जल्दी आउट हो गए। हैदराबाद के लिए हर्षल पटेल ने चार विकेट लिए। जयदेव उनादकट और पैट कमिंस ने दो-दो विकेट लिए। मोहम्मद शमी और मेंडिस के हिस्से एक-एक विकेट आया।

अब बदल जाएगी चेन्नई की टीम, खिलाड़ियों की नौकरी पर खतरा : इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 43वें मुकाबले में शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स को घर पर हार का सामना करना पड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई को चेपॉक में 5 विकेट से हराया। 18 साल में पहली बार ऐसा हुआ है जब हैदराबाद ने चेन्नई को उनके घर पर मात दी हो। इस हार के साथ ही चेन्नई का प्लेऑफ के रास्ते अब काफी मुश्किल हो गए है। हार के बाद चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपनी टीम से काफी नाखुश नजर आए। उन्होंने टीम में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। एमएस धोनी ने हार के बाद कहा, मुझे लगता है कि हम लगातार विकेट खोते रहे। दूसरी बात यह है कि पहली पारी में विकेट थोड़ा बेहतर था और 157 रन का स्कोर उचित नहीं था। यह बहुत ज्यादा टर्न नहीं कर रहा था, थोड़ा तेज था लेकिन कुछ खास नहीं था। हां, दूसरी पारी में थोड़ी मदद मिली। हमारे स्पिनर गुणवत्ता वाले थे और वे सही क्षेत्रों में गेंदबाजी कर रहे थे, लेकिन हम 15-20 रन कम बना पाए। धोनी ने कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की और हमें मिडिल ऑर्डर में इसकी जरूरत थी। जब स्पिनर आते हैं, तो आप या तो बल्लेबाज़ी करते हैं या सही क्षेत्रों को चुनते हैं, लेकिन यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम सुधार करना चाहते हैं क्योंकि मिडिल ओवर महत्वपूर्ण होते हैं। इस तरह के टूर्नामेंट में अगर एक या दो जगह पर कमियों को दूर करना है तो यह अच्छा है, लेकिन जब अधिकांश खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो आपको बदलाव करने की जरूरत पड़ती है। आप बस चलते नहीं रह सकते। हम बोर्ड पर पर्याप्त रन नहीं बना पा रहे हैं।

बीच मैच में मुश्किल में फंस गए रवींद्र जडेजा, अंपायर ने बैट को कर दिया फेल : आईपीएल-2025 में बीसीसीआई कुछ नए नियम लेकर आया है। उनमें से ही एक है बैटिंग से पहले बल्लेबाजों के बल्ले चैक करने का नियम। पारी शुरू होने से पहले चौथा अंपायर बाउंड्री पर ही दोनों बल्लेबाजों के बैट चेक करते हैं। वहीं बीच मैच में बैटिंग पर आने वाले बल्लेबाज का बैट मैदानी अंपायर चेक करते हैं। शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स के सीनियर बल्लेबाज रवींद्र जडेजा का बल्ला इस तरह के टेस्ट में फेल हो गया। चेन्नई अपने घर चेपॉक में सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ रही है। इस मैच में उसकी बल्लेबाजी ज्यादा सफल नहीं रही और टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। टीम के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने जरूर अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन बाकी और बल्लेबाज फेल हो गए। जडेजा को इस मैच में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आना पड़ा वो भी पांचवें ओवर में। चौथी गेंद पर वह मैदान पर आए और अंपायर ने उनका बल्ला चेक किया। अंपायर के पास एक खांचा होता है जिसमें से बल्ले का निकाला जाता है। अगर बल्ला इस खांचे में से नहीं निकलता है तो फिर उस बल्ले को मंजूरी नहीं दी जाती। यही जडेजा के साथ हुआ और उनके बल्ले का मंजूरी नहीं दी गई। उन्हें दूसरा बैट मंगवाना पड़ा। नियम के मुताबिक, बल्ले की चौड़ाई 4.25 इंच / 10.8 सेमी, गहराई 2.64 इंच / 6.7 सेमी, किनारा 1.56 इंच / 4.0 सेमी होनी चाहिए। इसके अलावा बल्ला खांचे में गुजरना चाहिए। चेन्नई की टीम इस मैच में एक गेंद पहले ऑल आउट हो गई। ये 2019 के बाद पहली बार जब चेन्नई अपने घर में ऑल आउट हुई है। पूरी टीम 154 रन ही बना सकी जिसमें पांच बार की चैंपियन के लिए डेब्यू कर रहे ब्रेविस ने 25 गेंदों पर 42 रनों की पारी खेली जिसमें चार छक्के और एक चौका शामिल रहा। उनके बाद टीम के लिए सबसे ज्यादा 30 रन आयुष महात्रे ने बनाए। उन्होंने 19 गेंदों पर छह चौके मारे। दीपक हुड्डा ने अंत में 21 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 22 रनों की पारी खेली।

■ 18 साल में पहली बार चेपॉक में दी धोनी की टीम को मात

बीच मैच में हैदराबाद के खिलाड़ी को लगी चोट, कैच लेने की कोशिश में तुड़वाई उंगली, काव्या मारन का रिएक्शन वायरल : सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के लिए आईपीएल-2025 अच्छा नहीं जा रहा है। इस टीम के लिए प्लेऑफ की राह मुश्किल हो रही है। शुक्रवार को हैदराबाद का सामना चेन्नई सुपर किंग्स के चेपॉक में हो रहा है और इस मैच में भी उसके लिए अच्छी खबर नहीं आई है। बीच मैच में उनका खिलाड़ी चोटिल हो गया। हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने इस मैच में टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। चेन्नई की पारी के दौरान हैदराबाद के खिलाड़ी को चोट लग गई। ये खिलाड़ी कैच लेने गया और अपनी उंगली तुड़वा बैठा। चेन्नई की पारी का आठवां ओवर चल रहा था। गेंदबाजी कर रहे थे कामिंडू मेंडिस। ओवर की चौथी गेंद जडेजा ने खेली और डीप मिडविकेट पर फ्लिक कर दिया। गेंद हवा में गई और हर्षल पटेल ने कैच लेने की कोशिश की। इस कोशिस में वह अपनी उंगली चोटिल कर बैठे। कुछ देर मैदान पर बिताने के बाद उन्हें बाहर ले जा गया। हालांकि, उनकी चोट ज्यादा गंभीर नहीं थी और कुछ देर बाद वह वापस भी आ गए। हर्षल फिर 13वें ओवर में आए और गेंदबाजी भी की। इस ओवर की पांचवीं गेंद पर वह विकेट लेने में भी सफल रहे। उन्होंने खतरनाक दिख रहे डेवाल्ड ब्रेविस को पवेलियन भेजा। हालांकि, इसमें कामिंडू मेंडिस के शानदार कैच का अहम रोल रहा जिन्होंने लॉन्ग ऑफ पर शानदार कैच लपका और ब्रेविस का डेब्यू पर अर्धशतक जमाने का सपना तोड़ा दिया। पटेल के कैच छोड़ने के बाद टीम की मालिकन काव्या मारन का रिएक्शन वायरल हो गया है। काव्या को उम्मीद थी कि ये कैच पकड़ा जाएगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं और पटेल ने ये कैच छोड़ दिया। ये कैच जडेजा का था और काव्या जानती हैं कि जडेजा कितने खतरनाक प्लेयर हैं। हालांकि, जडेजा इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाए और कामिंडू मेंडिस की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 17 गेंदों पर 21 रन बनाए जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल रहा।

> चेपॉक में शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने उसे पांच विकेट से हरा दिया। इस हार के बाद चेन्नई के प्लेऑफ में जाने की संभावना काफी मुश्किल हो गई है। अब उसके लिए हर मैच में जीत जरूरी बन गई है। चेन्नई की टीम 19.5 ओवरों में 154 रनों पर ढेर हो गई थी।

आईपीएल का बेस्ट कैच! कमिंडू मेंडिस बने सुपरमैन : श्रीलंका के स्टार स्पिनर कमिंडू मेंडिस ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ना सिर्फ अद्भुत कैच लपका, बल्कि आईपीएल के मौजूदा सीजन का अब तक सबसे उम्दा कैच पकड़ा। इस कैच की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेब्यू करने वाले डेवाल्ड ब्रेविस की पारी समाप्त हुई और वह अर्धशतक बनाने से चूक गए। सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सीएसके की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 74 के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिये। इसके बाद डेवाल्ड ब्रेविस ने तूफानी पारी खेली। वह 25 गेंद पर एक चौका और चार सिक्स के साथ हाफ सेंचुरी की तरफ बढ़ रहे थे। हालांकि, एक कैच से सबकुछ बदल गया। हर्षल पटेल ने 13वें ओवर की पांचवीं गेंद ऑफ स्टंप के बाहर फुलर लेंथ की गेंद की थी। इस पर ब्रेविस ने लॉन्ग ऑफ की तरफ फ्लैट प्रहार किया था। वहां मौजूद मेंडिस ने बायीं ओर खुद को झोंकते हुए हैरतअंगेज कैच लपक लिया। इस कैच के चलते डेवाल्ड ब्रेविस का सपना चकनाचूर हो गया। दरअसल, वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल डेब्यू किया। वह तूफानी बल्लेबाज कर रहे थे लेकिन 42 रन बनाकर आउट हो गए और 8 रन से अपना अर्धशतक बनाने से चूक गए। इससे पहले ब्रेविस ने मुंबई के लिए आईपीएल खेला था।

आते ही काम शुरु कर दिया! पहली गेंद पर विकेट लेकर मोहम्मद शमी ने रचा इतिहास, ट्रेंट बोल्ट को छोड़ा पीछे : आईपीएल में मोहम्मद शमी ने एक खास उपलब्धि हासिल की। शमी ने IPL 2025 के 43वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। शमी ने पहली गेंद पर शेख रशीद का विकेट लेकर आईपीएल में पहली गेंद पर सबसे ज्यादा बार विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। उन्होंने पांच गेंदबाजों को पीछे छोड़ा। चेन्नई के सलामी बल्लेबाजों ने भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। आईपीएल में 43वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद आमने-सामने हैं। पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। चेन्नई सुपर किंग्स ने मैच की पहली ही गेंद पर अपना पहला विकेट गंवाया। शेख रशीद को मोहम्मद शमी ने स्लिप पर कैच आउट करवाया। इस विकेट से साथ शमी ने इतिहास रच दिया।

शमी आईपीएल में पहली गेंद पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। शमी ने चार बार यह कमाल किया है। इस लिस्ट में ट्रेंट बोल्ट और भुवनेश्वर कुमार का भी नाम शामिल है। हालांकि, अब वह आगे निकल गए हैं। वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से शेख रशीद और आयुष महात्रे ने भी इतिहास रचा। दोनों की 21 साल से कम उम्र में आईपीएल में ओपनिंग करने के मामले में चौथी जोड़ी बनी। इस लिस्ट में पहले स्थान पर संजू सैमसन और ऋषभ पंत का नाम मौजूद है।

पहलगाम हमले के बाद पाक हॉकी टीम का एशिया कप दौरा खतरे में

चर्चित राजनीति। संवाददाता

■ 27 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में खेले जाने वाले आठ टीमों के पुरुष एशिया कप में पाकिस्तान भी शामिल है

मुंबई। पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद, इस साल बाद में राजगीर में होने वाले एशिया कप के लिए पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम का भारत दौरा बढ़ते तनाव के मद्देनजर संदेह के घेरे में है।

भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों पर किए गए हमले का जवाब देते हुए सभी पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए वीजा रद्द कर दिए हैं। यूरोप स्थित वेबसाइट टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस कदम से अगस्त में एशिया कप के लिए पाकिस्तान हॉकी टीम के भारत दौरे को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। 27 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में खेले जाने वाले आठ टीमों के पुरुष एशिया कप में पाकिस्तान भी शामिल है। हमले से नाराज कई प्रमुख भारतीयों ने सरकार से पाकिस्तान के साथ सभी संबंध खत्म करने को कहा है - जिसमें खेल संबंध भी शामिल हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इससे पाकिस्तान में भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान हॉकी टीम को एशिया कप के लिए भारत दौरे की अनुमति दिए जाने पर संदेह पैदा हो गया है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) के महासचिव राणा मुजाहिद हाल के घटनाक्रमों के बाद एशिया कप के लिए टीम के भारत दौरे को लेकर बहुत आशावादी नहीं हैं।

हमारे हॉकी इंडिया के साथ अच्छे संबंध हैं, लेकिन टीम के दौरे के बारे में, यह सरकार-से-सरकार का मामला है। हम अपनी सरकार से अनुरोध करेंगे, और अगर वे अनुमति देते हैं तो हम भाग लेंगे, लेकिन अगर वे हमारे अनुरोध को अस्वीकार करते हैं तो कोई संभावना नहीं है। आप हाल की स्थिति से अवगत हैं। भारत सरकार ने भारत में सभी पाकिस्तानियों के वीजा रद्द कर दिए हैं, फिर ऐसी स्थिति में हमारी टीम भारत का दौरा कैसे कर पाएगी? बाकी सब कुछ अलग रखते हुए हम अपनी सरकार से दौरे के बारे में पूछेंगे। इस बीच, उनके भारतीय समकक्ष हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट से कहा कि उनका महासंघ अनुमति के लिए सरकार से संपर्क करने से पहले स्थिति पर नजर रखेगा। उन्होंने कहा, हमने टूर्नामेंट पर कोई चर्चा नहीं की है। हम इस पर अपनी सरकार की प्रतिक्रिया का इंतजार करेंगे। उचित समय पर निर्णय लेंगे। एशिया कप सभी टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 2026 हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट है, जिसकी मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड करेंगे।

2014 में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से पाकिस्तान की हॉकी टीमें तीन मौकों पर एफआईएच-स्तरीय आयोजनों के लिए भारत आई हैं। 2016 में लखनऊ में जूनियर पुरुष विश्व कप, 2018 में हॉकी विश्व कप और 2021 में जूनियर विश्व कप - दोनों भुवनेश्वर में आयोजित किए गए थे।

क्राफ्टन इंडिया का बीजीएमआई राइजिंग स्टार्स प्रोग्राम, स्पोर्ट्स प्रतिभा को देगा नया मंच

चर्चित राजनीति। एजेंसी

कोलकाता। भारतीय ईस्पोर्ट्स परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, क्राफ्टन इंडिया ई स्पोर्ट्स ने बीजीएमआई राइजिंग स्टार्स 2025 कार्यक्रम के पहले समूह का अनावरण किया है। यह पहल देश की अगली पीढ़ी के गेमिंग सितारों को खोजने, प्रशिक्षित करने और उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इस कार्यक्रम की घोषणा कोलकाता में आयोजित बीजीआईएस ग्रैंड लैन फाइनल्स 2025 के उद्घाटन दिवस पर की गई, जो भारत के सबसे बड़े ईस्पोर्ट्स टूर्नामेंटों में से एक है, जिसमें देश की शीर्ष 16 टीमें 3.2 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। बीजीएमआई राइजिंग स्टार्स कार्यक्रम सिर्फ एक प्रतिभा खोज नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक विकास मंच है। इसका लक्ष्य युवा ईस्पोर्ट्स एथलीटों को विकसित होने, आगे बढ़ने और मुख्यधारा के गेमिंग व्यक्तित्व के रूप में स्थापित होने में मदद करना है।

चुने गए आठ एथलीट न केवल गेमिंग में उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करते हैं, बल्कि भारत में महत्वाकांक्षी गेमर्स की एक नई लहर को प्रेरित करने की क्षमता भी रखते हैं। विशेष रूप से, इन आठ खिलाड़ियों में से सौम्या राज और समिहान कुलकर्णी ने न केवल राइजिंग स्टार्स का खिताब जीता है, बल्कि बीजीआईएस ग्रैंड फाइनल्स के लिए भी क्वालीफाई किया है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उनकी यह यात्रा उस उभरती हुई युवा प्रतिभा को दर्शाती है जो पहले से ही प्रतिस्पर्धी गेमिंग के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है। इस अवसर पर क्राफ्टन इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर-ईस्पोर्ट्स, करण पाठक ने कहा, बीजीएमआई राइजिंग स्टार्स 2025 भारतीय ईस्पोर्ट्स के जुनून, संभावना और भविष्य का प्रतीक है। यह केवल प्रतिभा की खोज नहीं है, बल्कि उन्हें सही दिशा में समर्थन देकर उद्योग के अगले बड़े नाम बनने में मदद करना है।÷ यह कार्यक्रम इन युवा खिलाड़ियों को क्राफ्टन की ईस्पोर्ट्स योजनाओं में गहराई से एकीकृत करके निरंतर विकास के अवसर प्रदान करेगा। प्रतिभागियों को उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने और गेमप्ले को उन्नत करने के लिए विशेष तकनीकी सहायता भी मिलेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक राइजिंग स्टार को वास्तव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए सही उपकरण, मार्गदर्शन और वातावरण मिले। राइजिंग स्टार का खिताब जीतने वाली सौम्या राज ने कहा, युवा एथलीटों के लिए यह सिर्फ पहचान नहीं, बल्कि एक बड़ी मान्यता है। राइजिंग स्टार नामित होना और लैन फाइनल्स में खेलना, यह मेरा सपना था। यह पहल भारतीय ईस्पोर्ट्स के लिए बहुत जरूरी थी, यह आपको खुद पर थोड़ा और विश्वास करने के लिए प्रेरित करती है। समिहान कुलकर्णी ने भी इसी भावना का समर्थन करते हुए कहा, यह मंच एक गेमचेंजर है। यह हमारी कड़ी मेहनत को सार्थक बनाता है, और अब मेरा पूरा ध्यान इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने पर है। क्राफ्टन इंडिया का यह कदम निस्संदेह भारतीय ईस्पोर्ट्स पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगा और देश से अगली पीढ़ी के गेमिंग सितारों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुरू की दो नई पहल, 2036 ओलंपिक की तैयारी तेज

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने देश के खेल क्षेत्र को मजबूत करने के लिए दो बड़ी पहलों का उद्घाटन किया। इनमें नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च (एनसीएसएसआर) में रिटर्न टू स्पोर्ट्स सेल और डिजिलॉकर के जरिए खेल प्रमाणपत्रों की डिजिटल सुविधा शामिल है। इन दोनों कदमों का मकसद 2036 ओलंपिक के लिए भारत को तैयार करना है।

मांडविया ने कहा कि सरकार देश के खेल क्षेत्र को तेजी से आगे बढ़ा रही है। डिजिलॉकर के जरिए अब खिलाड़ियों को उनके प्रमाणपत्र डिजिटल रूप में आसानी से मिल सकेंगे। इससे प्रशासनिक काम तेज होगा और खिलाड़ियों को समय पर आर्थिक मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और खेल फेडरेशनों में गड़बड़ी नहीं हो सकेगी। हर फेडरेशन की जवाबदेही सुनिश्चित होगी।मंत्री ने बताया कि प्रत्येक खेल फेडरेशन के साथ कॉर्पोरेट साझेदारी की जा रही है, ताकि संसाधनों की कमी न हो और काम की गति बढ़े। इसके अलावा, हर खेल के लिए अलग-अलग ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर बनाए जाएंगे।

मांडविया ने कहा, मैंने दुनिया के कई देशों के खेल मॉडल का अध्ययन किया है। अब हम भारत में वैसी व्यवस्था लागू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय कोचिंग और सुविधाएं देना सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए खिलाड़ी, खेल फेडरेशन और सरकार को एकजुट होकर काम करना होगा। रिटर्न टू स्पोर्ट्स सेल का मकसद चोटिल खिलाड़ियों को जल्दी ठीक करने और उन्हें खेल में वापस लाने में मदद करना है। यह सेल खिलाड़ियों की रिकवरी और फिटनेस पर वैज्ञानिक तरीके से काम करेगा। मांडविया ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2036 ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करना है। इसके लिए अभी से मजबूत नींव तैयार की जा रही है। डिजिटल प्रमाणपत्रों की शुरुआत से खिलाड़ियों को कागजी कार्रवाई के झंझट से छुटकारा मिलेगा और वे अपने प्रशिक्षण पर ज्यादा ध्यान दे सकेंगे।

प्रेग्नेंट हैं हीरामंडी फेम एक्ट्रेस शर्मिन सहगल शादी के डेढ़ साल देंगी पहले बच्चे को जन्म

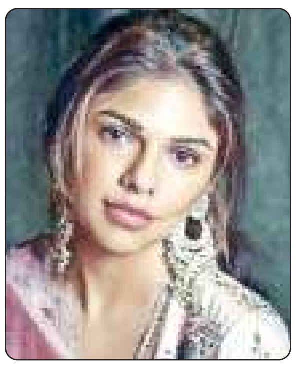

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी से एक्टिंग में कदम रखने वाली एक्ट्रेस शर्मिन सहगल जल्द ही मां बनने वाली हैं। एक्ट्रेस प्रेग्नेंट हैं और जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। इस खबर के बाद उनके फैंस काफी खुश हैं और सोशल मीडिया के जरिए उन्हें बधाई दे रहे हैं। शर्मिन सहगल ने प्रेग्नेंसी के चलते इन दिनों एक्टिंग से दूरी बनाई हुई है। परिवार के करीबी मित्र ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि डिलीवरी के बाद वह जल्द काम पर लौटेंगी। बता दें कि उन्होंने नवंबर 2023 में बिजनेसमैन अमन मेहता से लंदन में शादी की थी। शादी के डेढ़ साल बाद यह कपल पहले बच्चे की उम्मीद कर रहा है। शर्मिन ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीरें पोस्ट की थीं और कैप्शन में लिखा था-हमने शादी कर ली है, एक परफेक्ट फोटो ढूंढ़ना बड़ा स्ट्रगल वाला काम है। मेरा मानना है कि जब आप अपनी लाइफ में खास पलों को जी रहे होते हैं, तो उसे संजोकर रखना जरूरी होता है। लेकिन यह एक इमोशन है और इसे हमेशा कैद नहीं किया जा सकता है, पर इसे हमेशा महसूस तो किया जा सकता है। यहां नई शुरुआत और एक-दूसरे के साथ मिलकर हर दिन खुद को बेहतर बनाने की कोशिश है! एक्ट्रेस की निजी जिंदगी की बात करें तो वह फिल्ममेकर दीपक सहगल और बेला भंसाली की बेटी हैं और संजय लीला भंसाली की भतीजी हैं। उन्होंने साल 2024 में वेब सीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार से डेब्यू किया और आलमजेब का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। वहीं एक्ट्रेस के पति अमन मेहता इटली में टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। वह लाइमलाइट से दूर रहते हैं। उन्होंने बॉस्टन यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन किया और कोलंबिया बिजनेस स्कूल से एमबीए किया। :: एजेंसी

सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव की जबरदस्त कहानी, अब सिर्फ प्राइम वीडियो पर

एक्सल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी प्रोडक्शन की यह फिल्म, रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर, जोया अख्तर और रीमा कागती द्वारा प्रोड्यूस और रीमा कागती द्वारा डायरेक्टेड, सुपरबॉयज ऑफमालेगांव अब आज से प्राइम वीडियो पर 240 देशों और क्षेत्रों में स्ट्रीमिंग हो रही है। यह फिल्म वरुण ग्रोवर द्वारा लिखी गई है और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज की ओरिजिनल फिल्म है। इसमें अदर्श गौरव, विनीत कुमार सिंह, और शशांक अरोड़ा जैसे टैलेंटेड और वर्सेटाइल एक्टर लीड रोल्स में हैं। भारत के सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन प्राइम वीडियो ने आज बहुप्रशंसित फिल्म 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' के एक्सक्लूसिव ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर का ऐलान किया है। यह अमेजन एमजीएम स्टूडियोज की ओरिजिनल फिल्म है, जिसे एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म के निर्माता हैं रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर, जोया अख्तर और रीमा कागती, और इसे रीमा कागती ने ही डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी को वरुण ग्रोवर ने लिखा है। इस फिल्म में आदर्श गौरव, विनीत कुमार सिंह और शशांक अरोड़ा जैसे बेहतरीन कलाकार लीड रोल में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म अब प्राइम वीडियो पर दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में एक्सक्लूसिवली स्ट्रीम हो रही है। सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव फिल्म मालेगांव के एक शौकिया फिल्ममेकर नासिर शेख की जिंदगी पर आधारित है। मालेगांव के लोग अपनी रोजमर्रा की मुश्किलों से राहत पाने के लिए बॉलीवुड सिनेमा का सहारा लेते हैं। ऐसे में नासिर तय करता है कि वो मालेगांव के लोगों के लिए, मालेगांव के लोगों के साथ मिलकर एक फिल्म बनाएगा। वो अपने दोस्तों के एक अनोखे और जुगाड़ू ग्रुप को साथ लेकर अपने सपने को सच करने निकल पड़ता है, और इसी के साथ मालेगांव जैसे छोटे शहर में भी एक नई जान आ जाती है। ये फिल्म न सिर्फ फिल्म बनाने की जद्दोजहद को दिखाती है, बल्कि दोस्ती की खूबसूरती को भी बखूबी बयां करती है। जब ये दोनों दुनिया एक-दूसरे से टकराती हैं, तो एक बेहद दिल छू लेने वाली और प्रेरणादायक कहानी सामने आती है। इस फिल्म को 49वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान स्टैंडिंग ओवेशन मिला था। साथ ही, 36वें पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में यंग सिनेस्ट्स अवॉर्ड कैटेगरी में स्पेशल मेंशन से नवाजा गया। इसके अलावा, फिल्म को ऑस्ट्रेलिया में आयोजित पहले नेशनल इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ ऑस्ट्रेलिया में बेस्ट फिल्म का सम्मान भी मिला। समीक्षकों ने इसे सपने देखने वालों की शानदार श्रद्धांजलि कहा है, और इसकी कहानी और जड़ों से जुड़े फिल्म बनाने के तरीके की असलियत की तारीफ की है। :: एजेंसी

मुझे प्यार हो जाए तो मंदिर में शादी कर लूं, बहुत खलता है जब लोग सवाल उठाते हैं : नुसरत भरूचा

'लव सेक्स और धोखा' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली नुसरत भरूचा को प्यार का पंचनामा और सोनू के टीटू की स्वीटी में काफी पसंद किया गया। मगर बहुत जल्द ही नुसरत जनहित में जारी है, अकेली और छोरी जैसी फिल्मों से महिला मुद्दों को आगे ले जाने वाली हीरोइन बन गई।

इन दिनों वह अपनी हॉरर फिल्म छोरी 2 को लेकर चर्चा में हैं, जो महिलाओं से जुड़ी कुरीतियों पर आधारित है। यहां नुसरत करियर, सोशल मीडिया, हॉरर जॉनर के अलावा महिला मुद्दों पर बेबाक होकर बात करती हैं। फिल्में में विविधरंगी भूमिकाएं हों या ओटीटी पर अजीब दास्तांस जैसी शॉर्ट फिल्में नुसरत भरूचा ने हर जगह अपने एक्टिंग टैलेंट का परिचय दिया। आज वह कई अन्य एक्ट्रेसेस की तरह नायिका प्रधान प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं। वह कहती हैं, आज अगर फीमेल अदाकाराएं लीक से हटकर भूमिकाएं कर रही हैं, तो इसका श्रेय मैं प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण, आलिया, श्रद्धा, विद्या बालन, परिणीति चोपड़ा, अनुष्का शर्मा सभी को दूंगी। जब द डर्टी पिक्चर आई थी, तब उसके ओपनिंग सीन को देख कर मुझे लगा कि बहुत बड़ा जिगर और हिम्मत चाहिए इस तरह के किरदार को करने के लिए। उस भूमिका को निभाकर उन्होंने सभी के लिए एक उदाहरण सेट कर दिया। उन्होंने हम एक्ट्रेसेस के लिए एक रास्ता खोला। नुसरत की फिल्में जनहित में जारी हो या अकेली या फिर फिल्म छोरी 2 हमेशा महिला मुद्दों की बात करती है, मगर उनको निजी तौर पर लड़की होने के नाते क्या बात परेशान करती है? इस सवाल पर वह कहती हैं, लड़की होने के नाते मुझे बहुत सारी बातें परेशान करती हैं, मगर मेरी जिंदगी की लड़ाई भी नहीं कह सकती मगर एक संघर्ष कहूं या फिर लगातार होने वाली बात है, जो मैं सालों से सुन रही हूं कि शादी कर लो, सेटल हो जाओ। गृहस्थी बसा लो। अब इस घर में मैं रह रही हूं। ये मेरा अपना घर है। मैं अपने पैरेंट्स की देखभाल कर ही रही हूं, तो ऐसा क्या है, जो मैं सेटल नहीं हूं। लोगों को को ऐसा क्यों लगता है कि मुझे शादी करके पति का घर संभाल कर उसकी चीजें करके ही सेटलमेंट का अहसास होगा। और उसी से सोसाइटी में लोगों को लगेगा कि सब ठीक है। अब ये सेटल है। वो जो लड़कियों को देखने वाल ऑप्टिक लेंस है, न मुझे उससे दिक्कत है।मैं शादी के खिलाफ नहीं हूं। अगर मुझे कल को कोई अच्छा लड़का मिल जाए, तो कल कर लूंगी। मुझे प्यार हो जाए, तो मैं मंदिर में जाकर शादी कर लूं। मगर जब लोग मुझसे कहते हैं, अभी तक शादी नहीं हुई?, अकेली रहती हो? अच्छा! ये नजरिया जो है, वो बहुत खलता है। आप जीवन में सफल हो, आत्मनिर्भर हो, मगर चूंकि आपने शादी नहीं की, तो आपको एक अलग दृष्टि से देखा जाएगा। मैं इस सोच को बदलना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि हम लड़कियों को शादी न करने की उनकी चॉइस पर भी स्वीकार करें। हम लड़कियां आज आगे बढ़ रही हैं, अच्छे पदों पर हैं, घर संभाल रही हैं, मगर आप हमें घर की रोजी-रोटी कमाने वाली का दर्जा नहीं देना चाहते। शादी मेरे अस्तित्व का सवाल नहीं होना चाहिए। आप जीवन में सफल हो, आत्मनिर्भर हो, मगर चूंकि आपने शादी नहीं की, तो आपको एक लग दृष्टि से देखा जाएगा। मैं इस सोच को बदलना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि हम लड़कियों को शादी न करने की उनकी चॉइस पर भी स्वीकार करें। इसमें कोई दो राय नहीं कि आज सोशल मीडिया हमारे लिए जितना जरूरी है, उतना ही हम उसके चंगुल में फंसकर धंसते जा रहे हैं। सोशल मीडिया के मुद्दे पर नुसरत कहती हैं, सच कहूं, तो हमने भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथा पर छोरी बनाई, मगर मुझे लगता है कि सालों बाद हम सोशल मीडिया के इविल प्रैक्टिस पर फिल्म बनाएंगे। हमने इसे बनाया है और अब ये हमारे लिए एक भस्मासुर की तरह हो गया है।

इंस्टाग्राम पर मैं बहुत ही दुखद चीजें सुनती रहती हूं कि लोग डिप्रेशन में हैं, अपनी जान लेना चाहते हैं। मतलब मैं क्या कहूं? कई इंटरव्यूज में मुझसे पूछा जाता है कि क्या मैं कमेंट्स पढ़ती हूं, तो कई बार पढ़ती हूं, वो इतने रैंडम होते हैं कि मुझे लगता है कि लोगों के पास कोई काम ही नहीं है। उनकी सोच सालों बाद भी कितनी ओछी है। मुझे डर लगता है कि आज अगर ऐसा है, तो ये सोशल मीडिया और इंटरनेट आगे कहां-कहां जाएगा? मैं तो नोकिया फोन लेना

नुसरत भरूचा इन दिनों वह अपनी हॉरर फिल्म छोरी 2 को लेकर चर्चा में हैं, जो महिलाओं से जुड़ी कुरीतियों पर आधारित है। यहां नुसरत करियर, सोशल मीडिया, हॉरर जॉनर के अलावा महिला मुद्दों पर बेबाक होकर बात करती हैं। फिल्में में विविधरंगी भूमिकाएं हों या ओटीटी पर अजीब दास्तांस जैसी शॉर्ट फिल्में नुसरत भरूचा ने हर जगह अपने एक्टिंग टैलेंट का परिचय दिया।

चाहूंगी, जिसका इस्तेमाल सिर्फ फोन करने के लिए किया जाता था। मगर क्या कहूं, आज मैं खुद वायरिज्म (इंटरनेट) का हिस्सा हूं। मैंने सालों पहले एलएसडी (लव सेक्स और धोखा) जैसे फिल्म की थी, जो इंटरनेट के शिकार पर आधारित थी और आज तो हम हद पार करते जा रहे हैं।

नुसरत का मानना है कि बीते सालों में हॉरर फिल्में री-डिफाइन हुई हैं। वह कहती हैं, शुरुआत में जब मुझे हॉरर फिल्में ऑफर होती थीं, तब हॉरेक्स (हॉरर और सेक्स का मिश्रण) वो मेरी समझ से परे था, क्योंकि आप उस तरह की फिल्मों को परिवार के साथ मिलकर तो देख ही नहीं पाएंगे। इस कारण कहीं न कहीं बॉलीवुड में हॉरर फिल्मों को सस्ता समझा जाने लगा। मुझे याद है, मैंने रेवती मैम (एक्ट्रेस) की रात देखी थी। मैं इस कदर डर गई थी कि क्या बताऊं? उर्मिला मैम (उर्मिला मातोंडकर) की भूत होने दें या माधुरी मैम (माधुरी दीक्षित) की 100 डे?, इन सभी फिल्मों ने हॉरर का एक स्तर बनाया, मगर फिर पता नहीं कहां हम रास्ता भटक गए। उसके बाद जिस तरह की हॉरर फिल्में बनने लगीं, उसमें सच कहूं, तो उसमें मुझे इतनी रुचि नहीं रही। फिर हॉरर का एक नया दौर आया।

छोरी वन ने उसमें पहल की थी। जब मैंने छोरी वन में काम किया, तो सभी ने मुझसे कहा कि मैं हॉरर फिल्म में काम क्यों कर रही हूं? मेरा यही टेक था कि कुछ अलग करना है। बीते 4-5 सालों में हॉरर-कॉमेडी के जरिए दर्शकों ने इस जॉनर को स्वीकार किया है। अब हॉरर में दंतकथाएं या किसी तरह का संदेश भले ही वो किसी क्रीचर या भेड़िया के जरिए दिया जा रहा हो, बन रही हैं। मैंने सुना है कि अब जल्द ही वैंपायर हॉरर होने वाली है। सभी ने मुझसे कहा कि मैं हॉरर फिल्म में काम क्यों कर रही हूं? मेरा यही टेक था कि कुछ अलग करना है। बीते 4-5 सालों में हॉरर-कॉमेडी के जरिए दर्शकों ने इस जॉनर को स्वीकार किया है। हॉरर फिल्मों का हिस्सा होने के नाते क्या आपने कभी भूत-प्रेत जैसा कोई अनुभव या फिर नेगेटिव एनर्जी महसूस की है? इस सवाल पर वह कहती हैं, मैं जब मंदिर जाती हूं या नमाज पढ़ती हूं, तो मुझे एक दिव्य और कनेक्शन वाला अहसास होता है। मुझे याद है, जब मैं केदारनाथ में थी, तो ऊपर जाकर हालांकि बहुत शोर था, मगर मुझे सिर्फ हवा की आवाज आ रही थी। उस वक्त मुझे अहसास हुआ कि एक हायर पावर से मेरा रूहानी रिश्ता स्थापित हुआ। :: नेशनल डेस्क

गर्मी में बार-बार पीते हैं नींबू पानी, तो हो सकते हैं ये गम्भीर नुकसान

गर्मी के मौसम में हम सभी ऐसी चीजें खाना और पीना पसंद करते हैं, जो शरीर को ठंडा रखें और लू या डिहाइड्रेशन से बचा सकें।

ऐसे में नींबू पानी एक बेहद लोकप्रिय और पसंदीदा पेय बन जाता है। यह न सिर्फप्यास बुझाता है, बल्कि शरीर को इंस्टेंट एनर्जी भी देता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर नींबू पानी का ज्यादा सेवन किया जाए तो यह सेहत के लिए हानिकारक भी हो सकता है? आइए जानते हैं कि नींबू पानी को जरूरत से ज्यादा पीने से क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं। गर्मी में शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। प्यास बुझाता है और शरीर को हाइड्रेट

करता है। शरीर को तुरंत एनर्जी देता है, विटामिन बी का अच्छा स्रोत होता है, पाचन को सुधारता है और त्वचा को निखारता है। हालांकि, जब इसे जरूरत से ज्यादा पीया जाता है, तो इसके फायदे नुकसान में बदल सकते हैं। नींबू में प्राकृतिक तौर पर एसिडिक गुण पाए जाते हैं। जब आप ज्यादा मात्रा में नींबू पानी पीते हैं, तो यह आपके पेट में एसिड को बढ़ा सकता है। इसका नतीजा होता है सीने में जलन, जिसे हम हार्टबर्न भी कहते हैं। नींबू पानी को सीमित मात्रा में पिएं और खाली पेट न लें। नींबू पानी का ज्यादा सेवन करने से शरीर में पोटेशियम का स्तर गिर सकता है। पोटेशियम की कमी से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जैसे थकान, मांसपेशियों में कमजोर, माइग्रेन या सिर दर्द की समस्या, नींबू पानी के साथ संतुलित आहार लें जिसमें पोटेशियम की पर्याप्त मात्रा हो। नींबू में ऑक्सलेट नामक तत्व पाया जाता है, जो ज्यादा मात्रा में किडनी में जाकर पथरी (स्टोन) बना सकता है। खासकर वे लोग जो पहले से ही किडनी की समस्या से जूझ रहे हैं, उन्हें नींबू पानी का अत्यधिक सेवन नहीं करना चाहिए। नींबू पानी कभी-कभार पिएं और खूब सादा पानी पिएं ताकि किडनी साफरहे। कई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि नींबू का अत्यधिक सेवन शरीर से कैल्शियम का अवशोषण घटा सकता है। जिससे लंबे समय में हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। नींबू पानी के साथ कैल्शियम युक्त चीजें जैसे दूध, दही आदि भी अपनी डाइट में शामिल करें। नींबू पानी गर्मियों में एक बेहतरीन ड्रिंक है, जो शरीर को राहत, ठंडक और ऊर्जा देता है। लेकिन याद रखें, किसी भी चीज का ज्यादा सेवन नुकसानदायक हो सकता है। :: लोकल डेस्क

कुणाल कामरा को कोर्ट से राहत, नहीं होगी गिरफ्तारी

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नाम लिए बगैर उन पर की गई टिप्पणी मामले में स्टैंड-अप कमीडियन कुणाल कामरा को बॉम्बे हाई कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने कामरा की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई पुलिस को आदेश दिया कि उनके 'गद्दार' कमेंट को लेकर उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर मामले में गिरफ्तार न किया जाए। इसके साथ ही कोर्ट से मुंबई पुलिस को चेन्नई में कुणाल कामरा से पूछताछ की अनुमति भी मिली है। अब मुंबई पुलिस चेन्नई जाकर स्थानीय पुलिस की मदद से कामरा का बयान दर्ज करेगी। :: एजेंसी

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

डॉ. कस्तूरीरंगन का

के रूप में सेवाएं दीं। 27 अगस्त 2003 को सेवानिवृत्ति से पहले वे भारतीय अंतरिक्ष आयोग के चेयरमैन और भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के सचिव के रूप में भी कार्यरत थे। डॉ. कस्तूरीरंगन के कार्यकाल के दौरान भारत ने पीएसएलवी (ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान) का सफल प्रक्षेपण किया जो इसरो की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक रहा। उनके मार्गदर्शन में ही भारत ने जीएसएलवी (जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) का पहला सफल उड़ान परीक्षण भी पूरा किया। उनके नेतृत्व में आईएनएसएटी-2 सीरीज और आारएस-1सी तथा 1डी जैसे उन्नत सैटेलाइट्स का विकास हुआ जिसने भारत को वैश्विक अंतरिक्ष मानचित्र पर मजबूती से खड़ा किया। ये उपग्रह देश के संचार, मौसम पूर्वानुमान और कृषि सर्वेक्षण जैसे क्षेत्रों के लिए बेहद अहम साबित हुए। इसरो के अध्यक्ष बनने से पहले डॉ. कस्तूरीरंगन इसरो सैटेलाइट सेंटर के निदेशक थे। इस भूमिका में उन्होंने आईएनएसएटी-2 और आईआरएस-1। तथा 1बी जैसे उपग्रहों के निर्माण और लॉन्चिंग में अहम भूमिका निभाई। उनके निधन से न केवल इसरो बल्कि पूरा वैज्ञानिक जगत शोक में डूबा है। डॉ. कस्तूरीरंगन की सोच और विज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान आज भी देश को प्रेरित करता है। उन्होंने विज्ञान और टेक्नोलॉजी को जनहित से जोड़ा और भारत को स्पेस टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए।

सीएम योगी ने

में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई! आप सभी ने अपने अथक परिश्रम, अनुशासन और दृढ निश्चय से यह सफलता प्राप्त की है। यह उपलब्धि आपके अभिभावक एवं गुरुजनों को गौरवान्वित करने वाली है। आप सभी को उज्ज्वल भविष्य हेतु अनंत शुभकामनाएं!

पाकिस्तानियों को खोजो

पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा को एक पत्र के जरिए भारत सरकार के इस फैसले की जानकारी दी है।

आसमान से मकान

और हालात का जायजा ले रहे हैं। प्रशासन ने इस रहस्यमयी वस्तु की जांच शुरू कर दी है। वहीं लोगों के बीच इस घटना को लेकर दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों द्वारा इस घटना को पहलगाम में हुई घटना के बाद युद्ध से जोड़ने की बात भी कही जा रही है। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि जिले के पिछोर अनुविभाग में बस्ती के एक मकान के ऊपर दोपहर लगभग 12 बजे आसमान से गोला आकर गिरा, जिससे स्थानीय निवासी मनोज सागर का मकान टूट गया और वो गोला जमीन में लगभग 10 फुट नीचे गड्ढ़ा करते हुए चला गया। हादसे में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि ग्वालियर स्थित वायुसेना की छावनी को इस बारे में सूचना दे दी गई है। वहां से एक टीम पिछोर के लिए रवाना हो गई है, जिसके यहां पहुंचने पर विस्तृत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। बताया जा रहा है कि शिवपुरी के पास स्थित भारतीय सेना की फील्ड फायरिंग क्षेत्र में कई बार सेना का अभ्यास चलता रहता है। ऐसे में इस अज्ञात वस्तु के वहां से यहां तक आने की भी आशंकाएं जताई जा रही हैं।

सालों साल होती

की तैयारी करते हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज हमें कहते हुए गर्व है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में गौरवशाली और शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है। विकसित भारत के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा बार-बार होने वाले चुनाव है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत प्राचीन और महान राष्ट्र है। अटल जी का एआई के माध्यम से जो संदेश दिया गया, वो मुझे अच्छा नहीं लगा। भारत भूमि का बच्चा आज कहता है धर्म की जय हो, अधर्म का नाश विश्व का कल्याण हो। हम ही कहते हैं सर्वे भवन्तु सुखिना शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज जितने काम हम कर रहे उनकी बुनियाद उन्होंने रखी है। अटल जी ने कहा था एक देश में दो विधान दो निशान नहीं चलेंगे। हम किसी को छेड़ेंगे नहीं, अगर किसी ने हमें छेड़ा तो हम छोड़ेंगे नहीं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लखनऊ श्रद्धेय अटल जी की कर्मभूमि है।उनकी वाणी में ओज था, सरस्वती उनकी जिह्वा पर विराजती थीं।रिटायर्ड जस्टिस रंगनाथ पांडे ने कहा कि प्रारंभ में 1952 से 3 चुनाव एक साथ होते रहे हैं, लेकिन 1967 के बाद से अलग-अलग चुनाव होते हैं। जब 2014 में प्रधानमंत्री मोदी गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने कहा था कि एक राष्ट्र एक चुनाव से तमाम परेशानियों से देश को बचाया जा सकता है। देश के संसाधनों को बचाने के लिए यह आवश्यक है कि एक देश एक चुनाव हो। रिटायर्ड जस्टिस रंगनाथ पांडे ने कहा कि एक देश एक चुनाव हमारे लिए जरूरी इसलिए भी है क्योंकि हम एक कल्याणकारी राष्ट्र में रह रहे हैं। हमें वह सभी काम करने हैं जो देश के कल्याण के लिए जरूरी हो। एक देश एक चुनाव की जो परिकल्पना है वह उसे डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के द्वारा अपेक्षा की गई थी। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि आचार संहिता के कारण लंबे समय तक विकास की गति प्रभावित होती है। एक राष्ट्र, एक चुनाव होगा तो देश के विकास की गति तेजी से आगे बढ़ सकती है। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि हम लोग लगातार चुनाव में व्यस्त रहते हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम के तुरंत बाद हमें हरियाणा और जम्मू कश्मीर के चुनाव की तैयारी करनी पड़ी। फिर झारखंड का चुनाव उसके बाद महाराष्ट्र का चुनाव और अब जाकर दिल्ली का चुनाव हुआ है। लगातार हम सब लोग चुनावी मोड में रहते हैं। उसके कारण देश के संसाधनों की भी हानि होती है। साधन भी लगता है, समय भी लगता है।कहीं ना कहीं हम सब लोग चुनाव के मोड में रहते हैं।

संकट की घड़ी

वर्मा सहित कई अन्य होमबायर्स ने संकल्प, एकजुटता और सतत प्रयास के साथ इसको महत्वपूर्ण दिशा देने में अपनी भूमिका निभाई। जिनकी मेहनत और समर्पण ने आज हजारों परिवारों को न्याय की उम्मीद दी है।

अटल पेंशन योजना में उत्तर प्रदेश नंबर वन

लखनऊ, चसं। सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश न केवल विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है बल्कि सामाजिक सुरक्षा और समावेशी विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को धरातल पर उतारने में यूपी आज अन्य राज्यों के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरा है। उत्तर प्रदेश ने अटल पेंशन योजना एपीवाई के तहत एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। योजना के तहत राज्य ने अबतक 1 करोड़ 20 लाख लोगों को नामांकित कर लिया है, जो देश में सर्वाधिक है। यह आंकड़ा केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को धरातल पर उतारने में योगी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को मिशन मोड में लागू करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अटल पेंशन योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया है। उनके नेतृत्व में न केवल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में योजना का प्रचार-प्रसार किया गया, बल्कि बैंकों और अन्य स्टेक होल्डर्स को भी इस अभियान से जोड़ा गया। यूपी ने योजना के तहत बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बैंकों और अन्य स्टेक होल्डर्स को पुरस्कृत किया। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी पीएफआरडीए द्वारा आयोजित एक विशेष अभियान में भी उत्तर प्रदेश ने बीते वित्तीय वर्ष में 15.83 लाख नामांकन लक्ष्य के सापेक्ष 21.49 लाख नामांकन के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी एसएलबीसी को श्अवार्ड ऑफअल्टीमेट लीडरशिपश् से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से न केवल अटल पेंशन योजना जैसी योजनाओं को गति मिली है, बल्कि प्रदेश की जनता को भविष्य में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में भी एक ठोस कदम उठाया गया है। सीएम योगी की यह पहल उन लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है, जो असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत हैं और जिनके पास रिटायरमेंट के बाद आय का स्थायी स्रोत नहीं होता।अटल पेंशन योजना भारत सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजना है, जो 2015 में शुरू की गई थी, ताकि असंगठित क्षेत्र के 18 से 40 वर्ष के भारतीय नागरिकों को रिटायरमेंट के बाद 1,000 से 5,000 रुपये मासिक पेंशन प्रदान की जा सके। इसमें मासिक, त्रैमासिक या अर्धवार्षिक आधार पर छोटी राशि जमा करनी होती है, जो बैंक खाते से स्वचालित रूप से डेबिट होती है। कम उम्र में शुरू करने पर योगदान कम होता है। यदि खाताधारक की मृत्यु हो जाए तो पेंशन जीवनसाथी को मिलती है और दोनों की मृत्यु के बाद जमा राशि नामांकित व्यक्ति को दी जाती है। इसके लिए आवेदन बैंक, डाकघर या ऑनलाइन किया जा सकता है।

पाकिस्तान के खिलाफ मुस्लिमों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, चसं। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी घटना में 28 लोगों के मारे जाने का शिया और सुन्नी धर्मगुरुओं ने जबरदस्त विरोध किया। शुक्रवार को नमाज के बाद नमाजियों ने पाकिस्तान और आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे लगाए। पाकिस्तान का झंडा जलाया। चौक के सर्राफा व्यापारियों ने दुकानें बंद रखीं। लखनऊ में जुमा की नमाज में टीले वाली मस्जिद पर काली पट्टी बांधकर नमाजी पहुंचे। टीले वाली मस्जिद और इमामबाड़ा के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रही। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि ये वक्त है सरकार कड़ा कदम उठाए और आतंकियों को समाप्त करें। पहलगाम में जो घटना हुई है इसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। यह सीधे तौर पर मानवता की हत्या है। कश्मीर जहां पर लोग अपने परिवार के साथ खुशियां मनाने गए थे।मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि पाकिस्तान की साजिश का तोड़ यही है कि हम सब लोग आपस में मिल कर रहें। हमारे बीच में कोई भी विवाद पैदा ना। इस बात की जांच होनी चाहिए कि कश्मीर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस और फोर्स होती है, मगर जहां इतनी भीड़ थी वहां फोर्स क्यों नहीं थी? इसके लिए कश्मीरी हुकूमत से जवाब तलब किया जाए,जो जिम्मेदार है, वह बताएं की सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं थी? डेढ़ घंटे तक गोलियां चलती रही पुलिस कहां थी? कोई मदद के लिए क्यों नहीं आया? दो शिया नौजवानों की भी इसमें मौत हुई है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि पहलगाम में मरने वालों के गम में हम बराबर शामिल हैं। हम भी हिंदू मुस्लिम भाई-भाई का नारा बुलंद करते हैं। कश्मीर वाले भी यह नारा लगा रहे हैं, जो इस नारे के खिलाफ है वह अमेरिका-इजराइल का एजेंट है। कट्टरपंथी लोगों से हमारी अपील है कि गाजा में मरने वालों के लिए खुशी ना मनाया करें। हिंदू भाइयों का धर्म यह कहता है कि एक मच्छर को भी आप नहीं मार सकते, फिर बच्चों की मौत पर जो खुशी मनाते हैं वह कट्टरपंथी हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

गांवों की गोद में पर्यटन का आनन्द ले सकेंगे पर्यटक

श्रृंगवेरपुर, जैत, कछपुरा, भावंत बन रहे ग्रामीण पर्यटन के आदर्श मॉडल : जयवीर सिंह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब पर्यटन केवल ताजमहल, काशी प्रयागराज या अयोध्या तक सीमित नहीं रहा। प्रदेश सरकार ने राज्य के ग्रामीण अंचलों को भी पर्यटन के नक्शे पर लाने की दिशा में बड़ी पहल की है।

पर्यटन विभाग ने 234 गांवों को पर्यटक ग्राम के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना शुरू की गई है, प्रयागराज का श्रृंगवेरपुर, मथुरा का जैत, आगरा का कछपुरा और मैनपुरी का भावंत गांव पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार है, जबकि 30 अन्य गांव परियोजना के अंतिम चरण में लिये जायेगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इन गांवों को 'एग्री-रूरल और गंगेय ग्राम ग्रामीण पर्यटन परियोजना' के अंतर्गत संवारा गया है। यहां पर्यटक न सिर्फ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण करते हैं, बल्कि ग्रामीण जीवनशैली का अनुभव करते हैं। सरकारी प्रयासों का मकसद पर्यटन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ना, स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। उत्तर प्रदेश के गांवों की गोद में अब पर्यटन नया आकार ले रहा है। गांवों में पर्यटकों को ठहरने से लेकर ग्रामीण जीवन को नजदीक से अनुभव करने की पूरी तैयारी है। यहां अच्छी सुविधाओं से सुसज्जित होम स्टे, फार्म स्टे उपलब्ध हैं।

पर्यटक तुलनात्मक रूप से कम किराए में इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। गांवों की विशिष्टता और भौगोलिक स्थिति के हिसाब से वहां स्थानीय भोजन, मिट्टी के बर्तन बनाने, नौकायन, स्थानीय पोशाक और हस्तशिल्प का अनुभव ले रहे हैं। राज्य में पर्यटन विभाग के प्रयासों से गांव अब केवल खेती या परंपरा के प्रतीक नहीं रहे। ग्रामीण पर्यटन एक नया विकास मॉडल बनकर उभरा है, आजीविका, आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान का संवाहक बनता जा रहा है। विभाग की पहल से एक तरफ जहां ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है, वहीं स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। सरकार का उद्देश्य है कि पर्यटन के माध्यम से गांवों को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए।प्रयागराज जिला स्थित श्रृंगवेरपुर वह ऐतिहासिक स्थल है, जहां भगवान श्रीराम ने निषादराज को गले लगाकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया था।

रामायण काल से जुड़ा स्थल श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। गांव के समीप सिंगरौर उपरहार में स्थित श्री राम घाट, श्रृंगी ॠषि आश्रम, निषादराज के किले के अवशेष, संस्कृत महाविद्यालय और राम शयन स्थल जैसे दर्शनीय स्थल इस क्षेत्र की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाते हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित निषादराज किले के अवशेष आज भी उस काल की गौरव गाथा को संजोए हुए हैं। यह क्षेत्र न केवल धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनता जा रहा है, बल्कि भारतीय संस्कृति और लोककथाओं की जीवंत परंपरा को भी सहेज रहा है। मथुरा के जैत गांव में लोक कथाएं आज भी मिट्टी की सोंधी खुशबू में घुली हुई हैं। यहां के कालिया नाग मंदिर से जुड़ी पौराणिक गाथाएं जब स्थानीय गाइडों की जुबानी सुनाई जाती हैं। यहां

- **सरकारी प्रयासों का मकसद पर्यटन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ना, स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है**
- **गांवों में पर्यटकों को ठहरने से लेकर ग्रामीण जीवन को नजदीक से अनुभव करने की पूरी तैयारी**

आने वाले पर्यटक सिर्फइतिहास से नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवनशैली से भी जुड़ने का मौका पाते हैं। मथुरा का परसौली गाँव को भी पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो प्रसिद्द कवि सूरदास जी की जन्मस्थली होने के नाते विख्यात है। मैनपुरी का भावत गांव मिट्टी, मंदिर और लोक जीवन की सजीव झलक पेश करता है।

भांवत में प्रकृति, परंपरा और पूजा एक साथ मिलती हैं। यहां जाखदर महादेव मंदिर का शांत वातावरण और गांव के कुम्हारों के साथ खुद चाक पर मिट्टी गढ़ने का अनुभव, तरकशी कला को करीब से देखने का अनुभव एवं पर्यटकों को शहर की आपाधापी से दूर ले जाकर जीवन के असली रंगों से मिलाता है।

वाद्य यंत्र खरीद में शासकीय धन का दुरूपयोग, अनियमितता पर सहायक निदेशक संस्कृति डॉ. राजेश अहिरवार व वैयक्तिक सहायक कुलदीप सिंह सस्पेंड : विशेष सचिव संस्कृति की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय समिति की जांच रिपोर्ट में ग्रामसभाओं में वितरित किये जाने वाले वाद्य यंत्रों के खरीद में एवं शासकीय धन का दुरूपयोग तथा अधोमानक गुणवत्ता पाये जाने पर संस्कृति निदेशालय के सहायक निदेशक डॉ राजेश अहिरवार तथा वैयक्तिक सहायक संस्कृति निदेशालय कुलदीप सिंह को दोषी पाये जाने पर तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए इन दोनो के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही प्रस्तावित कर दी गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वाद्य यंत्रों के खरीद के सम्बंध में जांच समिति की आख्या को देखते हुए प्रथम दृष्टया पाया गया कि डॉ राजेश अहिरवार सहायक निदेशक एवं वैयक्तिक सहायक कुलदीप सिंह भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितता एवं खरीद प्रक्रिया में अनियमितता बरतने के दोषी पाए गए। दोनों कर्मियों ने अपर निदेशक संस्कृति निदेशालय द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन नहीं किया, जिससे वाद्य यंत्रों की दर का निर्धारण करने का आधार न होने के कारण वाद्य यंत्र अत्यधिक ऊँचे दर पर क्रय किया गया, जिससे शासकीय धनराशि का दुरूपयोग हुआ।पर्यटन मंत्री ने बताया कि आपूर्ति की गई सामग्री का भौतिक सत्यापन नहीं कराया गया, जिससे आपूर्ति किये गए वाद्य यंत्रों की गुणवत्ता भी मानक के अनुरूप नहीं की जा सकी।

राज्य सरकार भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है। भ्रष्टाचार में लिप्त होने तथा वित्तीय अनियमितता, उदासीनता एवं लापरवाही तथा शासकीय धन का दुरूपयोग करने पर दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।संस्कृति निदेशालय के दोनों कर्मियों के निलम्बन आदेश 24 अप्रैल को प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश मेश्राम ने जारी कर दिये गये हैं। निलम्बन अवधि में डॉ राजेश अहिरवार संस्कृति निदेशालय से सम्बद्ध रहेंगे।

देश-विदेश डायरी

थाईलैंड में दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान 6 पुलिस जवानों की गई जान

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के एक समुद्र तट के पास पुलिस का एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी छह लोग जान गंवा बैठे। अधिकारियों ने जानकारी दी कि यह हादसा हुआ हिन जिले में हुआ, जहां विमान पैराशूट प्रशिक्षण के लिए परीक्षण उड़ान पर था। घटना सुबह करीब आठ बजे के आसपास हुई। रॉयल थाई पुलिस के प्रवक्ता अर्चायोन क्रेथोंग के अनुसार, विमान का मॉडल अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन घटनास्थल से मिली तस्वीरों में वाइकिंग डीएचसी-6 ट्विन ओटर विमान नजर आ रहा है। यह विमान हुआ हिन हवाई अड्डे के पास समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। तस्वीरों में विमान तट से लगभग 100 मीटर की दूरी पर समुद्र में तैरता और दो टुकड़ों में टूटा हुआ दिखाई दे रहा था। अधिकारियों ने बताया कि विमान में सवार सभी छह लोग पुलिस अधिकारी थे। दुर्घटना के बाद पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। हादसे के कारण का अभी तक पता नहीं चल सका है, लेकिन पुलिस ने विमान के ब्लैक बॉक्स से डाटा और अन्य साक्ष्य जुटाने की कोशिश शुरू कर दी है।

पाकिस्तान करता है गंदा काम, आतंकवाद पर रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफने स्वीकारा सच

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफने स्वीकार किया कि उनका देश आतंकवाद का समर्थन करता रहा है। एक इंटरव्यू के वायरल क्लिप में उन्हें कहते सुना जा सकता है कि पाकिस्तान पश्चिम के लिए दशकों से गंदा काम करता रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आसिफने यह हैरान करने वाला बयान स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान दिया। आतंकियों ने मंगलवार 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल-पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर अंधाधुंध गोलियां चला दी थीं। हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इस हमले के बाद भारत-पाक के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया। वायरल वीडियो क्लिप में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री स्काई न्यूज की यल्दा हकीम से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। वह उनसे पूछती हैं, लेकिन आप मानते हैं, आप मानते हैं, महोदय, कि पाकिस्तान का इन आतंकवादी संगठनों को समर्थन, ट्रेनिंग और फंडिंग का एक लंबा इतिहास रहा है? ख्वाजा आसिफने अपने जवाब में कहा, हम करीब तीन दशक से अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं...यह एक गलती थी और हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी, इसीलिए आप मुझसे यह कह रही हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफयुद्ध में और 9੮11 के बाद की जंग में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।इंटरव्यू में आसिफने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए नयी दिल्ली की आलोचना की। 22 अप्रैल के क्रूर आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफकई कूटनीतिक कदम उठाए हैं। भारत ने पाकिस्तान के साथ 1960 के सिंधु जल समझौते को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने, अटारी इंटिग्रेटेड चेक पोस्ट को बंद करने, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने, जैसे कई कदम उठाए हैं।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आतंकवादी हमला

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में शुक्रवार को एक बम विस्फोट हुआ। यह विस्फोट सुरक्षाकर्मियों को लेकर जा रहे एक वाहन के पास हुआ, जिसमें चार जवानों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी। स्थानीय पुलिस प्रमुख नवीद अहमद के अनुसार, यह हमला बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में हुआ। हालांकि, किसी भी समूह ने इस बम विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन जातीय बलूच अलगाववादियों पर संदेह जताया जा रहा है। ये अलगाववादी समूह अक्सर बलूचिस्तान और पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में सुरक्षा बलों और नागरिकों को निशाना बनाते हैं। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने बम विस्फोट की निंदा की और देश में शांति स्थापित करने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सुरक्षा बलों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले एक और बम विस्फोट बलूचिस्तान के कलात जिले में हुआ था, जिसमें एक वाहन में सवार तीन लोगों की मौत हो गई थी। यह हमला रात में हुआ था और इस हमले की भी अब तक किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। बलूचिस्तान, पाकिस्तान का एक ऐसा इलाका है, जहां लंबे समय से उग्रवाद की समस्या बनी हुई है।

सड़क निर्माण में एफडीआर तकनीक अपनाने वाला यूपी अग्रणी राज्य

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत नई तकनीक एफडीआर के अन्तर्गत निर्मित मार्गो की मॉनिटरिंग हेतु उत्तम पोर्टल को विकसित किया गया है। उत्तम पोर्टल के परफार्मेन्स के मूल्यांकन के पश्चात् ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, उत्तम पोर्टल को सम्पूर्ण भारत में पैन इण्डिया बेसिस पर लागू किये जाने हेतु अग्रसर है जो कि एक बड़ी उपलब्धि है।पीएमजीएसवाई के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश एफ्डीआर तकनीक को अपनाने में अग्रणी राज्य रहा है तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में 19 राज्यों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण हैण्ड होल्डिंग भी किया जा चुका है।उत्तर प्रदेश में नई तकनीक एफ्डीआर में 5860 किमी मार्गो का निर्माण कराया जा रहा है। इस तकनीक को अपना कर उत्तर प्रदेश में पीएमजीएसवाई की सड़कों के निर्माण में 1045.82 करोड़ रूपये की धनराशि की बचत किये जाने के साथ-साथ 90 लाख घनमी एवं 700 लाख लीटर डीजल की बचत करते हुए पर्यावरण को संरक्षित किया जा रहा है, जो स्वयं में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।यूपी आरआरडीए के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह ने बताया कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा पीएमजीएसवाई-4 की शुरुआत की गयी है, जिसकी गाईडलाइन के अनुसार वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार आकांक्षात्मक जनपदों और आकांक्षात्मक विकास खण्डों में 250 प्लस आबादी एवं शेष अन्य क्षेत्रों में 500 प्लस आबादी की अनजुड़ी बसावटों सर्वॠतु सम्पर्क मार्गो से जोड़ा जाना है। ग्राम सड़क सर्वेक्षण एप्लिकेशन का उपयोग करते हुये अनजुड़ी बसावटों का सर्वेक्षण किया जा रहा है, जिसमें 14800 बस्तियाँ सम्मिलित हैं।

डिप्टी सीएम ने हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को दी बधाई : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की 10वीं एवं 12वीं परीक्षाओं में सफ्लता की ऊँचाइयों को छूने वाले मेधावी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। उन्होने 12वीं में प्रयागराज की बिटिया महक जायसवाल तथा 10वीं में जालौन के बेटे यश प्रताप सिंह को उत्तर प्रदेश में अव्वल आने व मेरिट सूची में उच्च स्थान पाने वाले छात्र,छात्राओं को बधाई देते हुए कहा है कि यह उनके विशेष प्रयासों ,गुरुजनों के प्रेरक मार्गदर्शन व अभिभावकों के अपने नौनिहालों के प्रति चेतना का प्रतिफ्ल है। विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम और अनुशासन से जो सफ्लता प्राप्त की है, वह उनके परिवार व शिक्षकों के लिए भी सम्मान व गौरव की बात है।किन्हीं कारणों से असफ्ल विद्यार्थियों को अपना सन्देश देते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि वह कतई निराश न हों, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती, फ्रि प्रयास करें, सफ्लता उनके कदम चूमेगी।

भारतीय विदेश सेवा के 10 अधिकारी उत्तर प्रदेश पर्यटन निदेशालय में सम्मानित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। पर्यटन को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों के अनतर्गत 2009 बैच के भारतीय विदेश सेवा आईएफ्एस के दस अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज पर्यटन निदेशालय, लखनऊ का दौरा किया।

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य परस्पर जानकारी साझा करना और रणनीतिक संवाद को बढ़ावा देना था। यह कार्यक्रम राज्य की पर्यटन नीति को और प्रभावी बनाने तथा जिम्मेदार पर्यटन उपायों को सम्मिलित करने के प्रयास के रूप में आयोजित किया गया।उत्तर प्रदेश पर्यटन निदेशालय में अधिकारियों का स्वागत और सम्मान किया गया।

पर्यटन निदेशक प्रखर मिश्रा और यूपी राज्य पर्यटन विकास निगम यूपीएसटीडीसी की प्रबंध निदेशक सान्या छाबड़ा ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में उत्तर प्रदेश के समृद्ध और विविध पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र की जानकारी दी गई, जिसमें 12 मेगा पर्यटन सर्किट व ईको टूरिज्म स्थलों को प्रमुखता दी गई। इन स्थलों में विशाल संभावनाओं का उल्लेख भी किया गया। अधिकारियों को इन स्थलों पर चल रही पहलों, विकास और उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराया गया। इस दौरान यह भी बताया गया कि पर्यटन राज्य में आजीविका को बढ़ावा देने और पर्यावरण के प्रति जागरूक यात्रियों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।अधिकारियों को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों, उपलब्ध सुविधाओं, चल रही पहलों और विकास कार्यों

- **समृद्ध विरासत एवं प्राकृतिक संपदा को विश्व के मानचित्र पर प्रचारित करने में भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका : जयवीर सिंह**

की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि वे इन जानकारियों का उपयोग विभिन्न देशों में उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थलों को प्रचारित करने और राज्य की ओर इनबाउंड टूरिज्म को प्रोत्साहित करने के लिए कर सकते हैं। चर्चा में यह भी रेखांकित किया गया कि राज्य का पर्यटन न केवल आजीविका को बढ़ावा देता है, बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूक पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।प्रस्तुति के बाद एक विस्तृत विचार-विमर्श हुआ, जिसमें एकीकृत योजना और विभागीय समन्वय के माध्यम से राज्य के पर्यटन स्थलों को और अधिक आकर्षक और सुगम बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। विभिन्न देशों में कार्यरत अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए पर्यटक अनुभव को समृद्ध बनाने के लिए नवाचारों पर सुझाव दिए। एक सुझाव यह था कि उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थलों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रचारित किया जाए, और इसके लिए लक्षित रणनीतियाँ अपनाई जाएं। इनमें प्रभावशाली ट्रैवल इंफ्लुएंसर्स, ब्लॉगर्स तथा मीडिया प्रोफेशनल्स की पहचान कर उनके लिए फैम ट्रिप्स आयोजित करवाना भी सम्मिलित था, ताकि वे राज्य की प्राकृतिक विरासत का अनुभव कर सकें और डिजिटल माध्यम से उसे प्रभावी ढंग से विश्व पटल पर प्रस्तुत कर सकें। पर्यटन विभाग ने अधिकारियों के सुझावों की सराहना की। यह सहमति बनी कि सहयोगात्मक प्रचार अभियानों और कंटेंट-आधारित प्रचार से उत्तर प्रदेश को एक प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा, ÷उत्तर प्रदेश अद्वितीय सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक संपदा के साथ एक वैश्विक स्तर पर सराहा जाने वाला पर्यटन स्थल बन रहा है। मैं आईएफ्एस अधिकारियों द्वारा दिए गए बहुमूल्य सुझावों की सराहना एवं स्वागत किया जाना चाहिए और आशा है कि ये विचार ठोस पहलों में परिवर्तित होंगे। हमारी सरकार जिम्मेदार और समावेशी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो हमारी विरासत को विश्वपटल पर प्रदर्शित करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाता है और पर्यावरण की रक्षा करता है।

यूपी में भीषण गर्मी में भी नहीं होगा पेयजल संकट

लखनऊ, चसं। भीषण गर्मी में भी प्रदेश में पेयजल का संकट नहीं होने पाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश है कि एक एक ग्रामीण परिवार को निरन्तर एवं निर्बाध रूप से शुद्ध पेयजल आपूर्ति कराई जाए। 24 घंटे अलर्ट मोड में रहने का निर्देश भी जारी किया गया है। जल आपूर्ति के लिए मण्डलायुक्त अपने स्तर पर बैठक कर आवश्यक कार्यवाही कराएंगे। शासन की ओर से जिलाधिकारियों को पत्र भेजा गया है।उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले परिवारों को निरंतर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कमर कस ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उद्देश्य है कि प्रदेश के किसी भी ग्रामीण क्षेत्र में पानी की कमी या संकट की स्थिति न उत्पन्न हो। मण्डलायुक्तों को अपने स्तर पर बैठकें कर पेयजल आपूर्ति की सतत निगरानी और त्वरित समाधान की जिम्मेदारी दी गई है। तहसील, थाना,अस्पताल, आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी पेयजल की व्यवस्था रहेगी।राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि जो पाइप पेयजल योजना का अधिकतम उपयोग कर हर घर तक शुद्ध पानी पहुंचाया जाएगा।

यूपी बोर्ड परीक्षा 2025 : हाईस्कूल में 90.11 और इंटरमीडिएट में 81.15 प्रतिशत उत्तीर्ण

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद यूपी बोर्ड ने शुक्रवार को हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2025 के परिणाम घोषित कर दिए, जिसमें हाईस्कूल में 90.11 प्रतिशत और इंटरमीडिएट में 81.15 प्रतिशत छात्रों ने सफलता का परचम लहराया है। इन परिणामों की सबसे खास बात यह रही कि एक बार फ्रि बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत दोनों ही स्तरों पर बालकों से बेहतर रहा है।

माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी ने परिणामों की घोषणा के बाद सफ्ल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि शानदार सफ्लता विद्यार्थियों की अथक मेहनत, शिक्षकों के निष्ठापूर्ण समर्पण और अभिभावकों के निरंतर सहयोग का ही परिणाम है। मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे व्यापक और गुणवत्तापूर्ण सुधारों की

- **माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने सफल विद्यार्थियों को दी हार्दिक बधाई**

दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण और अवसर प्रदान करने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है।परिषद् के सभापति एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव और सचिव भगवती सिंह ने प्रयागराज स्थित माध्यमिक शिक्षा परिषद के मुख्यालय से संयुक्त रूप से हाईस्कूल तथा इण्टरमीडिएट परीक्षा परिणामों को सार्वजनिक किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। परीक्षाओं का आयोजन प्रदेश के 8,140 परीक्षा केंद्रों पर 13 कार्यदिवसों में किया गया। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य 19 मार्च से 02 अप्रैल तक निर्धारित 261 मूल्यांकन केंद्रों पर निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ किया गया।यूपी बोर्ड 2025 की हाईस्कूल परीक्षा में 25,45,815 परीक्षार्थी सम्मिलित रहे, जिनमें 13,27,024 बालक और 12,18,791 बालिकाएं शामिल थीं। परिणामों के अनुसार 22,94,122 विद्यार्थी हाईस्कूल की परीक्षा में सफ्ल रहे, जिससे उत्तीर्ण प्रतिशत 90.11 रहा। संस्थागत और व्यक्तिगत छात्रों के प्रदर्शन में भी अंतर देखने को मिला। संस्थागत रूप से परीक्षा देने वाले 25,36,104 छात्रों में से 22,87,431 उत्तीर्ण हुए, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशत 90.19 रहा। वहीं, व्यक्तिगत परीक्षा में शामिल हुए 9,711 छात्रों में से 6,691 सफ्ल रहे, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशत 68.90 रहा।यूपी बोर्ड परीक्षा 2025 में बालिकाओं ने इस बार भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, 12,18,791 बालिकाओं में से 11,44,138 उत्तीर्ण हुई, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशत 93.87 रहा। जबकि 13,27,024 बालकों में से 11,49,984 सफ्ल रहे, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशत 86.66 रहा। इस प्रकार, हाईस्कूल में बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों की तुलना में7.21 प्रतिशत अधिक रहा।संस्थागत परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की तुलना में 21.29 प्रतिशत अधिक रहा, जो नियमित अध्ययन के महत्व को दर्शाता है।यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2025 में 25,98,560 परीक्षार्थी शामिल हुए, जिनमें 13,87,263 बालक और 12,11,297 बालिकाएं थीं। परिणामों के अनुसार 21,08,774 विद्यार्थी सफ्ल रहे, जिनका कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 81.15 रहा। संस्थागत छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 81.15 रहा, जहां 25,12,576 छात्रों में 20,38,884 उत्तीर्ण हुए। व्यक्तिगत रूप से परीक्षा देने वाले 85,984 छात्रों में 69,890 सफल रहे, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशत 81.28 रहा। इंटरमीडिएट में व्यक्तिगत परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत संस्थागत परीक्षार्थियों से मामूली रूप से 0.13 प्रतिशत अधिक रहा।इंटरमीडिएट में बालिकाओं ने श्रेष्ठता साबित की। 12,11,297 बालिकाओं में से 10,46,158 उत्तीर्ण हुई, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशत 86.37 रहा।

15 देशों के वैज्ञानिक लखनऊ विश्वविद्यालय में 36वीं प्राणी शास्त्र कांग्रेस शुरू

लखनऊ, चसं। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग में 36वीं अखिल भारतीय प्राणी शास्त्र कांग्रेस का आयोजन शुरू हो गया है। इसके साथ ही इनोवेशन इन लाइफ साइंसेज फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भी चल रहा है। यह आयोजन 26 अप्रैल तक चलेगा। इस सम्मेलन में भारत समेत अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, नेपाल, ताइवान, मलेशिया, इंडोनेशिया और अबू धाबी सहित 15 से अधिक देशों के 500 से ज्यादा वैज्ञानिक हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन में जैव विविधता, पारिस्थितिकी तंत्र, जलवायु परिवर्तन, सतत कृषि, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, संरक्षण जीवविज्ञान, खाद्य सुरक्षा और अंत:विषयी नवाचार जैसे आठ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हो रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मुख्य सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने विश्वविद्यालय की शोध यात्रा और सतत विकास के प्रयासों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. आर.सी सोबती ने पर्यावरण और स्वास्थ्य के संबंधों पर चर्चा की।